श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी 02:42
उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 19 जुलाई 2025
वर्ष 35, अंक 173, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

विशेष मामलों के लिए नई अदालतें करें स्थापित 12 उचित समय पर करूंगा भारत की यात्रा : ओली -

...नये अवतार की ज़द्दोजहद

जीवन का हर कदम एक जद्दोजहद है।
यही जीवन है वरना जीवन का अर्थ क्या।
हौसला बुलंद हो तो सफलता कदम चूमती है।

गंगा तट पर दिखा आस्था का महासागर

श्रावण मास पर हरिद्वार में हर की पैड़ी पर हजारों शिवभक्त एकत्र हुए। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया और भगवान शिव को अर्पित करने को गंगाजल ले गए। हाथों में रंग-बिरंगी कांवड़ लिए भक्त वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। **अमृत विचार**

बिना डरे महिलाओं को बनाएं सशक्त

भागवत बोले- महिलाओं को रूढिवादी रीति-रिवाजों से मुक्त किया जाना चाहिए

पुणे, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है और उन्हें (महिलाओं को) रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि महिलाएं किसी भी समाज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा कि एक पुरुष अपनी मृत्यु तक काम करता है। एक महिला भी अंत तक काम करती है, लेकिन उससे भी आगे वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। एक महिला के प्यार और स्नेह के तले बच्चे बढ़ते और परिपक्व होते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने महिलाओं को कुछ अतिरिक्त गुण दिए हैं, जिससे वे वह काम कर सकती हैं, जो पुरुष नहीं कर सकते। साथ ही, ईश्वर ने महिलाओं को वे सभी गुण दिए हैं, जो उन्होंने पुरुषों को दिए हैं, जिसके कारण वे वह सब कुछ कर सकती हैं, जो पुरुष कर सकते हैं। भागवत ने कहा कि इसलिए पुरुषों का यह दावा करना मूर्खता है कि वे महिलाओं का उत्थान करेंगे।

- **सोलापुर में गैर-लाभकारी संगठन उद्योगवर्धनी के कार्यक्रम को किया संबोधित**

अहंकार का कोई आधार नहीं

उन्होंने कहा कि इस तरह के अहंकार का कोई आधार नहीं है। महिलाओं को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। बस उन्हें सशक्त बनाएं और उन्हें रूढिवादी रीति-रिवाजों एवं परंपराओं से मुक्त करें। जब एक महिला खुद का उत्थान करती है, तो वह पूरे समाज को ऊपर उठाती है।" आरएसएस प्रमुख ने महिलाओं को सशक्त एवं मजबूत बनाने में उद्योगवर्धिनी के योगदान की सराहना भी की।

प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत अहम

आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि देश की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज से महिलाओं को बिना किसी भय या नियंत्रण के अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने की स्वतंत्रता देने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि पुरुष महिलाओं को डरा-धमका कर उन पर अनुशासन थोप सकते हैं और अस्थायी रूप से उनमें अच्छी आदतें भी डाल सकते हैं, लेकिन अगर आप सचमुच चाहते हैं कि महिलाएं सशक्त हों आपको उन्हें पुरानी परंपराओं की जंजीरों से मुक्त करना होगा और उन्हें फलने-फूलने का अवसर प्रदान करना होगा। राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक प्रगति के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। आरएसएस प्रमुख ने दुनिया में नकारात्मकता होने के बावजूद आशा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बुरी चीज़ों से 40 गुना ज्यादा अच्छी चीज़ें हैं। चिंता करने के बदले हमें सकारात्मक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जैसे एक बीज से पेड़ बनता है और उस पेड़ से और ज्यादा बीज बनता है।

दिल्ली में सितंबर में होगा क्लाउड सीडिंग का परीक्षण: पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आईएमडी, आईआईटी कानपुर और आईआईटीएम पुणे से मिले संकेत के बाद जुलाई में होने वाला परीक्षण टाल दिया गया था**

राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश कराने और वायु प्रदूषण के स्तर में कमी लाने के लिए सितंबर में पहला 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पहले 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण जुलाई की शुरुआत में किया जाना था। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे से प्राप्त जानकारी से यह संकेत मिलने के बाद इसे टाल दिया गया था कि जुलाई में मौसम की स्थिति प्रभावी 'क्लाउड सीडिंग' के लिए अनुकूल नहीं होगी। इसके बाद परीक्षण के लिए सितंबर का महीना चुना गया, जो मानसून के चलते 'क्लाउड सीडिंग' परीक्षण के लिए अधिक उपयुक्त परिस्थितियां उपलब्ध कराता है।

दिल्ली सरकार ने इस पायलट परियोजना के लिए 3.21 करोड़ आवंटित किए हैं, जिसका नेतृत्व आईआईटी-कानपुर का एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग कर रहा है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने परीक्षणों के लिए परिचालन मंजूरी दे दी है। विमान को 'क्लाउड सीडिंग' उपकरणों से लैस कर दिया गया है और इसके चालक दल के पास सभी आवश्यक लाइसेंस एवं प्रमाणपत्र हैं।

सिरसा ने स्पष्ट किया कि विमान निषिद्ध क्षेत्रों में उड़ान से बचेंगे और विमानन सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया के दौरान कोई हवाई फोटोग्राफी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने सभी आवश्यक अनुमतियां हासिल कर ली हैं और विमान पूरी तरह से तैयार है। 'क्लाउड सीडिंग' अब सितंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में होगी। आईआईटी कानपुर ने विमान में उपकरण लगाने का काम पूरा कर लिया है और हम पूर्ण रूप से तैयार हैं। परीक्षण में सेसना 206-एच विमान (वीटी-आईआईटी) का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत उत्तरी दिल्ली के प्रदूषण के लिहाज से अधिक संवेदनशील क्षेत्रों-रोहिणी, बवाना, अलीपुर और बुराड़ी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लोनी और बागपत जैसे हिस्सों में पांच उड़ानों के तहत 'क्लाउड सीडिंग' की जाएगी। सिरसा ने कहा, यह वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक हस्तक्षेप है।

पूर्व सैनिक की पत्नी व बेटी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को तेलंगाना में भूमि विवाद को लेकर सेना के एक सेवानिवृत्त मेजर जनरल की 70-वर्षीय पत्नी और उसकी बेटी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया और शिकायतकर्ता पर न्याय प्रणाली का दुरुपयोग करने के लिए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने माला चौधरी और उनकी बेटी पुट्टागुंटा रेवती चौधरी की याचिका का तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लापरवाही से निपटारा करने के दृष्टिकोण को बिल्कुल नपा तुला और लापरवाहीपूर्ण करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, हाईकोर्ट ने अपीलकर्ताओं द्वारा दायर याचिका को कूट तरीके से निपटाते हुए, जैसा कि संकेत दिया गया था, पूर्णतया रूढिवादी दृष्टिकोण अपनाया... यहां तक कि मामले के गुण-दोष पर भी विचार नहीं किया। पीठ ने हाईकोर्ट द्वारा प्राथमिकी रद्द करने की याचिका को खारिज करने पर भी नाराजगी जताई।

असाध्य रोग वाले कैदियों की रिहाई को एक नियम जरूरी

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि जेल नियम राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं और उन्हें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई के लिए एक समान नियम बनाने चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित या 70 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों के एक समूह को जेल से रिहा करने का अनुरोध किया गया था।

केंद्र ने दावा किया कि इस मुद्दे पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा चुकी है और यह रिकॉर्ड में मौजूद है। हालांकि, पीठ ने कहा, अंततः, जेल नियम सभी राज्यों पर अलग-अलग लागू होते हैं। सभी राज्यों को एक समान जेल नियम बनाना होगा, जिसमें असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की रिहाई पर विचार किया जाना चाहिए। केंद्र की ओर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों को लेकर चिंतित है और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एसओपी में ऐसे कैदियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है।

- **केंद्र का दावा- एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार, यह रिकॉर्ड में मौजूद**

सरकार ने कहा कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश आम माफी के तहत ऐसे कैदियों की रिहाई पर भी विचार कर सकते हैं। पीठ ने दुरुपयोग की संभावना को चिह्नित करते हुए कहा कि ऐसे कैदियों और रिहाई के लाभ के हकदार लोगों के इलाज के मानक पर दिशानिर्देश होने चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने नालसा की मानक संचालन प्रक्रिया का हवाला दिया और कहा, हमने परिभाषित किया है कि किसे असाध्य रूप से बीमार कैदियों की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और इसे संबंधित जेल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

इस पर पीठ ने टिप्पणी की, चिह्नित करना अलग बात है, लेकिन प्रमाणीकरण ही असली समस्या है। इसके दुरुपयोग की बहुत संभावना है। भाटी ने कहा कि केंद्र की मानक संचालन प्रक्रिया में इसके लिए एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है। दिल्ली सरकार की ओर से भी पेश हुए विधि अधिकारी ने कहा कि एक कैदी 1985 से दमा (अस्थमा) से पीड़ित है। नालसा के वकील ने कहा कि केरल में 94 वर्षीय कैदी है। पीठ ने उन कैदियों पर भी विचार-विमर्श किया जिन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

श्रावण कृष्ण पक्ष नवमी 02:42
उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 19 जुलाई 2025
वर्ष 35, अंक 173, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

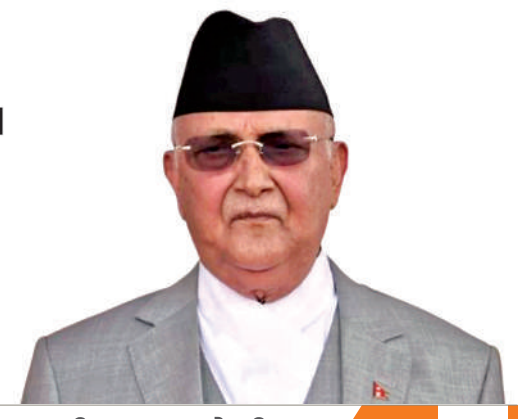

विशेष मामलों के लिए नई अदालतें करें स्थापित 12

उचित समय पर करूंगा भारत की यात्रा : ओली 14

बिहार के मोतिहारी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। ● एजेंसी

पूर्वी भारत के विकास को विकसित बिहार जरूरी :मोदी

- मोतिहारी में बोले प्रधानमंत्री राजद ने हड़पी गरीबों की जमीन
- राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया

मोतिहारी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर करारा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने नौकरियों के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए यह आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत के विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने नया नारा दिया, बनाएंगे नया बिहार, फिर एक बार एनडीए सरकार। उन्होंने कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन पर गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने अतीत में राज्य की उपेक्षा के लिए विपक्षी गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने बिहार की धरती से 'ऑपरेशन सिंदूर' का संकल्प लिया था और दुनिया ने इसकी सफलता देखी है। मोदी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजद युवाओं को रोजगार देने के बारे में सोच भी नहीं सकता, क्योंकि उन्होंने (राजद नेताओं) नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके गरीबों की जमीन हड़प ली। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राजद-कांग्रेस शासन के दौरान विकास कोसों दूर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। केवल गरीबों और सामाजिक रूप से पिछड़ों के नाम पर राजनीति की।

युवाओं को देंगे अधिक रोजगार के मौके

युवाओं के लिए और अधिक अवसरों का वादा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश भर में नौकरियां और रोजगार के अवसर मुहैया करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। मोदी ने यह भी कहा कि पूर्वी भारत के समग्र विकास के लिए विकसित बिहार जरूरी है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले 45 दिन में, सरकार ने बिहार में 24,000 स्वयं सहायता समूहों के लिए 1,000 करोड़ जारी किए हैं। देश में 1.5 करोड़ लखपति दीदियों में से 20 लाख राज्य में हैं।

विकास में बाधक है टीएमसी सरकार

दुर्गापुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार को राज्य में निवेश रोजगार और विकास की राह में बाधक दीवार बताते हुए कहा कि टीएमसी की दीवार ढहेगी तभी राज्य प्रगति के रास्ते पर बढ़ पाएगा। मोदी ने यहां एक सभा में कहा कि टीएमसी के भ्रष्टाचार, उगाही और अराजकता के कारण देश और दुनिया के निवेशक पश्चिम बंगाल में निवेश से डरते हैं। दुर्गापुर और आसनसोल में उद्योग बंद हो रहे हैं। युवाओं को रोजी रोटी के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है।

एक नजर

एक करोड़ रिश्वत मांगने में स्वापक अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के एक अधिकारी को एक किसान से एक करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के लिए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सीबीआई ने मध्यप्रदेश के नीमच में तैनात अधिकारी महेंद्र सिंह को उसके साथी जगदीश मेनारिया के साथ कुल रिश्वत में से तीन लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया।

आईआरएस अधिकारी ने सेवा से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। ईडी में रहते हुए दो मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी की निगरानी करने वाले आईआरएस अधिकारी कपिल राज ने लगभग 16 वर्षों की सेवा के बाद सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया है। वित्त मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि राष्ट्रपति ने इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है जो 17 जुलाई से प्रभावी होगा।

स्वर्ण मंदिर उड़ाने की धमकी में इंजीनियर गिरफ्तार

अमृतसर। एसजीपीसी को स्वर्ण मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले पांच ई-मेल भेजने के मामले में फरीदाबाद से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शुभम दुबे (24) को पकड़ा गया है।

योगी की दो टूक, लातों के भूत बातों से कभी नहीं मानने वाले

भगवा गमछा पहनकर या अल्लाह बोल आगजनी करने वाले का किया पर्दाफाश

- वाराणसी में बिरसा मुंडा पर संगोष्ठी में समाज में विभेद पैदा करने वालों पर साधा निशाना
- कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट से कराना चाहते हैं जातिसंघर्ष, होगी कड़ी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जौनपुर में जबरदस्ती नियमों को ताक पर रखकर ऊंचा ताजिया बनाया गया, जो हाईटेंशन तार की चपेट में आया और तीन लोग मारे गए। फिर रास्ता जाम किया गया। पुलिस वालों ने पूछा- क्या करें? मैंने कहा- लाठी मारकर बाहर करो, क्योंकि ये लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। ऐसे लोगों को समझना होगा कि सामाजिक समरसता बनाए रखना जरूरी है।

मुख्यमंत्री दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद संबोधन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो-तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से या अल्लाह निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

मुख्यमंत्री योगी ने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा में न जाति का भेद है, न मत का, न सम्प्रदाय का। उन्होंने कहा कि आज कांवड़ यात्रा भक्तिभाव से चल रही है, लेकिन कुछ लोग इसे उपद्रवियों का नाम दे देते हैं। यह वही वर्ग है, जो आदिवासियों को भड़काता है। हमें इनसे सतर्क रहना होगा। योगी ने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की।

इस अवसर पर पद्मश्री अशोक भगत, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालु, विधायकगण डॉ. नीलकंठ तिवारी, डॉ. अवधेश सिंह, सुशील सिंह, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज सनातन परंपरा का आधार

मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखंड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज के समय में जनजातीय समाज के योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा को राष्ट्रीय आंदोलन का उत्प्रेरक बताते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा भारत की विरासत और धरोहर को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने डबल इंजन सरकार की जनजातीय समाज के लिए किए गए विकास कार्य गिनाए।

अब ऑनलाइन भी दाखिल कर सकते हैं आईटीआर-दो

नई दिल्ली। कर योग्य पूंजीगत लाभ आय वाले व्यक्ति और हिंदू अविभाजित परिवार अब वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न आईटीआर-2 दाखिल कर सकते हैं। आयकर विभाग ने 'एक्स' पर लिखा कि आईटीआर-2 आयकर रिटर्न फॉर्म अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर पहले से भरे हुए आंकड़ों के साथ ऑनलाइन माध्यम से दाखिल किए जा सकते हैं।

- आयकर विभाग ने शुरू की सुविधा

आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा दाखिल किए जाते हैं, जिन्हें पूंजीगत लाभ से आय होती है, लेकिन व्यवसाय या पेशे से कोई आय नहीं होती है। पिछले महीने, कर विभाग ने आईटीआर-1 और आईटीआर-4 दाखिल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा शुरू की थी, जो छोटे और मझोले करदाताओं के लिए सरल फॉर्म हैं। सरकार ने पहले ही उन व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा आकलन वर्ष 2025-26 (वित्त वर्ष 2024-25) के लिए आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं कराना है।

आठ साल की बच्ची से रेप, हत्या का आरोपी ढेर

- 27 जून को अगवा की गई थी बच्ची, मैनपुरी में मिला था शव
- बेवर रोड के किनारे जंगल में हुई मुठभेड़, दो सिपाही घायल

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार : आठ साल की बच्ची का अपहरण कर रेप के बाद हत्या करने वाले इनामी अपराधी को मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। अपराधी के खिलाफ हत्या, अपहरण, फिरौती वसूली समेत कई मामले दर्ज थे।

कायमगंज की 8 साल की बच्ची पिछले महीने मोहम्मदाबाद क्षेत्र के एक गांव में रिश्तेदारी में आई थी। 27 जून को वह अचानक गायब हो गई थी। पुलिस ने 28 जून को बच्ची का शव मैनपुरी जिले के भोगांव थाना क्षेत्र के देवीपुर गांव के एक खेत से बरामद किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई थी। इसके बाद पुलिस हत्यारे की सुरागरसी में जुट गई।

सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और मुखबिर के जरिए पुलिस ने मेरापुर थाना क्षेत्र के पखना गांव निवासी मनु पुत्र लटूरी की तलाश शुरू की। गुरुवार रात पुलिस को उसके बेवर-मोहम्मदाबाद रोड पर खाटू श्याम मंदिर के जंगल में छिपे होने की सूचना मिली। शुक्रवार तड़के कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला एवं एसओजी प्रभारी सचिन चौधरी ने फोर्स के साथ जंगल की नाकेबंदी की तो आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में दो गोली अपराधी मनु को लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे मोहम्मदाबाद सीएचसी पहुंचाया, जहां से डॉक्टर ने लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया। लोहिया अस्पताल में उसकी मौत हो गई। गोली लगने से एसओजी प्रभारी सचिन चौधरी और सिपाही अमरदीप भी घायल हो गए।

एक लाख रुपये का घोषित था इनाम

बच्ची से रेप और हत्या के आरोपी मनु पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ का शिकार हुए मनु पर हत्या, अपहरण, फिरौती वसूलने और बालिकाओं के साथ दुष्कर्म के मामले दर्ज थे। उसके पास से एक पिस्टल, चार कारतूस, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने छह नक्सली मार गिराए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह नक्सलियों को मार गिराया। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर भेजा गया था।

- एके-47 और एसएलआर राइफल के साथ विस्फोटक सामग्री बरामद

सुंदरराज ने बताया कि अभियान के दौरान दोपहर से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है। अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थल से छह नक्सलियों के शव, एके-47 और एसएलआर राइफल, कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं।

अमेरिका ने टीआरएफ को घोषित किया आतंकी संगठन

- द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी पहलगाम हमले की जिम्मेदारी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कार्रवाई पहलगाम हमला मामले में न्याय संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख पर अमल की अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वाशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि इससे पता चलता है कि भारत-अमेरिका आतंकवाद-रोधी सहयोग कितना मजबूत है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले की ज़िम्मेदारी ली थी लेकिन बाद में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने अपना बयान वापस ले लिया था।

लालू प्रसाद के खिलाफ कोर्ट की कार्यवाही पर रोक से इनकार

- जमीन के बदले नौकरी मामला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय से सीबीआई की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने को कहा। शीर्ष अदालत ने मामले में यादव को स्वास्थ्य आधार पर निचली अदालत में पेशी से छूट भी प्रदान की। पीठ ने कहा कि मामले के तथ्य और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, हम आगे यह आदेश पारित करने के लिए इच्छुक हैं कि वह चाहें तो व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हों। हम उच्च न्यायालय से सुनवाई में तेजी लाने का आग्रह करते हैं।

पूर्व सीएम बघेल का पुत्र गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी

- शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। दुर्ग जिले के भिलाई शहर में चैतन्य बघेल के घर पर छापेमारी के बाद उनको धन शोधन रोधी अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया।

पिता-पुत्र दोनों एक ही जगह रहते हैं। घर के बाहर भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। कुछ पार्टी समर्थक भी वहां जमा थे। भूपेश बघेल ने कहा कि आज चैतन्य का जन्मदिन है। सूत्रों के अनुसार, एक विशेष पीएमएलए अदालत ने चैतन्य को पांच दिन की ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) हिरासत में भेज दिया है। चैतन्य बघेल को धन शोधन रोधी अधिनियम की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया क्योंकि मामले में नए सबूत मिलने के बाद की गई छापेमारी के दौरान वह कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि चैतन्य बघेल से कथित रूप से जुड़ी कंपनियों को कथित शराब घोटाले से अर्जित लगभग 17 करोड़ रुपये की अपराध आय प्राप्त हुई।

विपक्षी नेताओं को बनाया जा रहा निशाना : बघेल

बघेल (63) ने 'एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि विधानसभा सत्र के आखिरी दिन ईडी उनके घर आई है, जब रायगढ़ जिले की तमनार तहसील में अडाणी समूह की कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लेकिन उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और वे उनके साथ सहयोग करेंगे।

उत्तराखंड में भी छांगुर बाबा का नेटवर्क

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- अवैध धर्मांतरण रैकेट से जुड़ा संदिग्ध युवक दून से गिरफ्तार
- पांच लोगों पर उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता एक्ट में केस दर्ज

अमृत विचार : देश भर में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का उत्तराखंड कनेक्शन भी सामने आ रहा है। देहरादून में अवैध धर्मांतरण के प्रयास में 5 आरोपियों के खिलाफ उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कराया गया है। यूपी एटीएस, एसटीएफ और दून पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में देहरादून से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि गुरुवार को यूपी एटीएस ने उनसे सम्पर्क कर गोपनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान किया था, उनके द्वारा देहरादून में एक संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी साझा करते हुए आगरा में धर्मान्तरण रैकेट के संबंध में दर्ज मुकदमे में शंकरपुर, सहसपुर (देहरादून) निवासी अब्दुल रहमान को पूछताछ हेतु हिरासत में लेने तथा अभियोग से संबंधित अन्य सूचनाओं को साझा किया गया था। अब्दुल रहमान उर्फ रूपेंद्र सिंह के संबंध में बताया गया कि वह वर्ष 2012 में धर्म परिवर्तन कर चुका था। एसएसपी के अनुसार, इस मामले में पुलिस और एसटीएफ द्वारा संदिग्ध इंस्टाग्राम आईडी की मॉनिटरिंग की गई। उत्तराखंड से संबंधित इस्टाग्राम आईडी की जानकारी करने पर रानीपोखरी क्षेत्र में एक संदिग्ध युवती की आईडी की जानकारी मिली। साथ ही, उक्त महिला के आगरा में पंजीकृत अभियोग में यूपी एटीएस द्वारा शंकरपुर सहसपुर से गिरफ्तार किए गए अब्दुल रहमान के सम्पर्क में होने की जानकारी मिली। इस सम्बन्ध में पुलिस टीम द्वारा उक्त युवती से सघन पूछताछ करते हुए उक्त गिरोह द्वारा धर्मान्तरण के लिये अपनाई जा रही मॉडस ऑपरेंडी से युवती के परिजनों को अवगत कराते हुए विस्तृत जानकारी दी गई।

जस्टिस वर्मा ने की जांच समिति की रिपोर्ट रद्द करने की मांग

नकदी बरामदगी मामला: सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका, कहा-खुद को साबित करने का मौका नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने का अनुरोध करने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में कदाचार का दोषी पाया गया है।

वर्मा ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा 8 मई को की गई, संसद से उनके खिलाफ महाभियोग चलाने का आग्रह करने वाली सिफारिश को रद्द करने की मांग की है। सरकार 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की योजना बना रही है। अपनी याचिका में, न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि जांच ने 'साक्ष्य प्रस्तुत करने की उस जिम्मेदारी को उलट दिया, जिससे उन्हें अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करनी है और उन्हें गलत साबित करना है।

न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोप लगाया कि समिति के निष्कर्ष एक पूर्वकल्पित कहानी पर आधारित थे। याचिका में तर्क दिया गया है कि जांच समिति ने उन्हें पूर्ण और निष्पक्ष सुनवाई का अवसर दिए बिना ही प्रतिकूल निष्कर्ष निकाले। याचिका को अभी सुनवाई के लिए किसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाना है। घटना की जांच कर रही समिति की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि न्यायमूर्ति वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था जहां बड़ी मात्रा में अधजली नकदी मिली थी और इससे उनके कदाचार का प्रमाण मिलता है जो इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए।

महाभियोग का प्रस्ताव लाना सांसदों का विषय : मेघवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना पूरी तरह से सांसदों का विषय है और सरकार इसमें कहीं भी शामिल नहीं है। मेघवाल ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नकदी जब्त होने से जुड़े आरोपों की जांच के लिए भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना द्वारा गठित आंतरिक समिति अपनी रिपोर्ट सौंप चुकी है। न्यायमूर्ति वर्मा रिपोर्ट से सहमत नहीं हैं और सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जा सकते हैं।

प्रयागराज में डीजे बजाने को लेकर कांवड़ियों पर हमला

लाठी-डंडे से पिटाई का आरोप, नमाज़ के दौरान डीजे बजाने का आरोप, पुलिस मामले की जांच में लगी

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर जोन के मऊआइमा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर तेज आवाज में डीजे बजा रहे कांवड़ियों से मुस्लिम लोगों की झड़प हो गई। देखते-देखते मामले ने तूल पकड़ लिया। कांवड़ियों ने मुस्लिम पक्ष पर लाठी, डण्डे से पिटाई करने, महिलाओं के कपड़े और झण्डे फाड़ने का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है जिसपर पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। दोनों पक्षों के आमने - सामने आने से मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई थी।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के सराय ख्वाजा गांव से होकर कांवड़िये गुजर रहे थे। कांवड़ियों के दल में डीजे शामिल था और इसी वक्त गांव में स्थित मस्जिद में जुमे की नमाज चल रही थी जिसका स्थानीय मुस्लिम लोगों ने विरोध किया।

घटना के बाद मऊआइमा थाने पर जुटे कांवड़िये। अमृत विचार

इसके बाद दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई फिर दोनों समुदायों के लोग आमने - सामने आ गए। सूचना पर तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया।

कांवड़ियों ने जो तहरीर पुलिस को दी है उसके अनुसार महेंद्र कुमार सरोज पुत्र रामचंद्र, निवासी सराय स्नाला ने थाना मऊआइमा को दी गई लिखित तहरीर में आरोप लगाया है कि 18 जुलाई 2025 शुक्रवार की दोपहर लगभग 1:30 बजे वह और अन्य श्रद्धालु कांवर यात्रा में शामिल होकर भोलेनाथ को जल चढ़ाने के उद्देश्य से डीजे के साथ नाचते-गाते हुए निकल रहे थे। जैसे ही कांवड यात्रा गांव के भोला जयसवाल के घर के पास पहुंची, तभी लगभग 200 मीटर दूर स्थित मस्जिद की दिशा से एक भीड़, जिसमें तौहीद, यामीन, तस्लीम, राजू, मोहम्मद सहिल, अबरार, सहलाद, तुफैल अहमद, कल्लू, सुदैन अहमद,

3 हमलावर गिरफ्तार, महिलाओं के कपड़े फाड़ने का आरोप

जीशान, गरजूर साईं, मो समात, एसटीओ रामसार सहित करीब 50 अज्ञात लोग शामिल थे, हाथों में तलवार, लाठी-डंडा और अन्य हथियार लेकर आए और धार्मिक यात्रा पर हमला कर दिया।प्रार्थी के अनुसार, हमलावरों ने यात्रा में शामिल लोगों को जातिसूचक गालियां दीं और धमकी दी कि "तुम लोग यहां यात्रा नहीं निकाल सकते, अगर दोबारा ऐसा किया तो जान से मार देंगे।" हमले के दौरान महिलाओं से भी अभद्रता और मारपीट की गई, एक महिला को घसीटते हुए कपड़े तक फाड़ दिए गए। यात्रियों के मोबाइल फोन तोड़ दिए गए, भगवा झंडा फाड़ दिया गया और कई श्रद्धालुओं से पैसे और जेवर भी छीन लिए गए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने ग्रामीणों को धमकाते हुए कहा कि अगर गांव से फिर कभी कोई धार्मिक यात्रा निकली तो वह उसे जानलेवा हमला करके रोक देंगे। पीड़ित पक्ष ने मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन्हें खदेड़ दिया और वीडियो डिलीट कराने की कोशिश की।

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। पीड़ित महेंद्र कुमार ने थाने में लिखित तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने पुलिस से जल्द से जल्द न्याय दिलाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की अपील की है।

मुस्लिम पक्ष के सरांय ख्वाजा गांव के रहने वाले आसिफ, रिजवान आदि का कहना है कि नमाज के दौरान डीजे पर डांस हो रहा था। इसी को लेकर आवाज धीमी करने को कहा गया। बातचीत के दौरान कहासुनी हो गई। पथराव, तलवार, लाठी से मारने के आरोप गलत हैं। गांव के लोगों को जबरन फंसाने की कोशिश की जा रही है। वादी इसी गांव का है, इसलिए सबको जानता है। इसकी सही से जांच होनी चाहिए।

उधर, डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मऊ आइमा थाना क्षेत्र के सराय ख्वाजा गांव के पास से लगभग 1:30 बजे कावड़ यात्री डीजे यात्री के साथ गांव से गुजर रहे थे। इसी दौरान डीजे की आवाज लेकर मुस्लिम लोगों ने आपत्ति की जिसको लेकर दोनों पक्षों में वाद विवाद हुआ था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। इसके बाद कांवड़ियों को आगे के लिए रवाना किया गया। तहरीर के आधार पर मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुस्लिम पक्ष के तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ और अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

सार-संक्षेप

खुश रहना आवश्यक, स्वयं को समय देने पर कम होगा तनाव

पीबीपीजी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं को सम्मानित करते प्राचार्य प्रो. एके श्रीवास्तव व प्रो. रामराज। अमृत विचार

प्रतापगढ़ : पीबीपीजी कॉलेज सिटी एवं मैत्री बोध परिवार पुणे के संयुक्त तत्वावधान में तनाव प्रबन्धन एवं भावनात्मक स्थिरता विषय पर शुक्रवार को कार्यशाला आयोजित की गई। शुभारंभ प्राचार्य प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव ने किया। मुख्य वक्ता गीतांजलि ने बताया कि तनाव को भीतर से बाहर निकालना बहुत जरूरी है। भागमभाग भरी जिंदगी में स्वयं को समय देने की आवश्यकता है। स्वयं को समय देने पर तनाव कम होगा। भीतर से खुश रहना आवश्यक है। यह भी बताया कि हमारी टीम भारत महापरिवर्तन यात्रा पर है। जिसके तहत दादा श्री जी द्वारा दिया गया उद्देश्य 2032 तक चिंता मुक्त भारत बनाना है। इसी के अंतर्गत मैत्री सम्बोध ध्यान मेडिटेशन कराया गया। प्रदेश में कार्य कर रही टीम में गुंजन त्यागी व अमृत पाल सिंह सोढ़ी भी शामिल रहे। आयोजन सचिव डॉ. सीपी पांडेय, संयोजक डॉ. नीरज कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश मोदनवाल ने अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. रामराज, प्रो. उपेंद्र कुमार सिंह, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. वर्षा जायसवाल, डॉ. शिव प्रताप सिंह, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. भूपाल सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार सिंह, अजीत सिंह, सुनीत सिंह, अवनीश सिंह, रवि प्रकाश, प्रशांत आदि रहे।

पुलिस के हत्थे चढ़े कार सवार स्मैक तस्कर

कोहड़ौर, प्रतापगढ़ : कोहड़ौर थाना क्षेत्र के घरौली मधुपुर गांव में अर्धनिर्मित टोल प्लाजा के पास गुरुवार देर शाम स्वाट टीम प्रभारी दिनेश सिंह व थाने के एसआई प्रवीण कुमार दुबे टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान संदिग्ध दिखी एक आर्टिका कार को रोक लिया। कार से स्मैक तस्करी करने वाले कार चालक सहित दो को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान पकड़े गए युवकों ने अपना नाम सरफराज अहमद पुत्र अली अहमद निवासी अजीज नगर नूरपुर, थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़, मो. तारिक पुत्र मो. आसिफ, निवासी ग्राम टिकरा, थाना जैदपुर, जनपद बाराबंकी व मो. इसरार पुत्र मो. इस्तियाक निवासी ग्राम बरौली मलिक, थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी बताया जिनके पास से तलाशी लेने पर दो लाख रुपये कीमत के कुल 167 ग्राम अवैध स्मैक मिला। केस दर्ज कर पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया और कार को पुलिस ने सीज कर दिया।

गोष्ठी में ग्राहकों को दी गई बैंक से जुड़ी जानकारी

गौरा, प्रतापगढ़ : बीओबी रामपुर में शुक्रवार को ग्राहक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में डिजिटल अरेस्ट, फर्जी ओटीपी कॉल, बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। शाखा प्रबन्धक संजय गौड़ ने बैंक से जुड़ी विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इस दौरान क्रेडिट ऑफिसर धीरज तिवारी, सचिन, दिलीप कुमार, विजय प्रकाश, रामलाल, राम बहादुर, संजय, संजीव, राजेश घनश्याम आदि मौजूद रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान : लालगंज को जिले में पहला स्थान

नगर पंचायत लालगंज में स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित करतीं अध्यक्ष अनीता द्विवेदी।

प्रतापगढ़ : शासन द्वारा कराये गये स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2024-25 में लालगंज नगर पंचायत को जिले में प्रथम स्थान मिला है। खुशी व्यक्त करते हुए शुक्रवार को स्वच्छताकर्मियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता द्विवेदी व ईओ इंद्र प्रताप व प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने किया। चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी ने कहा कि जिले की पांच नगर परिषद व 18 नगर पंचायतों में लालगंज को प्रथम स्थान मिलना गौरवपूर्ण उपलब्धि है। टाउन एरिया में संसाधनों की उपलब्धता कराये जाने में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा मोना, एमएलसी उमेश द्विवेदी के सहयोग के प्रति आभार जताया। सफलता पर लालगंज के ईओ इंद्र प्रताप व गड़वारा के ईओ अभयरंजन व प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी एवं स्वच्छताकर्मियों को माल्यार्पण व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। संचालन अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश शुक्ल व संयोजन अनिकेत दुबे, अरविन्द मिश्र ने किया। समारोह में सभासद दारा सिंह, संजय सिंह, मो. मुकीम, धर्मपाल गौतम, शेरू खां, जावेद खां ने भी स्वच्छ सर्वेक्षण में सफलता को लेकर चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान सौंपा।

बाढ़ से सैकड़ों मकान डूबे हजारों लोग प्रभावित

प्रयागराज, अमृत विचार। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। दो दिन पहले जहां गंगा और यमुना नदियों की रफ्तार थम गई थी और पानी धीरे-धीरे कम होने लगा था। वहीं एक बार फिर से गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है जिसके चलते इस साल बड़े हनुमान मंदिर के गर्भगृह में दूसरी बार मां गंगा और यमुना नदियों ने पहुंचकर हनुमान जी का दूसरी बार अभिषेक कराया है। विधि विधान से पूजा - अर्चना के बाद दूसरी बार मंदिर के कपाट को बंद कर दिया गया हैं।

वहीं गंगा और यमुना नदियों के उफनाने से पूरे संगम क्षेत्र में पानी ही पानी नजर आ रहा है। संगम क्षेत्र में बनी दुकानें और झोपड़ियां पानी में समा गई हैं। दुकानदार, घटिये और तीर्थ पुरोहित सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए हैं। नाविकों ने किनारे की ओर लाकर नावें भी बांध दी हैं।

बाढ़ का पानी दारागंज से नाग वासुकी मंदिर की जाने वाली रोड पर पहुंच चुका है। दशाश्वमेध घाट के सामने सड़क पूरी तरह से जलमग्न हो गई है। सड़क किनारे रह रहे लोग अपने सामानों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर रहे हैं। नागवासुकी की

बाढ़ में डूबा बड़े हनुमान जी का मंदिर।

तरफ भी जलस्तर बढ़ने से गंगा पथ पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आ गया है। छोटा बघाड़ा, दारागंज के निचले हिस्से, नया पुरवा, गंगानगर सहित अन्य कछारी क्षेत्रों में बने घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है जिससे हजारों लोग घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं। इन लोगों के आवागमन के लिए अब नावें सहारा बनी हुई हैं।

बाढ़ का पानी बघाड़ा और सलोरी के रिहायशी इलाकों की ओर भी पहुंच रहा है। वही गंगा और यमुना नदी में आई बाढ़ के चलते झूंसी क्षेत्र के बदरा सुनौटी समेत कई गांव का संपर्क शहर से कट गया है।

पीडीए के रिक्त 764 फ्लैटों के सापेक्ष आए 152 आवेदन

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण प्रयागराज (पीडीए) के रिक्त फ्लैटों को लेकर खरीदारों में कोई जोश नही दिख रहा है क्योंकि पीडीए की विभिन्न आवासीय योजनाओं में रिक्त कुल 764 फ्लैटों के सापेक्ष आवंटन के लिए आनलाइन मात्र 152 लोगों ने आवेदन किया है। पीडीए ने रिक्त फ्लैटों के दाम में 10 से 15 लाख रुपये तक दाम आवंटियों के लिए कम किया है। पीडीए के फ्लैटों के आवंटन को लेकर शहरी जरा भी गंभीर नहीं है। पीडीए जिन 764 फ्लैटों के आवंटन के लिए आवेदन लें रहा था उनका निर्माण नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी ने कराया था। जांच के बाद तय होगा कि 152 आवेदन करने वाले लोगों में से कितने लोगों का आवेदन मानक को पूरा करता है क्योंकि आनलाइन आवेदन के साथ फ्लैटों के मूल्य का 10 फीसदी राशि जमा करना था।

अग्निवीर भर्ती की तैयारी शुरू

लखनऊ, अमृत विचार : अग्निवीर के विभिन्न श्रेणियों की सामान्य प्रवेश लिखित परीक्षा (सीईई) सफल होने के बाद अब मुख्यालय क्षेत्रीय भर्ती कार्यालय (यूपी एवं उत्तराखंड) भर्ती रैली कराएगा। सेना के अफसरों ने प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ बैठक करके तैयारियों से अवगत कराया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सुरक्षा व सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। सेना द्वारा सीईई 30 जून से 10 जुलाई तक कराई गई थी। लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद सफल अभ्यार्थियों का शारीरिक परीक्षण होगा और इस दौरान उनके शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसके लिए सभी सेना भर्ती कार्यालयों की अलग-अलग भर्ती रैली के तिथिवार शेड्यूल जारी किए जाएंगे।

दरोगा रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

प्रयागराज। एंटी करप्शन टीम ने करछना थाने के दरोगा अभिनव सिंह को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता का नाम मुकदमे से निकालने के एवज में दरोगा अभिनव सिंह ने 25 हजार रुपये मांगे थे। पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के यमुनानगर जोन के करछना थाने में दारोगा अभिनव सिंह तैनात हैं। शिकायतकर्ता रवि सिंह ने दरोगा के रिश्वत मांगने की शिकायत एन्टी करप्शन टीम से की थी। एंटी करप्शन की ट्रैप टीम ने जाल बिछाकर देवरी खुर्द स्थित शिकायतकर्ता के भट्टे के पास से दरोगा अभिनव सिंह को गिरफ्तार किया। दरोगा अभिनव सिंह को 25 हजार की रिश्वत लेते सरकारी गवाहों के समक्ष ट्रैप टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया। थाना औद्योगिक क्षेत्र में एंटी करप्शन टीम ने दरोगा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। रिश्वत लेते गिरफ्तार दरोगा अभिनव सिंह यादव बलिया जिले के सहतवार थाना क्षेत्र के रजौली गांव के निवासी है, जबकि शिकायतकर्ता रवि सिंह देवरी खुर्द अरैल तहसील व थाना क्षेत्र करछना का रहने वाला है। टीम आगे की कार्रवाई के लिए दरोगा को अपने साथ लेकर चली गयी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना
मैं, **साक्षी सिंघानी पुत्री श्री चंदर लाल बलानी 91 रतन लाल नगर, कानपुर- 208022,** यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम साक्षी सिंघानी से बदलकर पूजा कर लिया है। यह नाम परिवर्तन सभी आगामी कार्यो और दस्तावेज़ों में प्रभावी रहेगा।

सूचना
मैं, **रितेश सिंघानी पुत्र श्री हीरालाल, निवासी 91 रतन लाल नगर, कानपुर** – 208022, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम रितेश सिंघानी से बदलकर रितेश कुमार कर लिया है। यह नाम परिवर्तन सभी आगामी कार्यो और दस्तावेज़ों में प्रभावी रहेगा।

सूचना
सूचित हो कि मेरे सभी शैक्षणिक व सरकारी अभिलेखों में मेरा नाम ज्योत्सना JYOTSANA अंकित है जबकि आधार कार्ड संख्या 926496994348 में ज्योति कटियार अंकित हो गया है जबकि मेरा सही नाम ज्योत्सना JYOTSANA अंकित होना है। **ज्योत्सना पत्नी राहुल कटियार निवासी आनन्दीपुर्वा तेरामल्लू जनपद कन्नौज।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुनेश्वर पुत्र प्यारे लाल गौरभीठ, फैजुल्लागंज लखनऊ का हूँ। मैं अपने पुत्र संदीप एवं पुत्रवधू दामिनी का आचरण एवं चाल–चलन ठीक न होने के कारण उक्त दोनों को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ। आज के बाद से इनके द्वारा किये गए कृत्यों / कुकृत्यों के लिए ये स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरी एवं मेरे परिवार की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। **मुनेश्वर पुत्र प्यारे लाल, वर्तमान पता प्लाट नं0–32, गौरभीठ, फैजुल्लागंज लखनऊ**

सूचना
मैं **नन्हके पुत्र नत्था, निवासी ग्राम ढखवा, परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ** मेरे दो पुत्र है जिनके नाम क्रमशः अमित व रोहित है। मेरा पुत्र अमित व उसकी पत्नी गुड़िया मिलकर आये दिन मेरा तिरस्कार करते हैं भला–बुरा कहा करते है व मारपीट पर अमादा रहते है, मेरा कोई इज्जत व सम्मान नहीं करते हैं। मेरे पुत्र अमित व उसकी पत्नी गुड़िया का चाल–चलन व सामाजिक गतिविधिया ठीक नहीं है जिससे मै व मेरी पत्नी काफी परेशान है जिसके कारण मैने अपने पुत्र अमित व उसकी पत्नी गुड़िया को अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है अब यदि भविष्य में मेरे पुत्र अमित व उसकी पत्नी गुड़िया के द्वारा कोई भी गलत कृत्य किया जाता है तो उसके जिम्मेदार वे स्वयं होगे। मेरा व मेरी पत्नी का कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

सूचना
मैने अपने बडे पुत्र रनवीर सिंह के गलत चाल चलन और आचरण के कारण अपनी सभी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उपरोक्त द्वारा किसी प्रकार के कृत्य वाद विवाद आदि लेन देन का परिवार से कोई सरोकार नही होगा। वह स्वंय ही जिम्मेदार होगा। **शिव कुमार पुत्र भारत सिंह, निवासी– ग्राम गधैयन ,निनावा थाना भरथना जिला इटावा**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरा हाईस्कूल वर्ष 2014का अंकपत्र व प्रमाण पत्र जिसका अनुक्रमांक 4180275 है वास्तव में खो गया है जिस किसी को मिले निम्नांकित पते पर पहुंचाने का कष्ट करें। **अविनाश पुत्र मुन्नालाल ग्राम पोस्ट पहाड़ी जिला चित्रकूट, मो0नं0 : 7041682533**

सूचना
सर्व साधारण को सूचित करना चाहता हूं कि मेरा पैन कार्ड व आधार कार्ड और बैंक खाते में मेरे नाम की स्पेलिंग में KAMAL KISHORE है। अतः मेरे पासपोर्ट में मेरे नाम की स्पेलिंग में यही अंकित कर दिया जाये। **Kamal Kishore S/o Ramesh Prasad Awasthi 610/234 Keshav Nagar Sitapur Road, Lucknow. Mob.: 9415196452**

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं:–
क्रम सं.-1, कार्य का नामः वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनो (बलिया, गाजीपुर सिटी, औड़िहार, सुरेमनपुर, छपरा, छपरा कचहरी, थावे, तमकुही, पडरौना, मसरख एवं गोपालगंज) में स्वचालित कम्प्यूटरीकृत जीवाणु उपचार संयंत्र (एक्सियन मेक) का संचालन और रखरखाव, जिसमें बीआईएस पैरामीटर के अनुसार पाँच वर्ष की अवधि के लिये जल उपचार के लिये आवश्यक रसायन, पुर्जे और ऑपरेटर की आपूर्ति भी शामिल है (22 अदद)। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-85, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 1,59,28,819/-, बिड सिक्यूरिटी (रू०में): ₹ 2,29,700/-, निविदा बन्द होने की तिथिः 20-08-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 60 माह। **क्रम सं.-2,** कार्य का नामः समइ/छपरा के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत के विभिन्न स्टेशनो पर विकलांगो (दिव्यागों) के लिये सुविधाओं का प्रावधान। (शौचालय, टिकट बूथ, स्पर्शनीय मार्गदर्शिका एवं पाथवे), ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-86, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 1,01,13,025/-, बिड सिक्यूरिटी (रू०में): ₹ 2,00,600/-, निविदा बन्द होने की तिथिः 20-08-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह। **क्रम सं.-3,** कार्य का नामः समइ/बलिया के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत के विभिन्न स्टेशनों पर विकलांगो (दिव्यांगो) के लिये सुविधाओं का प्रावधान। (शौचालय, टिकट बूथ, स्पर्शनीय मागदर्शिका एवं पाथवे), ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-87, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 75,38,424/-, बिड सिक्यूरिटी (रू०में): ₹ 1,50,800/-, निविदा बन्द होने की तिथिः 20-08-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह। **क्रम सं.-4,** कार्य का नामः वमइ/।।/वाराणसी कार्यक्षेत्र में रिकन्डीशनिंग का कार्य। ई-निविदा सूचना सं.: एनईआर-बीएसबी-2025-88, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 1,08,60,772/-, बिड सिक्यूरिटी (रू०में): ₹ 2,04,300/-, निविदा बन्द होने की तिथिः 20-08-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 12 माह।
• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-85 से एनईआर-बीएसबी-2025-88 दिनांक 20-08-2025 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), मुजाधि/डब्लू-166 वाराणसी
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–ऑक्शन सूचना
वरि० मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई–ऑक्शन के माध्यम से ठेको हेतु बोलिया आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है:– **श्रेणी:**– Misc-Static-Services-Static General, **कैटलॉग सं०:**–IZN-MFC-2-25, **एसेट विवरण:**– काठगोदाम रेलवे स्टेशन स्थित मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स काठगोदाम की दुकान से 01 एवं 02 हेतु, **ऑक्शन प्रारम्भ:**– 24–07–25 12:30:00, **ऑक्शन समापन:**– 24–07–25 13:10:00, **श्रेणी:**– Parcel, **कैटलॉग सं०:**– IZN-PLS-6-25, **एसेट विवरण:**– मंडल की वभिन्न ट्रेनों में एसएलआर लीजिंग हेतु, **ऑक्शन प्रारम्भ:**– 28–07–25 12:30:00, **ऑक्शन समापन:**– 28–07–25 17:30:00, **1.** बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।, **2.** उक्त ई–ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) के ई–ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है।, **3.** ई–ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि नियम एंव शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।, **4.** बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एंव समय के अनुसार ही ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है।, **5.** सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करते रहें।
सहायक वाणिज्य प्रबन्धक
मुजाधि/वाणिज्य–91 इज्जतनगर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सूचना
पहले मेरा नाम SAMAN KHAN था अब मैंने बदलकर अपना नाम SAMAN ABDIN रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O Mohammad Ainul Abdin ADDRESS : 195/109-71 JAGAT NARAYAN ROAD, CHOWK, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226003**

सूचना
सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2021 अनुक्रमांक 211576856 का प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **सचिन सरोज पुत्र संजय कुमार सरोज, ग्राम – खालसा सादात, लालगंज, प्रतापगढ़ (उ.प्र.)।**

सूचना
मेरा बड़ा पुत्र सत्यम कश्यप पुत्र हरीशचंद्र कश्यप मुंबई में रहता है। घर से वास्ता सरोकार नहीं रखता है। हमारे व हमारे परिजनों के कहने–सुनने में नहीं है। वह गलत लोगों के संगत में रहता है। जिसके चलते हम व हमारे परिजन उसके उक्त कृत्यों से आजिज आकर उसे अपनी समस्त चल व अचल सपत्ति से बेदखल करते हैं। उसके द्वारा लिये किये गये लेनदेन के प्रति किसी प्रकार के उत्तरदायी हम व हमारे परिजन नहीं होंगे। **हरीशचंद्र कश्यप पुत्र राम किशोर, निवासी– साहूमई रधौली, तहसील– कुण्डा, थाना– मानिकपुर, जिला– प्रतापगढ़।**

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Accreditations, Affiliations & Approvals
University Grants Commission of India · Medical Council of India · Dental Council of India · Pharmacy Council of India · Indian Nursing Council · Uttar Pradesh Nursing & Midwives Council · Association of Indian Universities · Uttar Pradesh State Medical Faculty

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26
CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053
Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)
Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

एक नजर

मकान ढहने से गृहस्थी नष्ट

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के दानीगढ़ गांव में गुरुवार रात एक पुराना मकान ढह जाने से गृहस्थी दबकर नष्ट हो गई। घटना के समय गृह स्वामी काशी प्रसाद घर के बाहर छप्पर के नीचे सो रहे थे। जिससे वह बाल-बाल बच गए। पीड़ित की फरियाद पर तहसीलदार ने राजस्व कर्मियों को जांच कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए हैं।

तीन तलाक बोल महिला को घर से भगाया

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के पेनीपुर गांव के निजामुद्दीन की बेटी मुन्नी का निकाह दो वर्ष पहले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कलीम संग हुआ था। निकाह के बाद से ससुराल वाले बाइक व एक लाख रुपये मांग कर आए दिन मुन्नी को प्रताड़ित कर रहे थे। 14 जुलाई को ससुरालियों ने लात-घूसों से पिटाई कर मुन्नी को घायल कर दिया। वहीं पति ने तीन बार तलाक-तलाक बोल करके अपने घर से भगा दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति कलीम, जेठ मुस्तकीम व देवर जम्मू, और ससुर गोगे उसका भाई तेजे, ननद संजीदा और जेठानी तरजमा के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न व तीन तलाक सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ला ने बताया कि दोषी आरोपियों की तलाश जारी है।

करंट से झुलसा युवक

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : बनीकोडर क्षेत्र की ग्राम पंचायत लकड़िया निवासी रंग बहादुर सिंह खेत में लगे डबल पोल से उतर रहे करेंट की चपेट में आने से गम्भीर रूप से झुलस गया, जिसे आनन फानन में मंडल महामंत्री भाजपा मनोज सिंह द्वारा सीएचसी बनीकोडर लाया गया। यहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कैंप में 60 उपभोक्ताओं के दुरुस्त हुए बिजली बिल

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : शुक्रवार को विद्युत उपकेंद्र कार्यालय में मेगा विद्युत बिल समाधान शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान शिविर में कुल 60 उपभोक्ताओं ने अपने विद्युत बिल सही करवाए, जिनमें से अधिकांश ने मौके पर ही सुधारित बिलों का भुगतान भी कर दिया। इसके अलावा, 5 उपभोक्ताओं ने अपने संयोजन में भार वृद्धि के लिए आवेदन किया, वहीं 10 उपभोक्ताओं ने खराब मीटर बदलवाने के लिए पत्र जमा किए। शिविर में उप खंड अधिकारी महेंद्र कुमार, अवर अभियंता शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, कार्यकारी सहायक महेश कुमार, टीजी-2 राम मिलन, टीजी-2 राम वचन, लाइनमैन राकेश कुमार, सौरभ कुमार, ओम प्रकाश मौर्य, मनीष कुमार, अनुराग सैनी सहित अन्य विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

अचानक अचेत हुई छात्रा की चंद पलों में मौत

दोस्तों से बात करते समय नाक से गिरा खून, सदमे में परिजन, नहीं कराया पोस्टमार्टम

ये कैसी मौत

- होनहार छात्रा थी नंदिनी, हाईस्कूल के रिजल्ट में कॉलेज में आई थी तीसरी रैंक
- एक जुलाई को भी इसी तरह एक स्कूल के गेट पर हुई थी छात्रा की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

रोती बिलखती नंदनी की बहन व परिजन। इनसेट में नंदनी की फाइल फोटो। अमृत विचार

अमृत विचार : कॉलेज पहुंचते ही बेहोश हुए छात्र की साइलेंट अटैक से मौत की घटना के 18 दिन बाद एक और छात्रा की ठीक वैसे ही अचानक मौत हो गई। शुक्रवार सुबह कॉलेज में दोस्तों संग बात कर रही छात्रा के नाक से अचानक खून आया और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद परिजन सदमे में हैं। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया। उधर, इस तरह की घटनाओं से कॉलेज व अभिभावक दहशत में आ गए हैं।

यह घटना शुक्रवार को शहर के लखपेड़ाबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुई। टिकैतनगर थाना क्षेत्र के ग्राम नियामतगंज में रहने वाले राजितराम वर्मा की तीन पुत्रियां सुधा, नंदिनी व सविता शहर के श्रावस्ती नगर में रहकर पढ़ाई करती हैं। इनमें 16 साल की नंदिनी सरस्वती कॉलेज में कक्षा 11 की छात्रा है। साथी छात्राओं ने बताया कि कॉलेज के कक्ष में नंदिनी अपनी सहेलियों के साथ बात कर रही थी तभी उसकी नाक से खून गिरने लगा। यह देख वहां पर हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचा स्कूल स्टॉफ छात्रा को जिला अस्पताल ले गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्कूल से सूचना मिलते ही परिजन भी जिला मुख्यालय पहुंच गए। सभी इस घटने के बाद बदहवास थे।

निगरानी रखें, बच्चों से घुले मिलें अभिभावक : डॉ. राजेश

जिला अस्पताल में तैनात सर्जन डा. राजेश कुशवाहा ने बताया कि मोबाइल पढ़ाई में काफी उपयोगी है, लेकिन बच्चों का इसके साथ ज्यादा समय बिताना भी सेहत के लिए ठीक नहीं। नंदिनी को साइलेंट हार्ट अटैक या ब्रेन स्ट्रोक होने की संभावना है। अभिभावक बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कराते रहें, मोबाइल से थोड़ी दूरी बनवाएं और उनसे घुल मिलकर दिक्कतों को जानने का प्रयास करें। इससे बच्चे अपने मन की बात कह सकते हैं।

घटनाओं से सदमे में परिजन, लोग को भी कुछ समझ में नहीं आ रहा

एक जुलाई को हुई घटना अभी जेहन से उतरी नहीं थी कि एक और हादसे ने अभिभावकों को गहरी सोंच में डाल दिया है। बता दें कि एक जुलाई को शहर के सेंट एंथोनी कॉलेज पहुंचा 12 वर्षीय छात्र अखिल गाड़ी से उतरते ही गेट पर अचेत हो गया। मौजूद पिता उसे लेकर तत्काल लखनऊ गए, लेकिन अखिल को बचाया नहीं जा सका। ग्रीष्म अवकाश के बाद अखिल पहले दिन स्कूल गया था। देवा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घेरी निवासी जितेन्द्र सिंह व उनका परिवार आज तक हैरत में हैं कि आखिर उनके पुत्र को हुआ क्या था जबकि वह हर लिहाज से स्वस्थ दिख रहा था। यही दशा छात्रा नंदिनी की भी रही, वह दो बहनों के साथ रहकर हंसी खुशी पढ़ाई कर रही थी।

परिजनों ने पोस्टमार्टम से इंकार कर दिया और रोते बिलखते शव को लेकर अपने गांव चले गए। बताया जा रहा कि अन्य बहनों की तरह स्वस्थ नंदिनी घटना के पांच मिनट पहले सबसे हंसकर बात कर रही थी। बताया जा रहा कि पढ़ने में होनहार छात्रा नंदिनी को हाईस्कूल के परिणाम में कॉलेज में तीसरी रैंक मिली थी। उसका व्यवहार भी हंसमुख था।

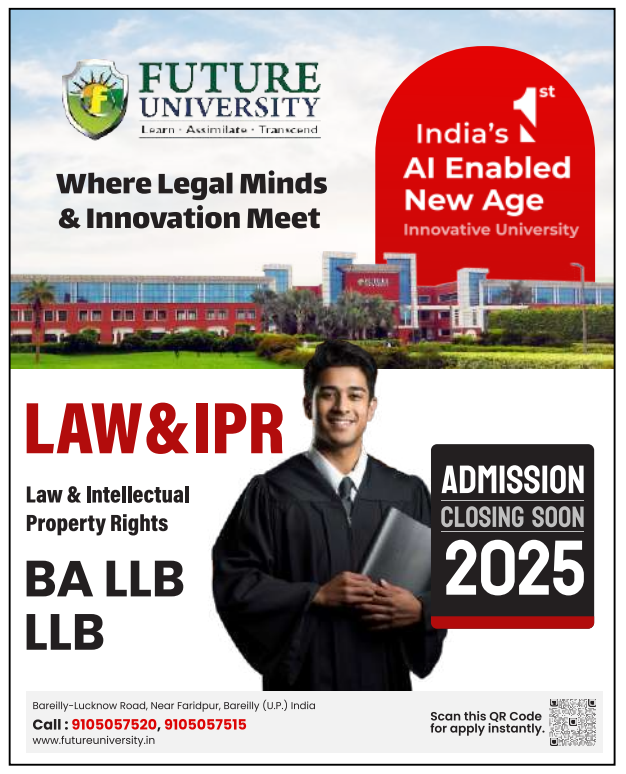

सार-संक्षेप

एसपी ने यातायात सिपाही को किया पुरस्कृत

यातायात सिपाही को सम्मानित करते पुलिस अधीक्षक।

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने वाले यातायात के मुख्य सिपाही को प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया। गुरुवार को थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत चौपुला तिराहा के पास एक युवती अपने भाई के साथ सड़क के किनारे खड़ी थी, तभी अनियंत्रित डीसीएम ने दोनों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। मौके पर ड्यूटी पर मौजूद मुख्य सिपाही यातायात विनीत कुमार पाण्डेय ने तत्काल घायलों को एम्बुलेन्स के माध्यम से उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। सिपाही के सेवा भाव के कारण घायल व्यक्तियों को समय से उपचार मिलने से उनकी जान बच गयी। इस कार्य के लिए उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने सिपाही को पुरस्कृत किया।

परिजनों को मिली बदायूं से आई महिला

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना फतेहपुर पुलिस ने बदायूं से रास्ता भटक कर आयी मानसिक विक्षिप्त महिला को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक मानसिक विक्षिप्त महिला थाना फतेहपुर क्षेत्र में रास्ता भटक कर आ गयी है। इस पर थाना फतेहपुर पुलिस द्वारा मानसिक विक्षिप्त महिला को संरक्षण में लिया गया। पुलिस द्वारा महिला के परिजनों के सम्बन्ध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि महिला ग्राम गभियाए थाना अलापुर जनपद बदायूं की रहने वाली है। पुलिस द्वारा सी-प्लान एप के माध्यम से परिजनों से संपर्क स्थापित कर शुक्रवार को महिला को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस कार्य में उपनिरीक्षक मनोज राना व महिला आरक्षी गुड़िया सिंह का विशेष योगदान रहा।

पुलिस ने दबोचे दो वांछित अपराधी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना जहांगीराबाद पुलिस टीम द्वारा आज बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त अभिषेक यादव पुत्र प्रेम कुमार यादव निवासी ग्राम पहलीपार मजरे सुरसण्डा थाना मसौली को सद्दीपुर भयारा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। थाना टिकैतनगर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त सुशील सिंह पुत्र देशराज सिंह निवासी ग्राम बल्लीपुर थाना टिकैतनगर को गिरफ्तार किया गया।

एक तमंचा कारतूस बरामद

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना रामनगर पुलिस टीम द्वारा आज अभियुक्त शिवराज यादव निवासी ग्राम कटका थाना रामनगर को कटका मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। इसके कब्जे से एक अवैध तमंचा जिन्दा कारतूस बरामद किया गया।

मजिस्ट्रेट ने 21 जुलाई तक साक्ष्य मांगे

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : रामनगर थाना क्षेत्र में एसटीएफ और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ की मजिस्ट्रीयल जांच शुरू हो गई है। यह मुठभेड़ 21 मई 2025 को लहड़रा मोड़ के पास लोहटीजई जंगल में हुई थी। एसटीएफ लखनऊ यूनिट के निरीक्षक अरुण कुमार सिंह और उनकी टीम की तीन बदमाशों से मुठभेड़ हुई। इस दौरान गोंडा जिले के परसपुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव का ज्ञान चंद्र पासवान घायल हुआ। उसे जिला अस्पताल बाराबंकी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अन्य दो बदमाश मौके से फरार हो गए। मृतक के पास से एक 315 बोर की रायफल, एक 32 बोर की पिस्टल और एक 12 बोर की बंदूक बरामद हुई। साथ ही भारी मात्रा में जिंदा और खोखा कारतूस भी मिला। इस मामले में थाने में पुलिस मुठभेड़ और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। उपजिलाधिकारी रामनगर ने बताया कि जिलाधिकारी ने उन्हें इस मामले की मजिस्ट्रीयल जांच सौंपी है। जांच के लिए 21 जुलाई 2025 तक साक्ष्य मांगे गए हैं। कोई भी व्यक्ति, अधिकारी या कर्मचारी कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे के बीच उपजिलाधिकारी रामनगर के कार्यालय में अपना कथन या साक्ष्य दे सकता है।

उत्तराखंड से आई महिला की छिनी सोने की चेन

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : उत्तराखंड से बाराबंकी दामाद के घर आई सास से दो बाइक सवार लुटेरे दिनदहाड़े सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। इस मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार उत्तराखंड राज्य के जिला उधमसिंहनगर में गाऊघाट की रहने वाली महिला सरला मौर्या पत्नी शिव जी मौर्या बाराबंकी शहर के आवास विकास कालोनी में रहने वाले अपने दामाद योगेश कुमार मौर्या के घर आई थीं। वह गुरुवार को ई-रिक्शा से पल्हरी चौराहा से घर लौट रही थीं, तभी फाउण्डेशन स्कूल के पास दो अज्ञात बाइक सवार युवकों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली।

पुराने राजस्व मामलों को प्राथमिकता से निपटाएं : डीएम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

बैठक में दिशा निर्देश देते डीएम शशांक त्रिपाठी। अमृत विचार

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजस्व वादों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने तीन और पांच वर्ष से लंबित वादों को चिह्नित कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। राजस्व संहिता की धारा 24, 34, 80 और 116 के तहत लंबित मामलों को समय सीमा में निपटाने को कहा। उन्होंने कहा कि मामलों का निस्तारण गुणवत्ता और मेरिट के आधार पर हो। डीएम ने अधिकारियों को फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और तत्काल समाधान का निर्देश दिया। आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता देने को कहा। शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर समस्या समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम समाज या सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ धारा 67 के तहत कार्रवाई के आदेश दिए। ई-खसरा और ई-परवाना जैसे डिजिटल अभिलेखों की प्रगति की समीक्षा की। डिजिटल भूमि प्रबंधन प्रणाली को मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक में एडीएम न्यायिक इन्द्रसेन यादव, एसडीएम सदर आनंद तिवारी, एसडीएम, सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

चोरी के सामान समेत गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना जहांगीराबाद पुलिस टीम ने बीएनएस में वांछित अभियुक्त प्रमोद कुमार उर्फ भुज्जी पुत्र स्व. खुशीराम निवासी टेरा दैलतपुर थाना जहांगीराबाद को मेड़िया जंगल के पास से गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से चोरी की 2 चांदी की अंगूठी सफेद धातु, 3 जोड़ी बिछुआ सफेद धातु, 2 हाथ के कड़े सफेद धातु व 500 रुपये बरामद किया गया। पूछताछ से पता चला कि प्रमोद अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देता है।

दिव्यांग से अभद्रता का विरोध करने पर पिता-पुत्र को घेरकर की मारपीट

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र में दिव्यांग महिला से अभद्रता का विरोध करने पर पिता-पुत्र को तीन जगह घेरकर मारपीट की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को घर पहुंचाया। आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं।

ग्राम मदारपुर निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने पुलिस को बताया कि 14 जुलाई को गांव के ही राजू पुत्र भगवानदीन, अरविंद पुत्र देशराज और नरेन्द्र पुत्र देशराज जबरन उनके घर में घुस आए और उनकी भाभी ऊषा देवी से अभद्रता करने लगे। भाभी ने इसका विरोध किया तो उन्हें धक्का दे दिया गया। दिव्यांग भाभी से अभद्रता का विरोध करने पर धर्मेन्द्र के वृद्ध पिता रामखेलावन के साथ भी मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। धर्मेन्द्र के अनुसार, जब वह उसी दिन अपने पिता का मेडिकल परीक्षण करवाने जिला अस्पताल गए, तो आरोपी वहां भी पहुंच गए और दोबारा मुकदमा वापस लेने की धमकी दी। लौटते समय रास्ते में भी पीड़ितों पर हमला करने की कोशिश की गई। पीड़ित ने तत्काल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस सहायता से खुद को और परिवार को सुरक्षित घर पहुंचाया। धर्मेन्द्र ने बताया कि आरोपी लगातार धमकियाँ दे रहे हैं और कहते हैं कि अगर रास्ते से निकलोगे या कहीं दिखे तो मार देंगे। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

होमगार्ड ने युवक को जड़े थप्पड़, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

परिवार के साथ अखिलेश गौतम।

- पत्नी को दिखाने महिला अस्पताल गया था युवक
- सीएमएस बोले-हटाई जाएगी महिला होमगार्ड

अमृत विचार: जिला महिला अस्पताल में शुक्रवार की सुबह जमकर हंगामा हुआ। बहन के साथ पत्नी को दिखाने पहुंचे एक युवक के साथ एक नंबर गेट पर मौजूद महिला होमगार्ड ने अभद्रता की, विरोध करने पर होमगार्ड ने उसे थप्पड़ जड़ दिए। शिकायत मिलने पर सीएमएस ने घटना को शर्मनाक बताते हुए होमगार्ड को हटाने के लिए पत्र लिखने की बात कही। वहीं युवक ने शहर कोतवाली में मामले की तहरीर दी है। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सफेदाबाद कस्बे के ग्राम सरथरा के अखिलेश गौतम शुक्रवार को महिला अस्पताल में अपनी पत्नी को दिखाने अस्पताल पहुंचे थे, उनके साथ में बहन भी थी लेकिन गेट संख्या एक पर मौजूद होमगार्ड मुन्नी मिश्रा ने उसे पुरुष के लिए वर्जित वार्ड बताते हुए अंदर जाने से रोक दिया जबकि उस कमरे में पहले से कई पुरुष मौजूद थे। जब उसने वजह पूछी तो होमगार्ड मुन्नी मिश्रा ने कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। थोड़ी देर बाद अखिलेश के साथ उसकी बहन ने दोबारा अंदर जाने का प्रयास किया, तो स्टाफ ने दुर्व्यवहार तो किया ही साथ ही गेट पर मौजूद होमगार्ड मुन्नी मिश्रा ने उसे थप्पड़ मार दिया और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी मारपीट कर अस्पताल से बाहर भगा दिया। पीड़ित ने बताया कि उसे सीएमएस से मिलने की भी अनुमति नहीं दी गई और अस्पताल परिसर से जबरन निकाल दिया गया। अखिलेश ने शहर कोतवाली पुलिस में तहरीर दी है। वहीं होमगार्ड मुन्नी मिश्रा ने भी कोतवाली में तहरीर देकर युवक पर आरोप लगाए हैं। हालांकि इस घटना को लेकर सीएमएस प्रदीप कुमार ने बताया कि होमगार्ड को यहां से हटाने के लिए पत्र लिखा जाएगा।

एसपी ने ली परेड की सलामी, किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

निरीक्षण करते एसपी अर्पित विजयवर्गीय। अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के बाद परेड व पुलिस लाइन का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए। एसपी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई, तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। यूपी 112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को मानकों के अनुसार समस्त आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने एवं आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में वार्ता कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन सौरभ श्रीवास्तव, प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

रामेश्वरम शिवाला पर विशेष आयोजन

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : कस्बा स्थित रामेश्वरम शिवाला में श्रावण मास के दौरान विशेष आयोजन किए जाएंगे। श्री रामेश्वरम शिवाला मंदिर समिति ने कई धार्मिक कार्यक्रमों की योजना बनाई है। श्रावण मास में पड़ने वाले तीन सोमवार 21 जुलाई, 28 जुलाई और 4 अगस्त को विशेष कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा 23 जुलाई को श्रावण शिवरात्रि और 29 जुलाई को नाग पंचमी पर भी आयोजन किए जाएंगे। इन सभी विशेष तिथियों पर मंदिर में श्रृंगार किया जाएगा। महा आरती का आयोजन होगा और भक्तों को प्रसाद का वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति को इन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भागीदारी की उम्मीद है।

छेड़छाड़ के विरोध पर भाई -भाभी से मारपीट

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : शहर से सटे एक इलाके में भाभी से छेड़छाड़ कर रहे देवर ने वहां पहुंचे भाई के विरोध पर दोनों की पिटाई कर दी। पिता के पहुंचने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने अपने देवर पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 7 जुलाई की रात लगभग 10 बजे वह अपने घर के अंदर चारपाई पर लेटी हुई थीं, तभी उसका देवर नीरज जबरन कमरे में घुस आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। आरोप है कि देवर ने पहले उसके मुंह पर हाथ रखकर उसे चुप कराया और फिर जबरन उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। विरोध करते हुए उसने शोर मचाया तो उसके पति मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी नीरज ने उनके साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने बताया कि तेज आवाज सुनकर उसके ससुर मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया, इसके बावजूद आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुनियादी सुविधाओं से वंचित त्रिवेदीगंज चौराहा

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी

बोरे से ढका हैंडपंप

अमृत विचार : त्रिवेदीगंज चौराहे पर स्थित अनेकों सरकारी व अर्द्ध-सरकारी कार्यालयों के बावजूद यहां के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। खासतौर पर पेयजल संकट और बरसात के पानी की निकासी की समस्या ने लोगों को परेशानी में डाल रखा है। इस चौराहे पर खंड विकास, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पशु चिकित्सालय, राष्ट्रीयकृत बैंक, जिला सहकारी बैंक, पराग डेयरी समेत कई अन्य कार्यालय स्थित हैं। लगभग एक किमी लंबे इस व्यस्त क्षेत्र में पीने के पानी का कोई स्थायी समाधान नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों के लिए केवल एक इंडिया मार्का हैंडपंप ही पेयजल का सहारा था, लेकिन वह भी खराब हो चुका है। वहीं अस्पताल में लगा वाटर कूलर बार-बार खराब हो रहा है, क्योंकि कुछ स्थानीय लोग ड्रम भर-भर कर पानी ले जाते हैं, जिससे मशीन ओवरलोड होकर बंद हो जाती है। स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. हरप्रीत ने बताया कि मरीजों के लिए शुद्ध जल की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन बाहरी हस्तक्षेप के कारण ठंडा पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अस्पताल में लगा एक अन्य हैंडपंप भी बंद पड़ा है, जिसे एक ठेकेदार ने निर्माण कार्य के दौरान बंद कर दिया और वहां सबमर्सिबल डाल दिया। स्थानीय निवासी राम बाबू, रसीदे और प्रमोद ने बताया कि लोग अब पानी खरीदने को मजबूर हैं। वहीं खंड विकास अधिकारी प्रियंका सिंह ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है और जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन बिछवाने के लिए विभाग से संपर्क किया गया है। जल्द ही पेयजल संकट का स्थायी समाधान किया जाएगा।

एल&टी फायनांस लिमिटेड
(पहले इसे एल&टी फायनांस होल्डिंग्स लिमिटेड कहा जाता था)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फायनांस लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में सोमवार **28 जुलाई, 2025** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:-

1. सहारनपुर - घंटाघर शाखा - एल&टी फायनांस प्रा. लि., #2ए/1095, भीमराव अंबेडकर मार्ग, घंटाघर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड - 247001. फ़ोन - 9875942895 कर्ज संख्या - 163210000004483, 163210000004477, 163210000004491, 163210000004561, 163210000004596, 163210000004633, 163210000004752, 163210000004829, 163210000004688, 163210000004630, 163210000004631, 163210000004848, 163210000004801, 163210000004156, 163210000004809, 163210000004467, 163210000004468, 163210000004766, 163210000004548, 163210000004759, 163210000004530, 163210000004453, 163210000004569, 163210000004386, 163210000004472, 163210000004499, 163210000004520, 163210000004521, 163210000004534, 163210000004605, 163210000004765, 163210000004792, 163210000004806 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **4 अगस्त 2025** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फायनांस प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फायनांस लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 19.07.2025
स्थान: उत्तर प्रदेश

सार-संक्षेप

स्ट्रीट लाइटें खराब, अंधेरे से परेशानी बढ़ी

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर पंचायत राम सनेही घाट में स्ट्रीट लाइटों की खराबी से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर पंचायत द्वारा लगाई गई स्ट्रीट लाइटों में से आधा दर्जन लाइटें खराब पड़ी हैं। भिटरिया वार्ड 14 में पिछले एक माह से अंधेरा छाया हुआ है। हैदरगढ़ रोड मुख्यमार्ग पर पवन अग्रवाल से आनंद जायसवाल के घर तक की स्ट्रीट लाइटें 15 दिनों से काम नहीं कर रही हैं। कुछ लाइटें टूटी और झुकी हुई हैं। अंधेरे के कारण लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने कई बार नगर पंचायत कर्मचारियों से शिकायत की है। वार्ड की सभासद रीना देवी यादव ने भी इस समस्या को नगर पंचायत के समक्ष उठाया है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। नगर पंचायत के कार्यकारी अधिकारी संतोष चौधरी का कहना है कि खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत का काम चल रहा है। उन्होंने एक सप्ताह में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

25 तक पूरा करें पीएम आवास सत्यापन का कार्य

सूरतगंज, बाराबंकी,अमृत विचार : विकास खंड में पीएम आवास सत्यापन कार्य की समीक्षा की गई। परियोजना निदेशक राकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को ब्लॉक सभागार में कर्मचारियों के साथ बैठक की। सूरतगंज विकास खंड में 13,053 लोगों का पीएम आवास सर्वेक्षण पूरा हुआ था। इनमें से 7,422 लोगों के सत्यापन के लिए 10 दिन पहले ऑनलाइन डेटा मिला था। सत्यापन कार्य में लगे 11 चेकर कर्मचारियों ने अब तक 1,268 लोगों का सत्यापन पूरा कर लिया है। परियोजना निदेशक ने कर्मचारियों को 25 जुलाई तक सत्यापन कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि सत्यापन कार्य की मॉनिटरिंग भारत सरकार द्वारा की जा रही है। जीरो पावर्टी के तहत मिले 52 आवासों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। खंड विकास अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 50 आवासों का काम छत स्तर तक पूरा हो चुका है।

जान देने नदी में कूदी युवती, लोगों ने बचाया

रामसनेहीघाट, बाराबंकी,अमृत विचार : शुक्रवार सुबह मानसिक रोग से परेशान युवती ने कल्याणी नदी में छलांग लगा दी हालांकि आस पास मौजूद लोगों ने उसे निकाल कर परिजनों को सौंप दिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मिर्जा का पुरवा में रहने वाली 18 वर्षीय युवती शुक्रवार को अपने घर से करीब 7 किलोमीटर दूर दरियाबाद-भिटरिया रोड पर स्थित कल्याणी नदी में जान देने के लिए कूद गई। उसे डूबता देख बुढ़वा बाबा मंदिर में पूजा करने आए श्रद्धालुओं ने नदी में छलांग लगा दी और किसी तरह युवती सकुशल बाहर निकाला। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवती के परिजनों को सूचना देकर बुलाया। परिजनों ने बताया कि युवती मनोरोगी है जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने युवती को परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

बीडीओ ने संभाला कार्यभार ,ग्राम विकास को बताया प्राथमिकता

पदभार ग्रहण करतीं बीडीओ

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : सिरौलीगौसपुर से स्थानांतरित होकर हैदरगढ़ पहुंची खंड विकास अधिकारी अदिति श्रीवास्तव ने गुरुवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करने के मौके पर बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान पहुंचे। प्रधानों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। नई बीडीओ ने कहा कि विकासखंड हैदरगढ़ की सभी ग्राम पंचायतों का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने इस कार्य में प्रधानों से पूर्ण सहयोग की अपील की। स्वागत समारोह में रानीपुर के प्रधान शिव दिनेश सिंह, जमीन हुसैनाबाद के प्रधान सोनू सिंह और पेचरुआ के प्रधान मौजूद रहे।

पेड़ गिरने से स्कूल की चहारदीवारी क्षतिग्रस्त

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : सरकारी भूमि पर लगा पेड़ काटते समय स्कूल की बाउंड्री पर जा गिरा जिससे स्कूल की बाउंड्री भी क्षतिग्रस्त हो गई। लेखपाल की शिकायत पर पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली बदोसरांय क्षेत्र के ग्राम बरदरी में स्कूल के बगल सरकारी भूमि गाटा संख्या 834 पर तीन पेड़ लगे थे। जिन्हें गांव के ही अहमद हसन पुत्र अली हसन ने जबरन काट लिया। काटते समय एक पेड़ स्कूल की बाउंड्री पर गिर गया जिससे स्कूल की बाउंड्री भी क्षतिग्रस्त हो गई। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची राजस्व टीम ने स्थिति का अवलोकन किया। इसके बाद लेखपाल शुभेन्द्र अवस्थी की शिकायत पर बदोसरांय पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बैंक के बाहर बीमार माली की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में बैंक से रुपये निकालने आए एक बीमार व्यक्ति की मौत हो गई। परिजन व ग्रामीण मृतक का शव लेकर घर चले गए। जानकारी के अनुसार यह घटना जहांगीराबाद कस्बा स्थित आर्यावर्त ग्रामीण बैंक के बाहर हुई। ग्राम मुजफ्फरपुर मजरे मोहिउद्दीनपुर निवासी राजेन्द्र प्रसाद एक स्कूल में माली था और अपनी भांजी दिव्यांशी के साथ लंबे समय से रह रहा था। शुक्रवार को वह भांजी व परिजनों के साथ कस्बा स्थित एजीबी शाखा रुपये निकालने गया था। लंबे समय से बीमार चल रहे राजेन्द्र की भवन के ऊपरी हिस्से में बने बैंक तक नहीं पहुंच सके और नीचे ही अचेत होने के बाद मौत हो गई। लोग उसे पीएचसी लेकर गए पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन व ग्रामीण उसका शव लेकर चले गए। उपनिरीक्षक दिनेश सागर ने घटना की पुष्टि की।

नवजात की मौत पर परिजनों ने काटा हंगामा

संवाददाता, इमलिया सुल्तानपुर, अमृत विचार : इमलिया सुल्तानपुर कस्बे में संचालित साईं सेवा हॉस्पिटल में नवजात शिशु की मौत का मामला सामने आया है। जहां राजू पुत्र सोहनलाल निवासी वजहतपुर थाना इमलिया सुल्तानपुर में ने साईं सेवा हॉस्पिटल के डॉक्टरों के खिलाफ थाने में एक लिखित शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि वह पत्नी सोनेश्री को ऑपरेशन के माध्यम से हुए बच्चे के साथ बीते मंगलवार को सुबह नौ बजे के करीब इमलिया सुल्तानपुर स्थित साईं सेवा हॉस्पिटल में दिखाने लाया था। जहां पर चिकित्सकों ने मरीज को एक इंजेक्शन लगाया। उसके बाद इमलिया सुल्तानपुर स्थित एक प्राइवेट लैब में जांच भी कराई, जिसमें मरीज को एचआईवी पॉजिटिव दिखाया गया। आरोप है कि पैसे ना मिल पाने के कारण नवजात शिशु का न तो कोई इलाज किया और न ही किसी प्रकार की देखरेख की। जिससे उसके बच्चे की मौत हो गई। इसी के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। सीएचसी अधीक्षक ऐलिया से बात की गई तो उनके द्वारा इस मामले की जानकारी होने से इनकार कर दिया गया।

अमर बने बिसवां कांग्रेस अध्यक्ष

बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष ममता वर्मा ने अमर मेहरोत्रा को एक बार पुन : कांग्रेस कमेटी बिसवां का नगर अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। उन्होंने कई पुराने कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों को जगाने का कार्य किया है। इनके पुन : अध्यक्ष बनने पर रमेश चंद्र गौड़, प्रदीप सिंह चौहान, रजनीश मिश्रा ,शिशर बाजपेई, अमोद मिश्र, दीपा वैस्य, विनीता राजवंशी, नरेश चंद्र गौण, अब्दुल मुजीब खान आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

पर्यावरण को संतुलन रखना कर्तव्य: शिखा

संवाददाता बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार : बिसवां बार एसोसिएशन बिसवां के अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव के नेत्रत्व में प्रकति प्रेमी उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला को एक पेड़ मां के नाम से भेंट कर पर्यावरण एवं वातावरण को संतुलित रखने का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में पर्यावरण एवं वातावरण को संतुलित रखना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर बार एसोशिएशन बिसवां के अध्यक्ष दिनेश कुमार श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ एडवोकेट पुत्ती लाल वर्मा, राम किशोर वर्मा, जितेंद्र कुमार मिश्रा, अरुण श्रीवास्तव सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

पहला सीएचसी में डॉक्टर नदारद, मरीज परेशान

पहला, सीतापुर,अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहला में तैनात महिला चिकित्सक की लगातार अनुपस्थिति स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी पड़ रही है। मरीजों, खासकर गर्भवती महिलाओं को समय पर इलाज न मिलने के कारण उन्हें प्राइवेट अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। हालात इतने बदतर हैं कि बीते एक माह में इलाज के अभाव में दो गर्भवती महिलाओं की मौत हो चुकी है। इसको लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की जा चुकी है, मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।

घाघरा का जलस्तर थमा, हल्की बारिश से किसान खुश

रामपुर मथुरा, सीतापुर, अमृत विचार : रामपुर मथुरा विकास क्षेत्र में (सरयू)घाघरा का जलस्तर कई दिनों से मामूली उतार-चढ़ाव के बीच 117 .25 के आसपास बना हुआ है। जिससे तटीय गांवों के लोगों में पिछले दिनों घाघरा नदी में बढ़े जलस्तर को लेकर जो भय बना हुआ था, वो फिलहाल शांत है। किसान अपने-अपने कामों में व्यस्त हैं। धान की रोपाई का काम अंतिम चरण में है तीन-चार दिनों से हल्की रुक-रुक कर हो रही बरसात से किसानों के चेहरे पर प्रसन्नता है। पंपिंग सेट का भी कम प्रयोग किया जा रहा है। घाघरा नदी का जलस्तर स्थित होने के बावजूद ग्राम पंचायत शुकुल पुरवा के मजरे रामरूप पुरवा व कुन्ना पुरवा में धीमी गति से लगातार कटान जारी है। गांव निवासी रामरूप, विनोद, बलराम, केशव राम, परशुराम, कृपाराम, लक्ष्मीराम, चंदर, फौजदार, रामजस, संतराम, सियाराम आदि ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जलस्तर लगभग स्थिर बना हुआ है।

वाहनों का फिटनेस न कराने वाले स्कूलों की रद होगी मान्यता : डीएम

जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने दिए आदेश

सख्ती

- **सभी विद्यालयों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों को 25 जुलाई तक स्कूली वाहनों का स्वस्थता प्रमाण पत्र जमा करने के निर्देश**
- **जिला विद्यालय निरीक्षक और बीएसए को कार्रवाई करने के निर्देश**

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : स्कूली वाहनों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिला विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी शाशंक त्रिपाठी ने बैठक की अध्यक्षता की। जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को 25 जुलाई तक स्कूली वाहनों का स्वस्थता प्रमाण पत्र जमा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो स्कूल निर्धारित मानकों के अनुरूप वाहनों को फिट नहीं रखेंगे, उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालयों में बाइक-स्कूटी से आने वाले नाबालिग छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में एसडीएम नवाबगंज आनंद कुमार तिवारी, नगर पालिका के ईओ संजय शुक्ला, एआरटीओ अंकिता शुक्ला, जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर, टीआई रामयतन यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी, जीजीआईसी की डॉ. पूनम सिंह और जीजीआईसी देवा की प्रिंसिपल डॉ. सुविद्या वत्स सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नियमित चले पॉलीथिन मुक्त अभियान

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी और औषधि निरीक्षकों को नियमित जांच का आदेश दिया। वन विभाग ने अवैध कटान के खिलाफ छापेमारी की जानकारी दी। विद्युत विभाग ने बिजली चोरी पर एफआईआर दर्ज करने की बात कही। बाट-माप विभाग को घटतौली करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नगर निकायों को अतिक्रमण हटाने और पॉलीथिन मुक्त अभियान चलाने को कहा गया। मेडिकल स्टोर्स पर केवल फार्मासिस्ट द्वारा दवा बेचने के निर्देश दिए गए। डीएम ने एक्सपायर दवाओं और बिना लाइसेंस की दुकानों पर कार्रवाई के आदेश दिए। राशन वितरण में घटतौली पर कोटेदारों की निगरानी बढ़ाने को कहा। अवैध खनन और वाहनों को सीज करने के निर्देश दिए। तहसील नवाबगंज सहित जिले में अवैध प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाही करने को कहा गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी इन्द्रसेन, अपर पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी, सभी एसडीएम और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूलों में कम छात्रों की संख्या पर बीईओ सख्त

प्राइमरी स्कूल का निरीक्षण करते खंड शिक्षा अधिकारी संजय राय।

रामसनेहीघाट, बाराबंकी

अमृत विचार : ब्लॉक बनीकोडर में खंड शिक्षा अधिकारी संजय राय ने पांच प्राइमरी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जरौली प्रथम और द्वितीय, दिलौना, धनौलीमिश्रान और कुँवरपुर के स्कूलों का दौरा किया।

निरीक्षण में सभी अध्यापक समय पर मौजूद मिले। हालांकि स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बेहद कम थी। इस पर अधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने शिक्षकों को घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल लाने के निर्देश दिए। अधिकारी ने उपस्थित बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता की जांच की।

उन्होंने बच्चों से गणित के सवाल पूछे। कक्षा 5 के विद्यार्थियों से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और भारत के प्रथम राष्ट्रपति सहित सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे। साथ ही, मिड-डे मील की गुणवत्ता की भी जांच की गई। अधिकारी ने स्कूल प्रशासन को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

निबंध प्रतियोगिता में अनुष्का अव्वल

सूरतगंज, बाराबंकी

छात्रा को पुरस्कृत करतीं प्रधानाचार्या।

अमृत विचार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई सूरतगंज ने बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। शुक्रवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में बेरोजगारी और पर्यावरण विषय पर छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्घाटन दरोगा विपिन सिंह और प्रधानाचार्य संजय कुमार वर्मा ने किया। प्रतियोगिता में तीन विद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया। इनमें रामसरन वर्मा इंटर कॉलेज ममतामऊ, बीआरजी पब्लिक इंटर कॉलेज बरैय्या और राजकीय इंटर कॉलेज सूरतगंज शामिल थे। कुल 40 छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में बीआरजी स्कूल की छात्रा अनुष्का गौतम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रामसरन स्कूल की छात्रा आस्था सिंह दूसरे स्थान पर रहीं। जीआईसी की छात्रा उम्मैएमन ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रधानाचार्य अंजली रस्तोगी ने विजेता छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष दीप नारायण, नगर मंत्री अस्तित्व मिश्रा, नगर सहमंत्री हर्षित मिश्रा और इकाई मंत्री माही वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

उर्वरक विक्रेताओं पर कसा शिकंजा, 3 को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

निरीक्षण करते जिला कृषि अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद में उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमित बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिला कृषि अधिकारी राजित राम द्वारा तहसील नवाबगंज के बंकी, गदिया, माती सहित कई उर्वरक बिक्री केन्द्रों एवं सहकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मेसर्स ओम नमः शिवाय खाद भंडार बंकी का स्टॉक और रजिस्टर सही पाया गया। वहीं, मेसर्स अमित कृषि क्लीनिक एवं एग्री क्लीनिक गदिया पर यूरिया तो उपलब्ध मिला, लेकिन स्टॉक व बिक्री रजिस्टर अनुपलब्ध पाए गए। मेसर्स किसान सहायक केंद्र नवाबगंज में यूरिया नहीं पाया गया और उनके अभिलेख भी अधूरे मिले। इन तीनों विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मेसर्स अवध खाद भंडार माती के निरीक्षण में यह जानकारी मिली कि उनकी विक्रय आईडी बंद है, जिसे जल्द चालू कराने के निर्देश दिए गए। साधन सहकारी समिति मोहम्मदपुर बंद मिली, सचिव ने बताया कि आज वितरण का रोस्टर तय नहीं था। साधन सहकारी समिति मुबारकपुर पर डीएपी का वितरण चल रहा था और सचिव ने बताया कि यूरिया की राशि जमा हो चुकी है, जो कल तक उपलब्ध हो जाएगा। जिला कृषि अधिकारी ने सभी फुटकर विक्रेताओं को निर्देशित किया कि रेट व स्टॉक बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें और पीओएस मशीन से ही किसानों को उर्वरक निर्धारित मूल्य पर, बिना टैगिंग उपलब्ध कराएं, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसानों से अपील करते हुए कहा कि केवल पीओएस मशीन से ही उर्वरक खरीदें और रसीद अवश्य लें। किसी भी अनियमितता की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं।

जेएनवी सोनिकपुर में बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन

हैदरगढ़, बाराबंकी,अमृत विचार : पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सोनिकपुर में विद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य आशुतोष मिश्रा ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर अपने मॉडल प्रस्तुत किए। धीरेन्द्र और आद्या हेमेंदु ने खाद्य, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर मॉडल बनाया। मोहम्मद कैफ, शिवांश और अभिनव कुमार ने संसाधन प्रबंधन पर काम किया। अभि पटेल, सुमित और अनमोल प्रकाश ने जैविक कृषि पर मॉडल दिखाया। सुमनेश ने अपशिष्ट प्रबंधन पर अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। महक और प्रभात ने आपदा प्रबंधन विषय पर काम किया। युवराज बंसल और दिव्यांशु मौर्य ने गणितीय मॉडलिंग पर अपना शोध प्रस्तुत किया। कक्षा 11वीं की छात्रा अदिति रुहेला ने परिवहन और संचार विषय पर मॉडल बनाया।

विद्यालय में ताला, गेट पर इंतजार में मिले बच्चे

गेट पर शिक्षकों की प्रतीक्षा करते स्कूली बच्चे। अमृत विचार

संवाददाता लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचारः ग्राम नवीनगर स्थित जूनियर हाईस्कूल व प्राथमिक विद्यालय नवीनगर प्रथम का विभागीय उदासीनता के चलते समय से गेट नहीं खुला। ऐसे में बच्चे बाहर इंतजार करते हुए नजर आए। विकासखंड क्षेत्र हरगांव स्थित कोतवाली लहरपुर क्षेत्र के ग्राम नवीनगर में स्थित प्राथमिक विद्यालय नवीनगर प्रथम व जूनियर हाई स्कूल नबीनगर में सुबह दोनों विद्यालयों के गेट पर ताला जड़ा हुआ था और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं विद्यालयों के गेट पर जमा थे। प्रातः 8:15 तक कोई भी जिम्मेदार विद्यालय नहीं पहुंचे थे। पूछने पर बच्चों ने बताया कि यह अक्सर होता है। हम लोग समय से विद्यालय आते हैं लेकिन प्रधानाचार्य से लेकर शिक्षक तक अक्सर देर से आते हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी हरगांव रमाकांत मौर्य से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा दो दिन पूर्व ही उक्त विद्यालयों का निरीक्षण किया गया था और अब सुबह के समय ही विद्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा और अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

दहेज को लेकर दीं यातनाएं, 3 पर केस

सीतापुर,अमृत विचार : दहेज में चार पहिया वाहन, सोने की चेन और दो लाख रुपये की मांग को लेकर गर्भवती महिला के साथ मारपीट और जबरन गर्भपात करा दिया गए। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के आदेश पर महिला थाना पुलिस ने पति समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला रामकोट थाना क्षेत्र केखगेसियामऊ गांव का है। गांव निवासी निधि कुमारी ने बताया कि उसकी शादी 26 अक्तूबर 2023 को उसी गांव के अमरकांत मिश्रा से कोर्ट मैरिज के तहत हुई थी। शादी के कुछ समय तक सब ठीक ठाक रहा। बाद में पति, सास और जेठ ने दहेज की मांग शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक, जब उसने मना किया तो उसके साथ मारपीट की गई, गर्भपात की दवा जबरन खिलाकर अमानवीय यातनाएं दी गईं और फिर घर से निकाल दिया गया। महिला ने थाना रामकोट और महिला थाने में पहले शिकायत दी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। शुक्रवार को एसपी के आदेश पर महिला थाना प्रभारी की संस्तुति पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

कांवड़ियों का जगह जगह हुआ स्वागत

संवाददाता लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार: ग्राम सिंगनापुर के निकट लहरपुर तंबौर मार्ग छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ भोले शंकर का जलाभिषेक करने जा रहे कांवड़ियों का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। आराध्य देव भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक करने को जालिम नगर व विभिन्न ग्रामों से कांवड़ियों के दल छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ को भोले के भजनों पर नाचते गाते रवाना हुए। क्षेत्र के ग्राम सिंगनापुर के निकट स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। कांवड़ लेकर जाने वालों में प्रमुख रूप से पुष्पेंद्र, अवधेश, राहुल, शिवा, ओमप्रकाश, दिवाकर, कपिल, विनय, अतुल आदि ने बताया कि शुक्रवार को विभिन्न ग्रामों से कांवड़ियों के दल सोमवार को गोला में भोले शंकर का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना करेंगे। कावड़ियों की सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

एक नजर

धूमधाम से मना मां दुर्गा मंदिर का 15 वां स्थापना दिवस

लहरपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बरम बाबा देवस्थान पर बुधवार को मां दुर्गा मंदिर के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य आयोजन संपन्न हुआ। विधि विधान से पूजन, दुर्गा सप्तशती पाठ, भव्य श्रृंगार और कन्या पूजन के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था। सुबह से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। मां दुर्गा की मूर्ति का आकर्षक श्रृंगार कर श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके बाद कन्या पूजन की परंपरा निभाई गई। कार्यक्रम के आयोजकों सोनू रस्तोगी, नीरज रस्तोगी, विष्णु रस्तोगी और अन्नू रस्तोगी ने बताया कि प्रतिवर्ष मंदिर की स्थापना दिवस पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस बार भी श्रद्धा और भक्ति भाव से परिपूर्ण वातावरण में दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया, और श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटे गए।

दरोगा पर लगा पीड़ित को धमकाने का आरोप

सीतापुर, अमृत विचार : थानगांव थाना क्षेत्र की हलीमनगर चौकी के एक दरोगा पर गंभीर आरोप लगे हैं। थाना थानगांव क्षेत्र के भटपुरवा गांव निवासी इसराइल खां ने मुख्यमंत्री पोर्टल, एसडीएम बिसवां और थाने पर शिकायत देकर सार्वजनिक रास्ते पर दबंगों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे को हटवाने की मांग की थी। एसडीएम के निर्देश के बावजूद जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो पीड़ित थाने पर पहुंच गया। इसी बात से नाराज होकर दारोगा ने पीड़ित को चौकी बुलाकर धमकाया। वहीं, पिछले दिनों सेवता विधायक ज्ञान तिवारी ने भी दरोगा को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। सीओ महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। यदि चौकी प्रभारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई, तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ताओं ने एसडीएम को सौंपा शिकायती पत्र

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : तहसील कार्यालय में तैनात एक कर्मी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए तहसील बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने एसडीएम शैलेन्द्र मिश्र को शिकायती पत्र सौंपा। अधिवक्ताओं ने बताया कि धारा 80 नोटिस, पेट्रोल पंप एनओसी, हरिजन भूमि अनुमति सहित अन्य राजस्व संबंधी पत्रावलियों में जानबूझकर बाधा उत्पन्न की जा रही है। और उससे पहले अवैध रूप से पैसों की मांग की जाती है। इससे आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और न्यायिक प्रक्रिया भी बाधित हो रही है। शिकायती पत्र देने वालों में अधिवक्ता नरेंद्र प्रताप सिंह, आरबी सिंह, मनोज अवस्थी, प्रेम प्रकाश राजवशी व आशीष मोहन मिश्र प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कागजों में हेरफेर कर किया सवा करोड़ रुपये का घोटाला

सहायक राज्य कर आयुक्त ने कोतवाली नगर में दर्ज कराया अभियोग

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

भ्रष्टाचार

- फर्जीवाड़े में एक टीम शहर के बाहर भी कर रही है जांच
- आरोपी महिला का ढूंढे नहीं मिल रहा कोई पता

अमृत विचार : कागजों में हेरफेर कर सरकार को चपत लगा दिया, वो भी एक-दो रुपये का नहीं, सवा करोड़ से अधिक का है। राज खुलने पर सहायक आयुक्त राज्यकर ने कोतवाली नगर में अभियोग दर्ज कराया है।

पुलिस मामले में आरोपी महिला की खोजबीन में लग गई है। बताते हैं कि पुराने रिकॉर्ड उस समय खंगाले जाने लगे, जब सहारनपुर में कई करोड़ की जीएसटी चोरी का कनेक्शन सीतापुर से निकला। इसी के बाद फर्मों की पर्तें खंगालनी शुरू हुईं, एक नाम काफी चौकाने वाला था, शहर निवासी पूजा सिंह ने कागजों पर घोड़े दौड़ा दिये। तमाम से बिक्री दिखाई गई, जमीन स्तर पर खंगाला गया तो नाम तो दूर दफ्तर ही ढूंढे नहीं मिला। ऐसे में ट्रांजिक्शन कंपनी के माध्यम से एक करोड़ 32 लाख 78 हजार हो जाना निकला, जीएसटी में भी कई हेरफेर थी।

गंभीर मामले में सहायक आयुक्त राज्यकर संजय नाथ सरोज ने कोतवाली नगर में शिकायती पत्र दिया। क्षेत्राधिकारी अमन सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर श्रीमती पूजा सिंह के विरुद्ध धारा 318 (4), 338, 336 (3), 340 (2) के अन्तर्गत केस दर्ज किया गया है।

ढूंढे नहीं मिल रहा जैद

सहारनपुर में करोड़ों की जीएसटी चोरी हुई। फर्म पुराना शहर के जैद की निकली, पता ठिकाना ढूंढा गया तो व्यापारी नदारद था। घोटालेबाज को खंगालने में खुफिया विभाग भी जुटा रहा। लेकिन जैद कहीं भी नहीं मिला। लोगों की मानें तो जैद नाम के कई लोग हैं, अब विभाग कागजों के हेरफेर में माहिर शातिर की तलाश में है।

लहरपुर में वरदान और जनता हॉस्पिटल सील

नर्सिंग होम में जांच करते नोडल अधिकारी।

शटर बंद कराते स्वास्थ्य अधिकारी।

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचार : उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। ऐसे में अवैध रूप से संचालित दो अस्पतालों को नोटिस देकर संचालन बंद कराया गया। डिप्टी सीएमओ डॉ. दिनेश त्रिपाठी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संचारी रोग, जे एस वाई, आरबी एसके, लेबर रूम आदि का निरीक्षण किया गया। अधीक्षक डॉ. अरविंद बाजपेई ने सभी स्टाफ को निर्देशों का अनुपालन करने का आदेश दिया। निरीक्षण के उपरांत डिप्टी सीएमओ डॉ. दिनेश त्रिपाठी, डॉ. अरविंद बाजपेई व उनकी टीम ने ग्राम केसरीगंज स्थित वरदान हॉस्पिटल व जनता हॉस्पिटल की जांच की और कोई भी आवश्यक प्रपत्र न दिखा पाने पर नोटिस देकर अस्पताल का संचालन बंद कराया। जांच के दौरान दोनों अस्पतालों में कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। जबकि भारी संख्या में मरीज अस्पताल में भर्ती थे।

बिना लाइसेंस बेची जा रही खाद ,दुकान व गोदाम सीज, केस दर्ज

संवाददाता, सीतापुर

यूरिया आते ही लगी कतारें, किसान परेशान

पहला, सीतापुर, अमृत विचार : बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति बी-पैक्स अकबापुर में आई यूरिया एक ही दिन में खत्म होने हो गई। समिति पर यूरिया आने की सूचना मिलते ही गांव एवं आसपास के किसान समिति परिसर में पहुंच गए। यूरिया लेने के लिए किसानों को लाइन लगानी पड़ी। समिति सचिव अजय शुक्ला ने बताया कि समिति को 400 बोरी यूरिया प्राप्त हुई थी। अगली रैक के लिए चेक जमा हो चुकी है, जैसे ही रैक मिलेगी तत्काल वितरण किया जाएगा। प्रति किसान को देख - दो बोरी यूरिया दी गई है। 300 बोरियों का वितरण किया गया, 90 बोरियां बांटी गई।

अमृत विचार: जिले में खाद वितरण को लेकर प्रशासनिक सख्ती के साथ अव्यवस्था भी उजागर हुई है। एक ओर बिसवां क्षेत्र में अवैध रूप से खाद का भंडारण करते पकड़े गए दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई, वहीं दूसरी ओर पिसावां क्षेत्र के फरीदपुर समिति केंद्र पर यूरिया की भारी किल्लत और वितरण में लापरवाही सामने आई। प्रशासनिक कार्रवाई से जहां खाद कारोबारियों में हड़कंप है, वहीं किसान अब भी लाइन में लगकर खाद पाने को मजबूर हैं।

बिसवां में छापेमारी में दुकान व गोदाम सील ,केस हुआ दर्ज : इलाके में जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला कृषि अधिकारी की टीम ने ग्राम पंचायत नकारा के मजरा बेनवारिया में स्थित वर्मा ट्रेडर्स पर गुरुवार को छापा मारा था। जांच में सामने आया था कि दुकान का लाइसेंस समाप्त हो चुका था, बावजूद इसके वहां 240 बोरी यूरिया और 281 बोरी डीएपी सहित अन्य उर्वरक भंडारित मिले। टीम ने तत्काल दुकान और गोदाम को सील कर दिया था। इसके अलावा गुरेरा में राजेश खाद भंडार का भी लाइसेंस निलंबित किया गया। शुक्रवार को थानाध्यक्ष मानपुर मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर रिपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पिसावां में किसान दिनभर लाइन में खड़े रहे किसान : पिसावां इलाके के फरीदपुर साधन सहकारी समिति पर शुक्रवार को सुबह से ही किसानों की लंबी लाइनें यूरिया के लिए लगी रहीं। सचिव पप्पू यादव ने पहले 50 बोरी यूरिया वितरित की, इसके बाद सर्वर खराबी का हवाला देते हुए केंद्र पर ताला जड़ दिया। किसानों ने बताया कि कई लोग सुबह से लाइन में लगे थे लेकिन अधिकांश को खाद नहीं मिल सकी। किसान रामबेटी, सोहन, नरेश, दयाराम आदि ने कहा कि धान की रोपाई के वक्त यूरिया की सख्त जरूरत है, लेकिन पर्याप्त आपूर्ति न होने से संकट बना हुआ है। सचिव ने कहा कि कुल 400 बोरी यूरिया आई थी, तकनीकी दिक्कत के कारण वितरण रुका है, मशीन ठीक होते ही वितरण दोबारा शुरू किया जाएगा।

सड़क पर वाहन, बस स्टॉप नदारद

समस्या

- रामपुर मथुरा में बस स्टॉप न होने से यात्रियों को हो रही कठिनाई
- 15 से 20 बसें रामपुर मथुरा के लिए करती है आवागमन व रात्रि विश्राम
- लोगों ने की रामपुर में बस स्टॉप बनाये जाने की मांग

रामपुर मथुरा, सीतापुर

सड़क पर खड़ी बस से लगा भीषण जाम। अमृत विचार

अमृत विचार : रामपुर मथुरा में बस की समस्या अभी भी बनी हुई है। रोडवेज बस के संचालन न होने से आवाजाही पर खास असर पड़ रहा है। रामपुर मथुरा में एक बड़ी आबादी निवास करती है। बस स्टॉप न होने से प्रतिदिन कई सैकड़ा छात्र-छात्राएं महमूदाबाद और फतेहपुर शिक्षा के लिए जाते हैं। इसके अलावा बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, बहराइच आदि जगहों के लिए प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में यात्री बस द्वारा यात्रा करते हैं। बस स्टॉप न होने से सभी यात्री छात्र- छात्राएं और बुजुर्ग सड़क पर खड़े होकर बस का इंतजार करते देखे जा सकते हैं। राजेश कुमार, अमित कुमार, सुशील मिश्रा, विनोद कुमार, शिव बालक, अवधेश सिंह, संतोष कुमार, राममिलन, संजय गुप्ता, विकास गुप्ता, पुत्तन दीक्षित, सहजराम, डॉ. शकील, डॉ. ओमप्रकाश वर्मा, मुन्नन, जेपी तिवारी आदि लोगों ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की निष्प्रयोजित पड़ी जगह को बस स्टॉप बनाया जा सकता है।

निःशुल्क सुविधाएं देंगी आमजन को राहत : विधायक ज्ञान तिवारी

रामपुर मथुरा, सीतापुर

स्वास्थ्य सेवा का उद्घाटन करते विधायक सेवता। अमृत विचार

अमृत विचार : आमजनमानस रोग मुक्त हो, मुफ्त जांच व अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर मुहैया हो, इसलिए देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तमाम जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रखी हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान स्वास्थ्य सुविधा उन्ही में से एक हैं। अब विधानसभा सेउता के रामपुर मथुरा कस्बे व क्षेत्र की महिलाओं को मुफ्त अल्ट्रासाउंड का लाभ मिल सकेगा। सेउता विधायक ज्ञान तिवारी ने रामपुर मथुरा के निषाद नगर में न्यू समाधान डायग्नोस्टिक सेंटर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को सरकार की सुरक्षित मातृत्व के लिए निशुल्क अल्ट्रासाउंड सुविधा उपलब्ध कराने की बधाई दी। मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुशील वर्मा, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह, नरेंद्र सिंह, डॉ. सुशील वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गांव में जलभराव, धरने पर बैठे ग्रामीण

जताया विरोध

- मिश्रिख तहसील क्षेत्र के जल्लाबाद मजरा मुड़ियारा गांव का मामला
- ग्रामीण बोले- शिकायतों के बाद भी नहीं हो रहा निस्तारण, पक्की नालियां भी नहीं

संवाददाता, सीतापुर

धरने पर बैठे ग्रामीण।

अमृत विचार : मिश्रिख तहसील के जल्लाबाद मजरा मुड़ियारा गांव में मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या नहीं समाप्त हुई तो बड़ी संख्या में ग्रामीण मुख्यालय आकर धरने पर बैठ गए, दावा भूख हड़ताल का था। ऐसे में सरकारी मशीनरी देर शाम तक समस्या का हल निकालने में जुटी रही। मिश्रिख तहसील क्षेत्र के जल्लाबाद मजरा मुड़ियारा निवासी नरेश गौतम और गंगाराम के मुताबिक, पिछले काफी समय से गांव में मुख्य मार्गों पर जलभराव है। इसकी शिकायत भी ब्लॉक स्तर पर कई बार की जा चुकी है। निस्तारण न होने से संक्रमण बढ़ चला। इसी कारण ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय का रुख किया। जयपाल, श्रीकृष्ण, विनय शुक्ला, शैलेंद्र कुमार सहित अन्य बताते हैं कि दबंग मुख्य मार्ग पर कब्जा कर चुके हैं। ऐसे कच्ची नालियों को पक्का नहीं बनाया जा रहा है। बढ़ती रार के बीच धरने पर बैठे कई ग्रामीणों ने समस्या के निस्तारण न होने तक भूख हड़ताल किये जाने का भी दावा किया। धरने का नेतृत्व एसपी राजवंशी ने किया। उधर, देर शाम तक प्रशासनिक अधिकारियों ने समस्या के हल होने को लेकर संबंधित तहसील के अधिकारियों से संपर्क बनाए रखा।

नशे की लत से युवाओं का भविष्य खतरें में

संवाददाता, इमलिया सुल्तानपुर

काजीकमालपुर चौराहे पर नशे की हालत में सड़क पर पड़ा युवक। अमृत विचार

अमृत विचार: शराब की लत युवाओं के लिए आत्मघाती साबित हो रही है। यह लत धीरे-धीरे उनके भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। गांव हो या शहर, युवाओं में शराब का बढ़ता प्रचलन अब चिंता का विषय बन चुका है। नशे की गिरफ्त में आकर युवा न सिर्फ शिक्षा और करियर से भटक रहे हैं, बल्कि अपराध, मानसिक बीमारियों और सामाजिक बहिष्कार का शिकार हो रहे हैं।

डॉक्टरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह स्थिति अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुकी है। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला कल और भयावह हो सकता है। हालांकि ग्रामीण इलाकों में सस्ती और आसानी से उपलब्ध शराब युवाओं को तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। इमलिया सुल्तानपुर समेत आस-पास के गांवों में 18 से 30 वर्ष तक के युवक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कई स्कूल-कॉलेज छोड़ चुके हैं, तो कई अपराध में लिप्त हो चुके हैं।

मानसिक अवसाद और प्रवृत्तियों में बदलाव : मनोचिकित्सक रविशंकर त्रिपाठी बताते हैं कि लंबे समय तक शराब का सेवन करने से युवाओं में मानसिक रोग, अवसाद और आत्मघाती प्रवृत्ति जन्म लेती है। यह स्थिति न सिर्फ पीड़ित को, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करती है।

अभिभावकों करें जागरूक तभी बदलेंगे हालात : ग्रामीण रामेंद्र शुक्ला का कहना है कि माता-पिता को बच्चों को शुरू से ही नशे के दुष्परिणाम समझाने चाहिए। वहीं, अधिवक्ता कमलेंद्र मिश्रा कहते हैं कि सरकार को शराब की बिक्री पर सख्ती बरतनी चाहिए और समाज को भी जागरूक होना होगा।

बैठक जिलाधिकारी ने की समीक्षा, छात्रों के लिए विशेष अभियान चलाने के दिए निर्देश

स्कॉलर प्लेनेट ऐप छात्रों के लिए सशक्त माध्यम

संवाददाता सीतापुर

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी अभिषेक आनंद। अमृत विचार

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ स्कॉलर प्लेनेट ऐप को लेकर एक बैठक का आयोजन हुई। इसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने की। बैठक में ऐप की कार्यप्रणाली, उपयोगिता, तकनीकी सहायता तथा छात्रों को मिलने वाली निःशुल्क शैक्षणिक सामग्री पर विस्तृत चर्चा की गई।

डीएम ने कहा कि स्कॉलर प्लेनेट ऐप छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक डिजिटल शिक्षा प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। इस ऐप के माध्यम से छात्रों की पढ़ाई में निरंतर सुधार संभव है। साथ ही परीक्षा परिणामों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा सकती है। जिलाधिकारी ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए कि छात्रों को ऐप की उपयोगिता और पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाए ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इससे लाभान्वित हो सकें। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह, स्कॉलर प्लेनेट ऐप के तकनीकी प्रतिनिधि, सभी ब्लॉकों के राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक-छात्र संवाद और असाइनमेंट पर जोर : जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानाचार्य स्वयं ऐप की कार्यविधि को समझें और शिक्षकों व छात्रों को इससे सक्रिय रूप से जोड़ें। सभी विद्यालयों में शिक्षकों का ऐप पर पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराया जाए और छात्रों को नियमित रूप से असाइनमेंट भी दिए जाएं।

तकनीकी समस्याओं का समाधान और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार : डीएम ने यह भी आश्वासन दिया कि यदि ऐप के संचालन में कोई तकनीकी समस्या आती है, तो उसका शीघ्र समाधान किया जाएगा। और जिन विद्यालयों में कंप्यूटर लैब, इंटरनेट कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं, वहां जल्द से जल्द इन सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

दोबारा अध्यक्ष बनीं सीमा रस्तोगी

नव नियुक्त कार्यकारिणी में जमा सदस्य। अमृत विचार

संवाददाता बिसवां, सीतापुर

अमृत विचार : इनरव्हील क्लब ऑफ बिसवां उड़ान का चौथा अधिष्ठापन समारोह उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब की पूर्व अध्यक्ष सीमा रस्तोगी ने एक बार फिर अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। अधिष्ठापन समारोह के दौरान क्लब की अन्य पदाधिकारियों को भी उनके दायित्व सौंपे गए। नव नियुक्त पदाधिकारियों में उमा गुप्ता को सचिव, कीर्ति मेहरोत्रा को कोषाध्यक्ष, सुनीता गुप्ता को आईएसओ, तथा राधा प्रजापति को संपादक (एडीटर) का कार्यभार सौंपा गया। कार्यक्रम की समन्वयक रेनू मेहरोत्रा ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। समारोह में क्लब के अन्य सक्रिय सदस्य भी उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

पर्यावरण को सुरक्षित करने को पौधों का संरक्षण जरूरी

पौधरोपण करतीं ट्रस्ट अध्यक्ष।

संवाददाता संदना, अमृत विचार : गोंदलामऊ ब्लॉक के लोधखेरवा गांव में स्व. दिनेश प्रताप सिंह की स्मृति में सफल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट की अध्यक्ष सुमन सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों, बच्चों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत हुए इस आयोजन में नीम, चितवन, अशोक, पीपल, इमली, आम जैसे 100 से अधिक फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इसके साथ ही बच्चों को पौधे वितरित किए गए और सभी ने पौधों की देखरेख और संरक्षण का संकल्प लिया। ट्रस्ट की अध्यक्ष सुमन सिंह ने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने और भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ वायु सुनिश्चित करने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। एक पेड़ भी यदि सही तरीके से संरक्षित हो जाए तो वह कई जिंदगियों को जीवन दे सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रस्ट का लक्ष्य 501 पौधे लगाने का है, जिसमें से 200 से अधिक पौधे अब तक लगाए जा चुके हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष धारा सिंह, संदीप सिंह, ऋतु सिंह, रामखेलावन, राम औतार, आयुष यादव, हर्षित सिंह, शिवा समेत अन्य ग्रामवासी और स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

शिक्षा वह धन है जिसे कोई चुरा नहीं सकता: हाजी जावेद

नगर पालिका चेयरमैन हाजी जावेद को सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

संवाददाता, लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : आदर्श कैलाश नाथ इंटर कॉलेज में मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पालिका परिषद अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद को कॉलेज के प्रधानाचार्य अवधेश अवस्थी ने अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह धन है इसे कोई चोरी नहीं कर सकता और उसे जितना भी बांटो उतना बढ़ता जाता है उन्होंने हाई स्कूल व इंटर के सभी 28 मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और देशभक्ति से ओतप्रोत गीत और नृत्य प्रस्तुत कर आगुंतकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आशीष शुक्ला, राजेश्वर रस्तोगी, हरीश रस्तोगी, प्राजंल मिश्रा, समीर राइन, रसिक बिहारी मिश्रा, सतीश चंद्र यादव, आदित्य शुक्ला, मुबीन सभासद, रहमत, शोएब सभासद सहित शिक्षक अभिभावक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सड़क व पुल निर्माण को लेकर बिफरा संगठन ,सौंपा ज्ञापन

कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद किसान संगठन के सदस्य। अमृत विचार

संवाददाता खैराबाद/ सीतापुर अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (श्रमिक जनशक्ति) ने खैराबाद विकासखंड के ग्रामीण इलाकों की जर्जर सड़कों और अधूरे विकास कार्यों को लेकर जिलाधिकारी को तीन सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। संगठन ने ग्राम सभा गद्दीपुर, नगरा सलेमपुर, अली रजा सरदार कॉलोनी और सराय नदी पुल से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम सभा गद्दीपुर का मुख्य रास्ता पूरी तरह से खराब हो चुका है, जिससे सात गांवों के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। विकास खंड खैराबाद के नगरा सलेमपुर अली रजा सरदार कॉलोनी में आज तक न खड़ंजा बना है, न नाली, जिससे बारिश में भीषण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। अली रजा कॉलोनी के निकट सराय नदी का पुल पूरी तरह टूट चुका है, जिससे क्षेत्र का संपर्क बाधित हो गया है। पुल के पुनर्निर्माण की मांग को भी प्राथमिकता के साथ उठाया गया। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान पर जोर

सीतापुर, अमृत विचार : संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष योगेश दीक्षित ने की। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में नूर मोहम्मद आलम कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी को छोड़कर कांग्रेस की विचारधारा को अपनाया। कार्यक्रम में जिला, ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डॉ. ममता वर्मा, अनिल दीवान, संजीव नाथ गुप्ता, अनुपम राठौर, एहतिशाम बेग (अच्छे), उत्कर्ष अवस्थी (पूर्व जिलाध्यक्ष), रमेश निषाद (पूर्व जिलाध्यक्ष), कमला रावत, विनीता राजवंशी, रमेश रावत, दिलीप भारती, हसीना खातून, श्रीष चंद्र शुक्ला, अमित मिश्रा, कल्लन खान आदि मौजूद रहे।

- नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई, नूर मोहम्मद आलम कांग्रेस में हुए शामिल

धरने पर बैठे बजरंग दल व विहिप कार्यकर्ता

संवाददाता, इमलिया सुल्तानपुर, अमृत विचार : विकास खंड ऐलिया की ग्राम पंचायत तिहार में बनी गौशाला में मृत गोवंशों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में तिहार गौशाला पहुंच गए और मौके पर गौशाला में छः मृत पड़े गौवंश को देखकर भड़क गए। मामले में बजरंग दल के जिला संयोजक अनुज भदौरिया ने जब एसडीएम महोली से बात करते हुए सूचनाओं से अवगत कराया, संगठन का दावा है कि प्रशासनिक अधिकारी का व्यवहार उचित नहीं था। इस बात को लेकर बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने गौशाला के बाहर धरना दिया।

खरपतवारों नियंत्रित करना जरूरी : शिवशंकर

संवाददाता सीतापुर, अमृत विचार : जिला कृषि रक्षा अधिकारी शिवशंकर ने बताया कि धान की रोपाई के मौजूदा समय में किसानों को खरपतवार नियंत्रण को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रदेश में प्रतिवर्ष फसलों को कीट, रोग और खरपतवारों के कारण 15 से 20 प्रतिशत तक नुकसान होता है। इनमें 33% क्षति खरपतवार, 26% रोग, 20% कीट, 7% अन्न भंडारण और 6% अन्य कारकों से होती है, जिससे स्पष्ट है कि फसल को सबसे ज्यादा खतरा खरपतवारों से है। उन्होंने बताया कि खरपतवार न केवल पोषक तत्वों, प्रकाश और पानी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, बल्कि कई प्रकार के कीट और रोगों के प्रसार में भी सहायक होते हैं। इसलिए समय पर इनका नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। धान की फसल में आमतौर पर जंगली सावा घास, भंगरा, मोथा, पान पत्ता, छतरी वाला मोथा, बंसी पीत हूराह जैसे खरपतवार पाये जाते हैं।

नशे की गोलियां खिलाकर किया उत्पीड़न ,केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला भूलनपुर की एक महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपराध दर्ज कराया है। महिला ने बताया कि उसका निकाह आठ माह पूर्व नगर लहरपुर के मोहल्ला भूलनपुर निवासी अताउर रहमान के साथ हुआ था। उसके पति, सास, ससुर, देवर, नंद व एक सहयोगी गुड्डू आदि आए दिन शादी में मिले दान दहेज से संतुष्ट नहीं थे। एक बुलेट, सोने की चैन व 2 लाख रुपये की मांग को लेकर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना देने लगे। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके ससुराली जन कई अवैध कार्य कराते हैं। कुछ दिन पहले पीड़िता को नशे की गोलियां खिलाकर उसका उत्पीड़न किया गया। कोतवाली प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया।

बेखौफ लकड़कट्टों ने परमिट से अधिक काटे पेड़

मिश्रिख, अमृत विचार : वन माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वन विभाग की आंखों के सामने ही नियमों को दरकिनार कर पेड़ों का अवैध कटान किया जा रहा है। बीते बुधवार को मिश्रिख वन रेंज के अंतर्गत ललई पुरवा मजरा साहब नगर निवासी अशोक गुप्ता की आम की बाग के चालीस पेड़ ठेकेदार द्वारा कटवा दिए गए, जबकि परमिट केवल बीस पेड़ों का ही लिया गया था। इस मामले में जब वन क्षेत्राधिकारी सिकंदर सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है और विभागीय कर्मचारियों को जांच के लिए मौके पर भेजा गया है। वहीं, डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने पुष्टि करते हुए बताया कि केवल बीस पेड़ों का परमिट जारी किया गया था, लेकिन उससे अधिक संख्या में पेड़ काटे गए हैं। उन्होंने कहा कि दोषी ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

आवारा मवेशियों ने ली भाजयुमो नेता समेत दो की जान

अमेठी में भाजयुमो नेता की बाइक मवेशी से टकराई, भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष थे राहुल, साथी घायल

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। जिले में आवारा मवेशी जानलेवा बनते जा रहे हैं। गुरुवार देर रात अचानक सामने आए आवारा मवेशी से बाइक के टकराने से भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राहुल दुबे (29) की मौत हो गई और उनका साथी घायल हो गया।

उपाध्यक्ष राहुल दूबे की फाइल फोटो।

गुरुवार की रात राहुल दुबे अपने साथी रवि यादव के साथ बाइक से अमेठी से घर लौट रहे थे। अमेठी बाईपास पर अचानक सामने आए मवेशियों से बाइक टकरा गई, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल राहुल को पहले सीएचसी अमेठी और फिर संजय गांधी अस्पताल मुंशीगंज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके साथी रवि यादव की हालत स्थिर बताई जा रही है। राहुल मूल रूप से मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र के भुसियांवा गांव के निवासी थे। वह चार बहनों के इकलौते भाई थे और अविवाहित थे।

गांववालों के मुताबिक, राहुल समाज सेवा में हमेशा आगे रहते थे। भाजपा ने उनकी सक्रियता और सेवा भाव को देखते हुए उन्हें युवा मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया था। हादसे की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए गौरीगंज भेजा गया है जो कि देर शाम पैतृक गांव भुसियांवा पहुंचा जहां पर उनका अन्तिम सस्कार किया गया।

चाचा ने जताई हत्या की आशंका, दी तहरीर

अमेठी अमृत विचार। भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष राहुल दुबे के चाचा वेद प्रकाश ने हत्या की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दी है। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि राहुल को भोजन या अन्य किसी पदार्थ में जहर देकर मारा गया है। उनका कहना है कि राहुल के शरीर पर कोई गंभीर चोट के निशान भी नहीं थे। राहुल के एक साथी समेत कुछ लोगों पर विषयुक्त पदार्थ खिलाकर उसकी हत्या की आशंका जताई है। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर में राहुल को विषयुक्त पदार्थ खिलाकर मारे जाने का आरोप लगाया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

रायबरेली में मवेशी से टकरा कर बाइक सवार की मौत, तीन घायल

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। बटऊआपुर मजरे कोटिया चित्रा निवासी रावेन्द्र (32) अपने भाई अखिलेश (30), चाचा सुक्खू (50) व बेटे अमर उर्फ सत्यम (8) के साथ बाइक से गुरुवार को जगतपुर थाना क्षेत्र के भोजराज का पुरवा गांव ननिहाल में तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने गया था। रात में सभी लोग घर लौट रहे थे। इसी दौरान पूरे बाबा मजरे इटौरा बुजुर्ग गांव के पास लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग पर सड़क पार कर रहे मवेशी से बाइक की टक्कर हो गई। घटना में बाइक सवार चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पीआरवी ने घायलों को जगतपुर सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने रावेन्द्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि अमर को दरियापुर स्थित एम्स अस्पताल रेफर कर दिया। ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव की सूचना पर परिजन सीएचसी पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जगतपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. एलपी सोनकर ने बताया कि एक युवक को मृत अवस्था में सीएचसी लाया गया था, तीन अन्य घायलों में एक बच्चे को रेफर किया गया है। कोतवाल संजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

युवती ने लगाया धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप

अमेठी। मुंशीगंज थाना क्षेत्र में एक युवती ने पुलिस को तहरीर देकर एक युवक पर जान से मारने की धमकी देने व उस पर धर्मांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि आरोपी युवक उसे फोन कर परेशान करता है और जान से मारने की धमकी देता है। युवती का कहना है कि आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती भी की है और अब उसकी शादी होने वाली है तो उसे जान से मारने और चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी दे रहा है। युवती और उसके परिवार वाले आरोपी की धमकियों से बहुत डरे हुए हैं। युवती का कहना है कि आरोपी की वजह से उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि युवती की तहरीर पर जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में खेलों के प्रोत्साहन पर दिया जोर

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। जनपद में खेल प्रतिभाओं को पहचान और प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी संजय चौहान ने की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अयोध्या मंडल अनिमेष सक्सेना सहित समिति के अन्य सदस्य एवं खेल विशेषज्ञ उपस्थित रहे। बैठक में जनपद में खेलों के व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने, गरीब एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, खेल किट वितरण, मिनी स्टेडियमों के सुदृढ़ीकरण, एवं ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर खेल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

जिलाधिकारी चौहान ने कहा कि कई होनहार खिलाड़ी सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित मंच नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें सहयोग देने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि खेल से जुड़ी सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर दिया जाना चाहिए।

शूटिंग रेंज की मांग और मिनी स्टेडियमों पर जोर

अंतरराष्ट्रीय शूटर रुचि सिंह ने जनपद में शूटिंग रेंज स्थापित किए जाने की मांग रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि इस दिशा में शीघ्र कार्य किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ग्रामीण स्तर पर मिनी स्टेडियमों को मजबूती देने और आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराने पर बल दिया। विद्यालयों में खेल प्रतियोगिताएं होंगी आयोजितबैठक में जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि विद्यालय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित कराया जाए। बीएसए ने जानकारी दी कि नवंबर माह में जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व न्याय पंचायत, ब्लॉक व तहसील स्तर पर भी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।जिलाधिकारी ने इन प्रतियोगिताओं को भव्य रूप में आयोजित करने और व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में खेलों के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ाई जा सके।

पूजा वर्मा अमेठी में आप की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष

अमेठी अमृत विचार। आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के 16जिलों में महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष घोषित किए हैं। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव की ओर से जिला अध्यक्षों की सूची जारी की गई है। पूजा वर्मा को अमेठी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विद्या वर्मा अयोध्या, शोभा सिंह कौशाम्बी, पुष्प लता गाजियाबाद,मंजू देवी गोंडा ,सन्नो मौर्य चित्रकूट और नीतू कनौजिया प्रयागराज की आम आदमी पार्टी के महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष बनाई गई हैं। माया गौतम को फतेहपुर, ज्योति विश्व कर्मा को बहराइच, अफसाना बानो को बाराबंकी,निर्मल शर्मा को मथुरा और मीरा देवी को मिर्जापुर का जिला अध्यक्ष बनाया गया है।रानी कुमारी को मैनपुरी,प्राची गुप्ता को संभल , दुर्गा देवी को सोनभद्र और प्रिया को श्रावस्ती जिले का महिला प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

बार एसोसिएशन चुनाव 21 को डाले जाएंगे वोट

संवाददाता मुसाफिरखाना, अमेठी,अमृत विचार। जनपद की तहसील मुसाफिरखाना में बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। अध्यक्ष और महासचिव पद को लेकर इस बार सीधी टक्कर देखने को मिल रही है। आगामी 21 जुलाई को होने वाले चुनाव में 140 अधिवक्ता मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

अध्यक्ष पद के लिए दो प्रमुख चेहरे आमने-सामने हैं। एक ओर पूर्व अध्यक्ष गुरु प्रसाद तिवारी फिर से मैदान में हैं, तो दूसरी ओर वेद प्रकाश शुक्ला चुनौती दे रहे हैं। दोनों प्रत्याशी अधिवक्ताओं के बीच संपर्क बनाकर समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। बार के सदस्यों में इस बार चुनाव को लेकर खासा उत्साह है। महासचिव पद के लिए भी मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। एक ओर तेज-तर्रार और युवा अधिवक्ता पवन कुमार तिवारी हैं, तो दूसरी ओर राजीव कुमार तिवारी भी अपनी पकड़ मजबूत करने में लगे हुए हैं। दोनों उम्मीदवारों ने बार के कार्यों को पारदर्शी व अधिवक्ताओं के हित में संचालित करने का वादा किया है। इस बार का चुनाव न सिर्फ अधिवक्ताओं के प्रतिनिधित्व को तय करेगा, बल्कि बार की आगामी दिशा और कार्यशैली की भी नींव रखेगा।

नोडल अधिकारी ने किया डिपो और स्टेशन का निरीक्षण

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की ओर से नियुक्त अयोध्या मंडल के नोडल अधिकारी विनोद कुमार ने शुक्रवार को अमेठी डिपो, बस स्टेशन और डिपो वर्कशॉप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बस स्टेशन और कार्यशाला परिसर में एआरएम काशी प्रसाद और सेवा प्रबंधक नीरज सोनकर के साथ पौधरोपण भी किया।

नोडल अधिकारी विनोद कुमार शुक्रवार को सुबह लगभग दस बजे बस स्टेशन पहुंचे। एआरएम को साथ लेकर वे सीधे डिपो कार्यशाला गये। यहां उन्होंने साफ सफाई की व्यवस्था, डीजल रजिस्टर, स्टोर रूम और बस का निरीक्षण किया।

अमेठी डिपो पर निरीक्षण करते नोडल अधिकारी। अमृत विचार

सफाई व्यवस्था अच्छी मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता जताई। वर्कशॉप में निरीक्षण के दौरान अमेठी सुल्तानपुर मार्ग, अमेठी अठेहा मार्ग और अमेठी कानपुर मार्ग का लोड फैक्टर कम मिला। नोडल अधिकारी ने रोडवेज कर्मियों को लोड फैक्टर बढ़ाने के निर्देश दिए। वर्कशॉप में उन्होंने आम और अमरुद के पेड़ लगाए। वर्कशॉप से लौटने के बाद नोडल अधिकारी ने बस स्टेशन पर पीपल रोपित किया। बस स्टेशन पर साफ सफाई की व्यवस्था अच्छी मिलने पर उन्होंने खुशी जताई। कैंटीन के निरीक्षण के दौरान संचालक को रोडवेज कर्मचारियों और यात्रियों को जलपान और भोजन की बेहतर सुविधाएं हमेशा बनाए रखने के निर्देश दिए। बस स्टेशन पर वाटर कूलर और महिला शौचालय की व्यवस्था ठीक पाई गई। अमेठी डिपो में इस समय 55 बसें है। एआरएम की ओर से 23 मिनी बसों की मांग की गई है। बारिश के कारण लोड फैक्टर घटकर पचास से भी कम हो गया है।

डग्गामार वाहनों पर नहीं गई नजर

अमेठी। पुलिस और एआरटीओ की शिथिलता के कारण डग्गामार वाहन रोज डिपो की नाक के नीचे से सवारियां उठाते हैं। एआरएम की ओर से कई बार पत्राचार के बाद भी पुलिस प्रशासन के अधिकारी और एआरटीओ डग्गामारी रोकने में डिपो का कोई सहयोग नहीं कर रहे हैं। डिपो को प्रतिदिन चूना लग रहा है। शुक्रवार को निरीक्षण के लिए अमेठी आए नोडल अधिकारी विनोद कुमार ने की नजर इस पर नहीं गई।

ईमानदारी की पेश की मिसाल, एसपी से मिला सम्मान

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। ईमानदारी की झलक ही व्यक्ति को महान बनाती है। आज के दौर में ऐसे लोग हैं, जो समाज के लिए प्रेरणाश्रोत बने हुए हैं। कुछ ऐसा ही शहर के हिमांशु बाजपेई ने किया, जो मिसाल बन गया। करीब दो लाख रुपयों से भरा बैग मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने संबंधित व्यक्ति की तलाश कर सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक ने हिमांशु की ईमानदारी पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

हिमांशु बाजपेयी को प्रशस्तिपत्र देते पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह।

मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत निराला नगर मोहल्ले का है। गुरुवार देर शाम निराला नगर निवासी हिमांशु बाजपेई ने ईमानदारी की अद्भुत मिसाल किया। हमेशा की तरह वह मंदिर में दीपक जलाने के लिए जा रहे थे। तभी उन्हें मंदिर के पास एक स्कूटी और कीचड़ में गिरा बैग मिला। आशंका होने पर उन्होंने जब बैग खोलकर देखा तो उसमें रुपये भरे मिले। इस पर हिमांशु बाजपेई ने तत्काल रुपयों से भरा बैग लेकर पुलिस अधीक्षक आवास पहुंच गए। वहां पर उन्होंने पूरी बात बताते हुए बैग को जमा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो पता लगा कि उपरोक्त बैग सत्य नगर मोहल्ले के रहने वाले डा. पार्थ श्रीवास्तव का है। पूछने पर उन्होंने बताया कि अपनी पत्नी की बीमारी के इलाज के लिए बैंक से दो लाख रुपये निकाले थे। पत्नी की बीमारी की वजह से मानसिक स्थिति ठीक ना होने के कारण वह स्कूटी और बैग भूल कर कहीं और चले गए। रुपये पाने के बाद जहां पीड़ित चिकित्सक बेहद खुश नजर आए। वहीं बार-बार हिमांशु और पुलिस को धन्यवाद देते रहे। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर हिमांशु बाजपेई को सम्मानित किया। उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि हर किसी को उनकी ईमानदारी से सीख लेनी चाहिए। एक अच्छा नागरिक बनकर हर किसी को जरूरत मंद की मदद करनी चाहिए।

व्यापारी नेताओं ने डॉक्टर का किया स्वागत

महराजगंज, रायबरेली। विकास खण्ड क्षेत्र के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय हलोर में तैनात डॉ. रणजीत कुमार का बीते एक सप्ताह पूर्व अंबेडकर नगर जनपद में स्थानांतरण होने से अस्पताल में कोई चिकित्सक न होने से मरीजों को असुविधा होती थी। चिकित्सक न होने की स्थिति में फार्मासिस्ट माया राम के भरोसे अस्पताल चल रहा था। लगभग एक सप्ताह बाद विभाग ने डॉ. अंतरिक्ष बैसवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी हलोर में तैनात किया गया। डॉक्टर की तैनाती होते ही हलोर व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप पटेल अपने व्यापारियों के साथ प्रभारी डॉक्टर का प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया।

अंधेरे में डूबा मुंशीगंज एम्स सम्पर्क मार्ग, हादसे की आशंका

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। शहर से सटे मुंशीगंज वार्ड संख्या आठ के कई मुहल्लों में स्ट्रीट लाइट नहीं होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर मुंशीगंज एम्स सम्पर्क पूरा अंधेरे में डूबा रहता है। दोपहिया समेत बड़े वाहन चालक तो लाइट जलाकर किसी तरह आ जा रहे हैं। वहीं साइकिल सवार, पैदल चलने वाले लोग आए दिन हादसे का शिकार हो रहे हैं। वहीं जिम्मेदार अंजान बने हुए हैं। वहीं लोगों ने डीएम से हाईमास्ट लाइन लगवाने की मांग की है।

मुंशीगंज मार्केट से पैलेस चौराहा - एम्स सम्पर्क मार्ग होने के कारण इस मार्ग पर दिन और रात चहल पहल बना रहता है। लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। स्थानीय रितिक लाला, रंजीत यादव, कुलदीप, राज, शुभम शर्मा, लिटिल, डब्बू, रामपाल आदि का कहना है कि इस मार्ग पर हाईमास्ट लाइट भी नहीं लगाया गया है, जिसके कारण अंधेरा रहता हैं। इससे मोहल्लेवासी व राहगीरों कों दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं। बताते चले मुंशीगंज-डलमऊ मार्ग पर फ्लाईओवर चल रहे निर्माण कार्य के कारण इस मार्ग से एम्स, डलमऊ, फतेहपुर के रूट डायवर्जन किया गया हैं। इससे इस मार्ग पर प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन रहता हैं।

स्वागत — अमावां ब्लॉक के सभागार में निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर सिंह का किया गया सम्मान

सरप्लस प्रधानाध्यापकों का नहीं होगा अहित : प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (आरएसएम) के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह का सम्मान बीआरसी अमावां में किया गया। प्राथमिक संवर्ग के प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने कहा कि किसी भी शिक्षक का अहित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में सरप्लस प्रधानाध्यापकों के साथ में किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। इनके साथ ही ब्लॉक में आए सभी नए शिक्षकों का भी सम्मान किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष को सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने कहा कि वर्तमान में बेसिक शिक्षा विभाग बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एकतरफ जहां सरप्लस शिक्षकों को ऐच्छिक विद्यालयों में तैनाती दी जा रही है तो वहीं विद्यालयों को भी जोरों से मर्जर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मर्जर के मामले में कोर्ट से आदेश आने के बाद अधिकारियों ने काफी तेजी दिखा दी है। उन्होंने कहा कि अगर कोर्ट से आदेश न होता तो शायद हम लोग संघर्ष करके जीत लेते। लेकिन अब कोर्ट में सरकार ने बेहतर पैरवी करके अपने मंसूबे को पाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि सरप्लस प्रधानाध्यापकों की भी इस समय विभाग उनके मनमुताबिक ऐच्छिक तैनाती दे रही है। उन्होंने कहा कि जिन प्रधानाध्यापकों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है और न ही कोई तैनाती पाई है। उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसे प्रधानाध्यापकों के साथ में किसी भी प्रकार का अहित नहीं होने दिया जाएगा। संगठन उनके साथ में किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने देगा। जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मर्जर की वजह से भविष्य में नुकसान होगा। हमारी नई पीढ़ी को विद्यालय मर्जर से होने वाली परेशानी को जरूर समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालय में बेहतर पढ़ाई का माहौल बनाकर नामांकन अधिक से अधिक बढ़ाएं और साथ ही अभिभावकों से अनवरत सम्पर्क बनाएं रखें।

उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को वर्तमान हो रही परेशानी से भी अवगत कराया। इसके साथ ही ब्लॉक में आए सभी नए शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि आप लोग अपने विद्यालयों को मजबूत करें और बेहतर पढ़ाएं। ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजेन्द्र ने प्रदेश की तरफ से प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों के लिए उठाएं जा रहे कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि हमारे शिक्षक साथियों का नुकसान नहीं होगा। उन्होंने बताया कि ब्लॉक कार्यकारिणी के तीन साल पूरे भी हो गए हैं। इसके उन्होंने जल्द ही जिलाध्यक्ष से चुनाव भी कराने के लिए कहा। कार्यक्रम का संचालन रणविजय सिंह गंगापारी ने किया।

इस मौके पर उर्दू संघ के जिलाध्यक्ष मोईनुल हक, जिला उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, एआरपी सतीश चौरसिया, हरिचंद्र पांडेय, मानवेन्द्र, अजय यादव, रामेश्वर नाथ, शशि देवी, प्रतिमा सिंह, अनुराग सिंह, राकेश वर्मा, पंकज, शशि गुप्ता, सुनीता, अल्पना, राजेश, रितेश, रामभरत राजभर, गणेश, विकास, मुकेश, वरुणेद्र, अंकित आदि शिक्षक मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

बच्चे बोले, हमें मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए

अमेठी,अमृत विचार। योगी सरकार के प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर आदेश के खिलाफ समाजवादी पार्टी के नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में भादर ब्लॉक के खाझा ग्रामसभा के अंतर्गत बंद प्राथमिक विद्यालय पूरे भोजई मिश्र स्कूल के सामने बच्चों व अभिभावकों ने जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हमें मधुशाला नहीं पाठशाला चाहिए। सपा नेता ने कहा कि जब तक सरकार ये तुगलकी फरमान वापस नहीं ले लेती तब तक आन्दोलन जारी रहेगा। इस मौके पर मनु पाल, बृजेश यादव, राकेश कोरी, रोहित शर्मा, मो.शाहिद, चंद्रकांत पाल, संजय, सूरज, छोटेलाल, नवनीत कोरी, विजय कोरी, अविनाश मौजूद रहे।

रैली निकालते बच्चे। अमृत विचार

शिक्षा के अधिकार के तहत निकाली जागरूकता रैली

अमेठी अमृत विचार। भेंटुआ प्राथमिक विद्यालय घाटमपुर में स्कूल चलो अभियान में खंड शिक्षा अधिकारी डॉ संतोष कुमार के नेतृत्व में निकाली गई रैली में ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व और सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। बीईओ ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शिक्षा को सबके लिए सुलभ बनाना है। परिषदीय स्कूलों में नामांकन संख्या बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों में निशुल्क पाठ्य पुस्तक, प्रशिक्षित शिक्षक, ड्रेस, जूता और डीबीटी के माध्यम से मिलने वाली धनराशि जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकालते बच्चे।

महंत गुरबख्श दास बने राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष

अमेठी, अमृत विचार। श्री उदासीन बड़ा पंचायती अखाड़ा बंधुआ कला, सुल्तानपुर से जुड़े संत एवं सिंदुरवा स्थित बाबा गंगादास कुटी के महंत गुरबख्श दास को राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने अमेठी जिला अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। मदन बाजपेई, बलसागर बाजपेई, पुत्तन बाजपेई, गोपाल बाजपेई, इशहाक प्रधान, श्यामलाल, दिनेश, तुलसीराम आदि ने महंत को बधाई दी और मिठाई बांटकर खुशी का इज़हार किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि महंत गुरबख्श दास के नेतृत्व में अमेठी जिले में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से हिंदू समाज को एक नई दिशा मिलेगी।

दिनदहाड़े आम का पेड़ हुआ साफ, जिम्मेदार बेखबर

इन्हौना अमेठी,अमृत विचार। इन्हौना थानाक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम झाऊ का पुरवा मजरे गढ़ी महाबल में उत्तर दिशा में स्थित कोटेदार के घर के सामने तालाब के निकट आम के हरे भरे वृक्ष वन माफियाओं ने बुधवार को दिनदहाड़े काट डाले और टैक्टर ट्राली में लकड़ी भरकर उठा ले गए। मामले की जानकारी ग्रामीणों ने जब वन कर्मियों को दी तो फारेस्ट गार्ड रामेश्वर प्रसाद यादव तथा वन दरोगा ने यह कह कर पल्ला झाड़ लिया कि तिलोई क्षेत्र में बीस लाख पेड़ रोपित होने हैं, जब पेड़ कटेंगे नहीं तो उन्हें कहां लगाया जायेगा। पुलिस भी मामले का जानकारी से इंकार करती रही। वन क्षेत्राधिकारी तिलोई जहीर मिर्जा ने बताया कि प्रतिबंधित वृक्षो का सफाया करने वाले लकड़कटो के विरुद्ध जांच कराकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएफओ रणवीर मिश्रा ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है, जांचोपरांत कार्रवाई होगी।

पुनर्मूल्यांकन में बेहतर अंक मिलने पर छात्रा का सम्मान

सरेनी, रायबरेली, अमृत विचार। सरेनी क्षेत्र के सोमवंशी खेड़ा की हाईस्कूल की छात्रा ने अंकों के पुनर्मूल्यांकन में बेहतर अंक हासिल किया है। शिक्षकों और अभिभावकों का मानना है कि यह उसके आत्मविश्वास की जीत है। सभी ने उसका नाम मेधावियों की सूची में डालने की मांग उच्चाधिकारियों से की है। क्षेत्र के सोमवंशी खेड़ा मजरे भोजपुर के निवासी अवनेंद्र सिंह की पुत्री इंदु ने वर्ष 2024-25 की हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 564 अंक हासिल किए थे। उसे गणित, सामाजिक विषय में मिले अंक कम महसूस हुए। उसने अपनी कापियों के पुन: मूल्यांकन के लिए अभिभावकों व शिक्षकों से विनती की। पुनर्मूल्यांकन में उसके गणित विषय में नौ अंक ज्यादा मिले। इस तरह 600 में 573 अंक हासिल किए। इंदु हरिवंश लाल शुक्ल इंटर कॉलेज ऊंचगांव (उन्नाव) की छात्रा है। उसके अंक बढ़ने से माता पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य विनय कुमार शुक्ल ने इसे छात्रा के आत्मविश्वास की जीत बताया है। उन्होंने अधिकारियों से उसे मेधावियों की सूची में स्थान दिए जाने की मांग की है। प्राप्तांक बढ़ने पर खुशी जताने वालों में अरविंद सिंह, दुर्गा बख्श सिंह, गिरीश सिंह, रवि प्रकाश, राजकुमार, पुतानी साहू, संजय सिंह, माता बदल आदि शामिल हैं।

छात्रा इंदु को सम्मानित करते शिक्षक।

निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने किया प्रतिभाग, पुरस्कृत

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। कस्बा के कुटी मोहल्ला मे स्थित उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज में बैंक ऑफ़ बडौदा द्वारा डिजिटल बैंकिंग से लाभ एवं हानि विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें इंटरमीडिएट के बच्चों द्वारा प्रतिपादित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में नम्रता ने प्रथम, प्राची ने द्वितीय तथा राजवीर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। साथ ही साक्षी एवं अंशुमन शुक्ला ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर राहुल चतुर्वेदी ने डिजिटल बैंकिंग पर प्रकाश डालते हुए संवैधानिक भी बताया। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की मैनेजर हनुमंत त्रिपाठी ने साइबर अपराध एवं डिजिटल ऑपरेटिंग सिस्टम के विषय में बच्चों को अवगत कराया। संस्थापक भगवान कुमार अवस्थी ने प्रबंधक बैंक ऑफ़ बडौदा एवं बैंक कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गोविंद यादव, दीप प्रिया, राजेंद्र चौधरी, अविनाश अवस्थी, आकाश मिश्रा, आकांक्षा श्रीवास्तव, सुधा बाजपेई आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्कर्ष इंटर कॉलेज में सम्मानित किए गए बच्चे।

बैठक में किसानों की सुविधाओं पर की गई चर्चा

रायबरेली, अमृत विचार। जिला सहकारी बैंक की शुक्रवार को प्रबन्ध समिति की बैठक में बैंकिंग क्षेत्र को बढावा देने एवं बैंक एवं बी-पैक्स के माध्यम से किसानों को दी जा रही अल्पकालीन फसली ऋण, उर्वरक, बीज, कीटनाशक एवं अन्य सुविधाओं को निरन्तर बनाये रखने हेतु जनहित में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अन्तर्गत राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं की वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से जानकारी दी। इस अवसर पर सुशील शर्मा उपाध्यक्ष, कुसुम सिंह, श्रवण कुमार, कुँवर हनुमन्त प्रताप सिंह, अब्दुल रिजवान, राघवेन्द्र प्रताप सिंह अमरेश सिंह, अवनीन्द्र प्रताप सिंह, बृजेश विश्वकर्मा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, दीनानाथ राम उप महाप्रबन्धक, अजय कुमार उप महाप्रबन्धक, रामानन्द दुवे उप महाप्रबन्धक, रणंजय सिंह अनुभाग अधिकारी, शैलेन्द्र कुमार अनुभाग अधिकारी प्रशासन, सत्यनारायण अनुभाग अधिकारी लेखा, श्याम लाल रत्नाकर एवं शाखाओं से आये समस्त शाखा प्रबन्धक एवं अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसबीआई ने किसानों को सिखाए आत्मनिर्भरता के गुर

सतांव, रायबरेली, अमृत विचार। भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को सतांव ब्लॉक क्षेत्र के जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल एवं ग्राहक सेवा केंद्र पर एक दिवसीय जन समृद्धि योजना जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण उद्यमी और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि और स्वरोजगार सम्बन्धी योजनाओं की विस्त्रत जानकारी देना था। इस अवसर पर एसबीआई अधिकारियों ने किसानों को हाइटेक डेयरी, पोल्ट्री फार्म, पाली हाउस, फार्म मशीनरी, ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर, कोल्ड स्टोरेज, मशरूम उत्पादन, बकरी पालन, मत्स्य पालन और डेयरी चिलिंग प्लांट जैसी परियोजनाओं के लिए बैंकिंग सहायता की जानकारी दी। इसके अलावा 'पीएम सूर्य योजना' के अंतर्गत सौर ऊर्जा आधारित संयंत्रों से होने वाले लाभ और वित्तीय सहायता की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभ भी बताए गए। कार्यक्रम में रायबरेली क्षेत्रीय कार्यालय से केपी कमल भारती,उप प्रबंधक यादराम गौतम, गुरुबक्शगंज शाखा से वात्सल्य कुमार मिश्रा, जेपीएस ग्राहक सेवा केन्द्र संचालक रोहित शुक्ला,ग्राहक सेवा केन्द्र अमवन के संचालक राजीव कुमार सहित कई बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

अस्पताल से लौटे अधेड़ की मौत, दी तहरीर

ऊंचाहार, रायबरेली। क्षेत्र के छोटा सरबहदा गांव निवासी अतुल कुमार ने पुलिस को एक शिकायती पत्र दिया है। शिकायकर्ता का कहना है कि उसके पिता रामगोपाल (53) बीते महीने की 19 तारीख को जमुनापुर से सब्जी लेकर साइकिल से घर लौट रहे थे। किशुनदासपुर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए जिसे सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। गुरूवार को घर लेकर लौटे रामगोपाल की शुक्रवार की दोपहर मौत हो गई। बेटे अतुल ने कोतवाली में मामले की तहरीर दी है। कोतवाल सजंय कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सन्दर्भदाताओं को दिया गया प्रशिक्षण

रायबरेली। डायट सभागार में ब्लॉक स्तर पर चुने गए 49 संदर्भदाताओं का एफएलएन व एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रथम दिवस पर कक्षा तीन में पढ़ाई जाने वाली नवीन पुस्तक वीणा तथा गणित मेला के बारे में सभी सन्दर्भदाताओं को जानकारी दी गयी। इस मौके पर प्रशिक्षक एसआरजी शैलेन्द्र सिंह, सुनील यादव, राजवंत पटेल, नोडल संतोष यादव, डायट प्रवक्ता अभिवेक श्रीवास्तव, डीसी प्रशिक्षण दीपक श्रीवास्तव मौजूद रहे।

आरोपी गिरफ्तार, जेल

लालगंज, रायबरेली। चमनगंज साकेत नगर कस्बा लालगंज निवासी अशोक कुमार आजाद पुत्र गजोधर को पकड़कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। कोतवाल प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि 2009 में अशोक आजाद के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज हुआ था। कोर्ट से कई बार वारंट जारी हो चुका है जिसके कारण अशोक आजाद को पकड़कर जेल भेज दिया गया है।

दुष्कर्म के दो आरोपियो को भेजा जेल

रायबरेली। शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने महिला के दुष्कर्म मामले में वांछित अभियुक्त को पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अभियुक्त मोहम्मद रियाज पुत्र मोहम्मद माजिद निवासी आस्तिक नगर कासिम पुत्र वसीम निवासी आजाद नगर को घटना में प्रयुक्त की गई वैगनआर कार के साथ गिरफ्तार जेल भेज दिया। इस मौके पर उप निरीक्षक अवधेश यादव अनिल कुमार शक्ति ठाकरान मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

रायबरेली, अमृत विचार। डीह पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थानाध्यक्ष जितेंद्र मोहन सरोज ने बताया कि धनापुर मजरे पदुमपुर निवासी सुमित कुमार पर नाबालिग से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था। उसके ऊपर पास्को एक्ट भी लगाया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

मैकेनिक की आंख में पड़ा पेट्रोल, हालत गंभीर

बछरावां, रायबरेली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत थुलेडी गांव निवासी आमीर पुत्र जाबीर (18) अपने गांव के मुख्य चौराहे पर मोटरसाइकिल सर्विस की दुकान खोले हुए है। शुक्रवार दोपहर जब वह एक मोटरसाइकिल की सर्विस कर रहा था, तभी उसकी आंख में पेट्रोल चला गया है, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। आसपास मौजूद लोगों के द्वारा इलाज के लिए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया, जहां मौजूद चिकित्सक के द्वारा उसका प्राथमिक उपचार कर उसकी हालत को ठीक देखते हुए उसे घर भेज दिया गया है।

पूर्व विधायक की सक्रियता से बस्ती हो रही कीचड़मुक्त

खीरों, रायबरेली

गांव डंडनपुर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनते पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह।

विकास कार्य के वादे के बारह घंटे के अंदर सीसीरोड का निर्माण शुरू, ग्रामीणों में खुशी की लहर

अमृत विचार। वर्तमान समय में नेताओं की वादाखिलाफी की राजनीति से आमजन मानस का नेताओं और राजनीति से विश्वास उठता जा रहा है। लेकिन इससे इतर हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह ने वादे के बारह घंटे के अंदर ही ऐंधी ग्राम पंचायत के गांव डंडनपुर और दृगपालगंज की दलित और गरीब बस्ती को कीचड़ मुक्त कराने का काम शुरू कर दिया है। इससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वहीं ग्रामीणों ने इस विकास कार्य के लिए राकेश प्रताप सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

डंडनपुर गांव के पिंकू पासवान, मंगेश कुमार, शिवमोहन पासवान, रमेश जायसवाल, धीरेन्द्र जायसवाल, रामधनी प्रजापति आदि और दृगपालगंज के राजकुमार पासवान, राजेश पासवान, बबलू पासवान आदि ने बताया कि दोनों गांवों में दलित और गरीब बस्ती में आने जाने के लिए कोई रास्ता नहीं था। सभी लोग कीचड़ भरे रास्ते से आवागमन करते थे। इन रास्तों में बारिश के मौसम में आवागमन दूभर था। कई बार ब्लाक मुख्यालय से लेकर कई जनप्रतिनिधियों से इन रास्तों को ठीक कराने के लिए निवेदन किया। लेकिन आज तक किसी जनप्रतिनिधि ने उनकी इस गम्भीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। जानकारी होने पर पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह ने गम्भीरता से लिया और गुरुवार को दोपहर बाद बारिश में ऐन्धी, डंडनपुर, दृगपालगंज पहुंचे। पैदल चलकर निरीक्षण किया और वादा किया कि चौबीस घंटे के अन्दर इन दुर्गम रास्तों में काम शुरू हो जायेगा।

उन्होंने अपने वादे के 12 घंटे के अंदर ही शुक्रवार को सुबह डंडनपुर और दृगपालगंज में सीसीरोड बनने का काम शुरू करा दिया। इससे पहले भी उन्होंने बेहटा सातनपुर बदहाल सड़क का निर्माण शुरू कराया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मैं क्षेत्र का विधायक नहीं हूं। यह विकास कार्य तो वर्तमान विधायक को कराने चाहिए। जिसके लिए जनता ने उन्हें अपना विधायक चुना है। लेकिन मैं जनसेवा के रूप में क्षेत्र की जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए कृत संकल्प हूं।

सोलर लाइट मांगने पर सपा विधायक बोले, काटो फोन दोबारा मत करना

सोशल मीडिया पर सपा विधायक का युवक से अभद्रता करने का वीडियो वायरल

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली

अभद्रता के बाद विधायक के प्रति आक्रोशित ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। बछरावां विधायक को फोन कर गांव के लिए सौर ऊर्जा लाइट मांगना युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि लाइट मांगने पर नाराज विधायक ने युवक से अभद्र भाषा में बात करते हुए कहा रिकार्डिंग करनी है रिकार्ड कर लो, जहां जाना हो जाओ, शिकायत करनी है कर लो, कुछ उखाड़ नहीं पाओगे। फोन काटो, दोबारा फोन मत करना। विधायक के व्यवहार से आहत युवक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल कर विधायक के व्यवहार के प्रति आक्रोश जताया है।

महराजगंज विकास खंड क्षेत्र के जियापुर मजरे मोन गांव निवासी बिंदु यादव पुत्र सतन यादव ने विधानसभा चुनाव में सपा से प्रत्याशी रहे श्याम सुन्दर भारती का सपोर्ट किया और उनके पक्ष में प्रचार प्रसार कर गांव के अन्य लोगों से भी श्याम सुन्दर के पक्ष में मतदान कराया। श्याम सुन्दर भारती चुनाव जीत कर विधायक बन गए। विधायक निधि से गांव-गांव सौर ऊर्जा लाइट व हाईमास्ट लाइटें लगवा रहे हैं, जिस पर जियापुर के ग्रामीणों बिंदु यादव से जियापुर में भी विधायक निधि से लाइट लगवाने की बात कही। शुक्रवार को दोपहर करीब दो बजे बिंदु यादव ने बछरावां के सपा विधायक श्याम सुन्दर भारती को फोन किया और उसके गांव में भी लाइट लगवाने की बात कही, जिस पर विधायक भड़क गए। आरोप है कि विधायक ने बिंदु यादव से अभद्रता से बात करते हुए कहा कि रिकार्डिंग करना हो तो कर लो, जिसको सुनाना हो सुना देना, जहां शिकायत करनी हो कर देना और कहा कि फोन रख दोबारा मत करना। इससे आहत युवक सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल कर विधायक के प्रति भडास निकाली है। युवक ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि विधायक जनता का प्रतिनिधि होता है, कोई भी समस्या होने पर लोग जनप्रतिनिधि से नहीं कहेंगे तो किससे कहेंगे।

विधायक के अभद्र व्यवहार से आहत युवक ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र भेजकर विधायक के अमर्यादित व्यवहार की शिकायत करने की बात कही है। मामले में विधायक श्याम सुन्दर भारती ने कहा कि वह अपनी चोटिल बेटी के इलाज में व्यस्त हैं। युवक धमकी भरे लहजे में बात कर रहा था इसलिए फोन काटने के लिए कहा था।

4 लोगो ने युवक को पीटा, केस दर्ज

खीरों, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के कस्बा खीरों निवासी एक दलित युवक को कस्बे के ही दूसरे समुदाय के चार युवकों ने पुरानी रंजिश और ईर्ष्यावश जाति सूचक गालियां और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद पीड़ित के शिकायती पत्र के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कस्बा खीरों निवासी ऋषभ धोबी पुत्र गुरू प्रसाद ने आरोप लगाया है कि विगत रविवार को शाम लगभग 7:30 बजे कस्बा खीरों निवासी काशिफ पुत्र फैय्याज, सुफियान पुत्र समशाद, हैदर पुत्र गुलाम हैदर और सोनू खान ने पुरानी रंजिश और ईर्ष्यावश जाति सूचक गालियां और जान से मारने की धमकी देते हुए बेल्ट और कैंची से मारपीट घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के शिकायती पत्र के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

परिजनों की मांग पर जिला प्रशासन ने दोबारा कराया पोस्टमार्टम

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जिलाधिकारी के निर्देशन में कब्र में दफन बच्चे का दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनो ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को गलत ठहराते हुए दोबारा पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की थी।

जानकारी के अनुसार विनीत सोनकर पुत्र वीरेंद्र सोनकर निवासी बनियान टोला की राजघाट के पुल के पास सई नदी में डूबने की सूचना परिजनों को मिली थी। बच्चे के डूबने की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की खोजबीन शुरू दी थी। पुलिस की मौजूदगी में बड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने बच्चों के शव को नदी से बरामद किया। शव मिलने के बाद पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से असंतुष्ट परिजनों ने पुनः बच्चे के पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की थी। जिसको संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन ने लगभग 40 दिन बाद शुक्रवार को कोतवाली क्षेत्र के बहराना कब्रिस्तान में दफन किए गए बच्चे के शव को सीओ सिटी व तहसीलदार की मौजूदगी में निकाला गया। जिसके बाद गठित मेडिकल टीम ने बच्चे का पोस्टमार्टम किया। सीओ सिटी अमित कुमार ने बताया कि सात जून को सई नदी के राजघाट पुल के पास बच्चे के डूबने की सूचना मिली थी। पुलिस की मौजूदगी में गोताखोरों ने बच्चे के शव को बरामद किया था। परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करते हुए मामले की जांच पड़ताल की जा रही थी। इसी बीच पोस्टमार्टम रिपोर्ट से असंतुष्ट परिजनों ने पुनः पोस्टमार्टम करने की मांग की थी। परिजनों की मांग को संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन के आदेश पर अनुसार दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया है।

स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर ने मरीजों को दिया परामर्श

महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। स्वास्थ्य विभाग की ओर से राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत भटसरा व पखनपुर में स्वास्थ्य कैंप लगाकर रोगियों की जांच की गई। शुक्रवार को क्षेत्र के भटसरा व पखनपुर दो गांव में कैंप लगाकर क्षय रोगियों की जांच की गई। दोनों गांवों में कंप के दौरान कुल 81 मरीजों की जांच के नमूने लिए गए। सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणनायक पाण्डेय ने बताया कि अभियान को मिशन मोड पर चलाया जा रहा। रोस्टर के अनुसार सभी गांवों में कैंप लगाकर क्षय रोगियों की जांच कराई जा रही है। सुपरवाइजर वरुन देव ने बताया कैंप में पिछले पांच वर्षों से क्षय रोगियों के संपर्क में आने वाले लोगों सहित कैंसर, एल्कोल, धुम्रपान आदि करने वाले लोगों को चिन्हित कर उनकी जांचे की गई है। इस बार सीवाई टीबी जांच भी की जा रही है। इसमें टीबी के लक्षण जल्दी पकड़ में आ जाते हैं। इस मौके पर लैब टेक्नीशियन कृष्ण, उमेश, सुनीत, आशा संगिनी सुमन भारती व गीता, एएनएम साधना आदि मौजूद रहे।

ओडीएफ -स्वच्छत्ता में नगर पंचायत की ऐतिहासिक छलांग

संवाददाता, लालगंज, रायबरेली

अमृत विचार। नगर की सफाई हो या फिर ओडीएफ। नगर पंचायत लालगंज अध्यक्ष की कड़ी मेहनत का परिणाम रहा कि ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर 228 रैंक हासिल किया है। साथ ही प्रदेश स्तर पर 83वीं रैंक मिला है। इस सफलता से नगर वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता।

नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में लालगंज नगर पंचायत ने देशभर में 1837वीं रैंक से बढ़कर 228वीं रैंक और प्रदेश में 83वीं रैंक हासिल किया है। वही स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर को शौचालय युक्त करने के मामले में भी ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा नगर पंचायत लालगंज को हासिल हुआ है। नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता और स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एम्बेसडर दीपेंद्र गुप्ता ने बताया कि 2024 की तुलना में यह प्रगति सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नगरवासियों की जागरूकता, सफाई टीम की मेहनत और समर्पित प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और नगर पंचायत की सम्माननीय जनता के सहयोग से सफाई, सेवा और संकल्प के साथ लालगंज निरंतर आगे बढ़ता रहेगा। अध्यक्ष ने लालगंज नगर पंचायत के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सफाई कर्मचारियों सहित नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक शिव शंकर मिश्रा ,वीरेंद्र यादव, मनोज दीक्षित, ऋतिक मिश्रा, अभिषेक सिंह, आशीष सिंह और नगर के सभी सभासदों के प्रति आभार जताया है। वही स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एंबेसडर दीपेंद्र गुप्ता ने कहा है कि भविष्य में हम सभी के सहयोग से लालगंज को और अधिक स्वच्छ बनाकर सर्वोच्च श्रेणी प्राप्त करेंगे।

सीओ सिटी ने गुम मोबाइल बरामद कर स्वामियों को सौंपे

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सीईआईआर पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर जनपद में गुम हुए 14 मोबाइल पुलिस ने बरामद किए। भदोखर पुलिस की सक्रियता से गुम हुए 14 मोबाइल बरामद करने में पुलिस सफल रही। शुक्रवार को सीओ सिटी अमित कुमार की मौजूदगी में थाना प्रभारी दयानंद तिवारी मोबाइल स्वामियों को मोबाइल सौंपा। गुम हुए मोबाइल को पाकर मोबाइल स्वामी के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। मोबाइल स्वामियो ने पुलिस टीम को धन्यवाद दिया।

बारिश में बिजली कटौती से उपभोक्ता हो रहे परेशान

संवाददाता, परशदेपुर। नगर पंचायत परसदेपुर में जरा सी बारिश में भी बिजली गुल हो जाती है। इससे उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ने लगी है। यह समस्या सबसे अधिक टाउन क्षेत्र में हो रही है। विभागीय कर्मी जब चाहें तभी कटौती कर रहे हैं। बिजली विभाग के मनमाने रवैये से लोगों में रोष व्याप्त होता जा रहा है। नगर पंचायत क्षेत्रों में 22 घंटे आपूर्ति करने का आदेश है। लेकिन इस आदेश का पालन नहीं हो पा रहा है। जरा सी बारिश और हवा चलते ही बिजली गुल हो जाती है। हालत यह है कि बीते दिनों 24 घंटे से बिजली नहीं मिलने से लोगों की दिनचर्या तक प्रभावित होने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या हमेशा का है। यदि जल्द ही विभाग की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

सार-संक्षेप

पौधारोपण से हरियाली का दिया संदेश

पहुरी गांव में पौधारोपण करते पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह।

सरेनी, रायबरेली, अमृत विचार। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह उर्फ रामू सिंह ने पहुरी गांव में पौधारोपण कर हरियाली का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें प्राणवायु देते हैं। इससे पर्यावरण का संतुलन बना रहता है। हमारे जीवन में इसका विशेष महत्व है। इसलिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा हर वर्ष जरूर लगाना चाहिए। इस दौरान अखिल भारतीय दर्जी महासभा के जिला अध्यक्ष चंद्रकांत काकुस्थ, अरविंद बाजपेई, लल्लन बाजपेई, महेंद्र बाजपेई, रोहित काकुश्त आदि ने भी पौधे रोपित किए। साथ ही ग्रामीणों को भी प्रेरित किया। इस मौके पर शिशिर बाजपेई, विशाल चौरसिया, अभिषेक काकुश्त, अभय बाजपेई, सोहन लाल लोधी, बिंदा बन लोधी, बउआ गुप्ता, संगीता चौरसिया आदि मौजूद रहे।

बैठक में विकास कार्यों की तैयार की रूपरेखा

ग्राम पंचायत भोजपुर की बैठक में मौजूद ग्रामीण, प्रधान और अफसर।

सरेनी, रायबरेली, अमृत विचार। क्षेत्र के भोजपुर ग्राम पंचायत की बैठक हुई। इसमें गांव के विकास कार्यों की रूपरेखा तय की गई। ग्राम प्रधान राजकिशोर साहू ने कहा कि वे हमेशा गांव के चतुर्मुखी विकास के बारे में सोचते हैं। उनके कार्यकाल में आवास व पेंशन के लाभार्थियों के चयन में भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने सभी से सहयोग की अपील की। ग्राम विकास अधिकारी दीक्षा ने सभी पात्र लाभार्थियों को चिह्नित करने में ग्राम पंचायत सदस्यों के साथ ग्राम वासियों से भी सहयोग करने को कहा। बैठक में सभी 15 सदस्य मौजूद रहे। सभी ने विकास कार्य में अपनी सहमति दी। इस मौके पर मोती त्रिवेदी, कल्लू पाण्डेय, नीरज दीक्षित, दुर्गेश तिवारी, मनोज त्रिवेदी, रामभजन सिंह, जिम्मी सिंह, पंकज लोधी, गोविंद लोधी, सुजीत, अल्ताफ, जागेश्वर, अंकित चौधरी आदि मौजूद रहे।

नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण करते अपर जिला जज अनुपम शौर्य।

रायबरेली, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ और जनपद न्यायाधीश परिवार न्यायालय अनुपमा गोपाल निगम के दिशा-निर्देशन में नशा उन्मूलन एवं जागरूकता के लिए गठित समिति के द्वारा नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केन्द्र रायबरेली का निरीक्षण किया गया। प्रबंधक बसन्तलाल ने बताया कि वर्तमान में नौ मरीज भर्ती है, जिनका उपचार किया जा रहा है। समिति द्वारा पूछने पर बताया गया कि नशे के अधिक मरीज अमावां व बालापुर की तरफ रहते है। समिति द्वारा सभी नौ मरीजों के मिलकर उनका स्वास्थ्य एवं उनको मिल रही सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। समिति द्वारा प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि आवासित मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की समस्या आने पर वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली को उक्त समस्या से अविलम्ब अवगत कराना सुनिश्चित करेंगें। निरीक्षण के दौरान अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ शरद कुमार उप जिला कुष्ठ अधिकारी, रायबरेली, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह औषधि निरीक्षक रायबरेली उपस्थित रहे।

समारोह में बैंक कर्मियों को किया गया सम्मानित

समारोह में सम्मान प्राप्त करती बैंक कर्मचारी।

रायबरेली, अमृत विचार। जिला सहकारी बैंक के सभागार में बैंक कर्मचारियों का सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। जिसमे शाखाओ एव समिति के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा प्रबन्धकों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ऋण वितरण, वसूली, एनपीए वसूली एवं निक्षेप वृद्धि एवं बैंकिग क्षेत्र के अन्य कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शाखा प्रबंधकों को सम्मानित किया। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष ने ऋण वितरण में वीरेन्द्र कुमार शाखा प्रबन्धक शाखा सरेनी, प्रीतम सिंह शाखा सलोन, तीर्थराम मौर्या शाखा जगतपुर, एनपीए वसूली में प्रीतम सिंह शाखा सलोन, नीरज कुमार भास्कर गदागज एव वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी सूची तथा सहकारी देयों की वसूली में अभिषेक सिंह उमरन, रत्ना सिंह रायबरेली एवं मुशीर अहमद सिद्दीकी डलमऊ एवं निक्षेप संग्रह में नीशा देवी शाखा अमांवा, रत्ना सिंह रायबरेली एवं प्रदीप कुमार शिवगढ़ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

खीरों, रायबरेली। शुक्रवार को सुबह पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान सरेनी क्षेत्र के गांव भोजपुर निवासी एक युवक के पास से एक अवैध तमंचा और 12 बोर के दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करने के बाद आरोपी युवक को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सुबह उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह बुंदेला, उपनिरीक्षक सन्तोष कुशवाहा, मुख्य आरक्षी जावेद असलम, आरक्षी पंकज सोनकर की टीम सेमरी उन्नाव जिले की सीमा पर संदिग्ध व्यक्तियों और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मिथुनखेड़ा सम्पर्क मार्ग पर सेमरी पुलिया के पास से एक युवक को हिरासत में लिया। युवक ने खुद को सरेनी थाना क्षेत्र के गांव भोजपुर निवासी पवन (19) पुत्र स्व. जयकरन बताया। पवन के पास से एक अवैध तमंचा और 12 बोर के दो कारतूस बरामद किए गए हैं। विधिक कार्रवाई करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

खबर का असर अमृत विचार में खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आया सिंचाई विभाग

अफसरों को आई याद, बैंती रजबहा की शुरू की सफाई

संवाददाता, शिवगढ़, रायबरेली

सिंचाई विभाग द्वारा कराई जा रही सफाई।

प्रकाशित खबर।

अमृत विचार। आखिरकार सिंचाई विभाग के अफसरों की नींद टूट गई। क्षेत्र में अमृत विचार की खबर का बड़ा असर हुआ है। खबर प्रकाशित होते ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने जेसीबी मशीन से बैंती रजबहा की सफाई शुरू करा दी है। इससे किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

गौरतलब हो कि इस समय धान की रोपाई का समय चल रहा है, लेकिन सिंचाई विभाग हैदरगढ़ खण्ड 28 के अधिकारियों की लापरवाही से बैंती रजबहा में हेड से टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा था। पानी के अभाव में क्षेत्र के बैंती, पूरे पान कंवर खेड़ा, तरौंजा, दौलत खेड़ा, नेमुलापुर, कुम्भी आदि गांवों के हजारों किसान धान की रोपाई से वंचित हैं। इससे उनकी जीविका पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। किसानों ने एसडीओ के कार्यालय से लेकर अधिशासी अभियंता के कार्यालय तक खूब गणेश परिक्रमा भी की, किंतु सिर्फ झूठे आश्वासन ही मिले। किसानों की समस्या पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। आश्वासन के 20 दिन बाद भी पानी न पहुंचने पर गुरुवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित किसानों ने सिंचाई विभाग मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए सिंचाई विभाग के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। इस खबर को अमृत विचार ने 18 जुलाई के अंक में 'बैंती रजबहा में पानी नही आने से किसानों में आक्रोश' नामक शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया।

खबर प्रकाशित होते ही हरकत में सिंचाई विभाग के अधिकारी आ गए। शुक्रवार से जेसीबी से बैंती रजबहा की सफाई शुरू करा दी, जिससे अब रजबहा में हेड से टेल तक आसानी से पानी पहुंच सकेगा। बैंती रजबहा की सफाई शुरु होने पर कृषक बच्चू लाल पाण्डेय, संदीप पाठक, चंद्रकुमार तिवारी, जयप्रकाश, वेद प्रकाश मिश्रा, रामविलास विश्वकर्मा, हरिचंद शर्मा, नन्द कुमार मिश्रा, संदीप सिंह, जमुना प्रसाद, रोशन शर्मा, बैजनाथ कनौजिया, दुर्गा प्रसाद पाठक आदि ने अमृत विचार टीम के प्रति आभार प्रकट किया है। इस बाबत सिंचाई विभाग हैदरगढ़ खण्ड 28 के अधिशासी अभियंता नवनीत कुमार ने बताया कि जेसीबी से बैंती रजबहा की सफाई कराई जा रही है। जल्द ही हेड से टेल तक पानी पहुंच जाएगा।

पुलिस ने शांति भंग में किया चालान

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। गुरुवार की रात ऊंचाहार कस्बा निवासी एक समुदाय विशेष का युवक एक गांव में महिला के घर पहुंच गया। महिला का पति लखनऊ में रहकर मजदूरी करता था। घर में उसके माता पिता थे। घर में बाहरी व्यक्ति के होने की भनक उसके परिजनों को लगी तो उन्होंने कमरे का दरवाजा खुलवाने की कोशिश की। काफी कोशिश के बाद जब युवक और महिला ने दरवाजा नहीं खोला तो गांव वालों ने उस कमरे को बाहर से बंद कर दिया। रात में पुलिस को सूचना दी। शुक्रवार की सुबह पुलिस गांव पहुंची और दरवाजा खोलकर उन्हें कोतवाली ले आई। बाद में युवक को शांतिभंग में जेल भेज दिया। कोतवाल संजय कुमार का कहना है कि महिला युवक के पक्ष में है। इसलिए युवक के विरुद्ध कोई अन्य कार्रवाई नहीं की गई है। उसे शांति भंग करने में चालान किया गया है।

प्रभारी बीएसए ने 4 बीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी की

रायबरेली, अमृत विचार। शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करना खंड शिक्षा अधिकारियों को भारी पड़ गया। प्रभारी बीएसए ने चार बीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। गौरतलब है कि जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह वर्तमान में बीएसए और डायट प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार है। बीते दिनों डायट में निरीक्षण के दौरान कई प्रवक्ता समेत अन्य स्टाफ गैरहाजिर मिला था। जिस पर सभी को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा था। इनके तेज तर्रार छवि से शिक्षा विभाग में इन दिनों खलबली मची हुई है। मुख्यमंत्री समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में बेसिक शिक्षा विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते असंतुष्ट फीडबैक मिला है। इससे विभाग की जमकर किरकिरी हो रही है। बीईओ की लापरवाही से खफा प्रभारी बीएसए संजीव कुमार सिंह ने नाराजगी जताते हुए चार खंड शिक्षा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें खंड शिक्षा अधिकारी डीह/छतोंह तरुण कुमार, सतांव शीतल श्रीवास्तव, दीनशाह गौरा सत्यप्रकाश सिंह और सलोन सुधा वर्मा शामिल है। प्रभारी बीएसए ने बताया कि जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसी कीमत पर शिथिलता करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अनादरो विलम्बश्च वै मुख्यम निष्ठुर वचनम।
पश्चतपश्च पश्चापि दानस्य दूषणानि च।।

अपमान करके देना, मुंह फेर कर देना, देरी से देना, कठोर वचन बोलकर देना और देने के बाद पछ्चाताप होना। ये सभी 5 क्रियाएं दान को दूषित कर देती है।

संपादकीय

बुजुर्ग आबादी के लिए

दुनिया भर में लोग लंबा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। भारत में जीवन प्रत्याशा एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतक है जो देश में लोगों की औसत जीवन अवधि को दर्शाता है। वर्ष के अंत तक, भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़कर लगभग 72.48 वर्ष होने का अनुमान है, जिसमें महिलाएं 74.13 वर्ष और पुरुष 70.95 वर्ष तक जीवित रहने की उम्मीद है। आर्थिक विकास के कारण जीवन स्तर में सुधार हुआ है, जिससे लोगों को बेहतर पोषण और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। अभी भी स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्टके मुताबिक विश्व भर में, 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या, वर्ष 2050 तक मौजूदा 76 करोड़ 10 लाख से बढ़कर, एक अरब 60 करोड़ तक पहुचने की संभावना है। इसके मद्देनज़र, यूएन विशेषज्ञों ने एक टिकाऊ भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों के केन्द्र में, वृद्धजन कल्याण और उनके अधिकारों को प्राथमिकता दिए जाने का आग्रह किया है। आर्थिक और सामाजिक मामलों के संयुक्त राष्ट्र विभाग की रिपोर्ट, विश्व जनसंख्या संभावना ने अनुमान लगाया है कि भारत में सदी के मध्य तक देश की बुजुर्ग आबादी दोगुनी हो जाएगी। यानी भारत की आबादी में वृद्धों की आबादी तेजी से बढ़ रही है।

आबादी की आयु बढ़ रही है, मगर इनमें बेहतरी का लाभ हर किसी तक समान रूप से नहीं पहुंचा है। देश में कई कानूनी प्रावधान भी किए गए हैं लेकिन समाज में बुजुर्गों के बीच जागरूकता की कमी की वजह से इसके असर का दायरा सीमित रहा। सवाल है कि निकट भविष्य में वृद्ध जनों को जीवन की अच्छी गुणवत्ता प्रदान करने के लिए क्या किया जा सकता है? एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण से उजागर हुआ कि कम से कम 47 प्रतिशत वृद्ध जन आय के लिए अपने परिवारों पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं और 34 प्रतिशत पेंशन एवं सरकारी नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत लोगों ने 'जब तक संभव हो' तब तक कार्य करते रहने की इच्छा प्रकट की। वृद्ध व्यक्तियों के लिए एक सम्मानजनक जीवन की दिशा में पहला कदम यह होगा कि उन्हें निराश्रिता और इससे संबंधित अभावों से बचाया जाए। भारत निकट भविष्य में वृद्ध जनों के लिए जीवन की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करना चाहता है तो इसके लिए योजना निर्माण और उसका क्रियान्वन शीघ्र ही शुरू कर देना चाहिए। जीवन प्रत्याशा में सुधार के लिए अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने से जीवन प्रत्याशा में और वृद्धि की जा सकती है।

यूरिया की कालाबाजारी से किसान परेशान

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

केंद्र सरकार यूरिया की कमी को दूर करने लिए इस साल के अंत तक यूरिया के आयात को बंद करके नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाई-अमोनियम फॉस्फेट जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के बढ़ावे पर विचार कर रही हो? लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए, इस पर तत्काल कोई हल निकालना होगा।

किसान केंद्र सरकार से यूरिया की किल्लत दूर करने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि जिस तरह रसोई गैस के सिलेंडर का सब्सिडी वाला धन उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर होता है। वैसे ही किसान बाजार मूल्य पर यूरिया खरीदे और सब्सिडी की रकम उनके खातां में पहुंचाई जाए। अगर ऐसा होता, तो निश्चित रूप से इस कदम से यूरिया की कालाबाजारी रूकेगी। क्योंकि विगत कुछ वर्षों से यूरिया पर बाजारों में जमकर कालाबजारी बढ़ी है। सरकार अगर ऐसा कदम उठाती है तो कालाबाजारी को रोकने में अप्रत्याशित मदद मिलगी। क्योंकि यदा-कदा निजी यूरिया के प्रतिष्ठानों पर सरकारी छापों और यूरिया की बोरियां जब्त करने की तमाम अनगिनत घटनाएं इसकी हिस्सा रही हैं।

यूरिया खाद की कमी ने पूरे देश में हाहाकार मचाया हुआ है। यूरिया के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं। सेंटरों पर घंटों डेरा डालने व अन्य कोशिशों के बाद भी उन्हें यूरिया नहीं मिल रही। सरकार के अधिकृत मंडियों, सेंटरों व समितियों में यूरिया है ही नहीं? हर जगह किल्लत है। जबकि, सरकार का कहना है कि देश में यूरिया की जितनी जरूरत थी उतनी समितियों में भेज दी है। हुकूमती बयान को किसान किल्लत कहें या कालाबाजारी? दरअसल, मानसून के मध्य वाला ये सीजन धान की फसल का होता है। धान का पौधा बगैर यूरिया खाद डाले फुटाव नहीं करता। धान की नर्सरी को लईया कहते है जिसकी रोपाई के पहले सप्ताह में यूरिया की जरूरत पड़ती है जो इस समय पूरी नहीं हो पा रही।

बेशक, केंद्र सरकर यूरिया की कमी को दूर करने लिए इस साल के अंत तक यूरिया के आयात को बंद करके नैनो लिक्विड यूरिया और नैनो लिक्विड डाई-अमोनियम फॉस्फेट जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के बढ़ावे पर विचार कर रही हो? लेकिन, मौजूदा परिस्थितियों से कैसे निपटा जाए, इस पर तत्काल कोई हल निकालना होगा। क्योंकि यूरिया की किल्लत को लेकर देशभर के किसानों में घोर आक्रोश है। विभिन्न जगहों पर आंदोलन जैसे हालात बने हुई हैं। बीती 17 जुलाई को उत्तर प्रदेश के जिले लखीमपुर में किसानों और पुलिस के बीच यूरिया को लेकर जमकर विद्रोह हुआ। नौबत ऐसी आई कि किसानों पर पुलिस ने लाठियां भी भांजी। घटना के बाद किसान भंयकर गुस्से में है। लखीमपुर ही नहीं, देश के कई हिस्सों में खाद के लिए दुकानों पर किसानों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं।

नई यूरिया नीति-2015 के मुताबिक वर्तमान में लगभग 283.74 एलएमटी की संस्थापित वार्षिक क्षमता वाली 36 गैस आधारित यूरिया विनिर्माण इकाइयां हैं। पर, इसमें भी अब और वृद्धि की आवश्यकता महसूस होने लगी है। किसानों का आरोप है कि यूरिया की किल्लत के पीछे कालाबाजारी है। कहने को बाजारों में यूरिया के स्टॉक की कमी है। पर, ब्लैक में कोई जितनी चाहें, उतनी यूरिया ले सकता है। दरअसल, धान के लिए यूरिया सबसे बड़ी जरूरत होती है। पिछले कुछ दशकों से खेती पूर्ण रूप से यूरिया खाद पर निर्भर हो गई है। यूरिया ऐसी खाद है जो किसी भी किस्म की फसल की उर्वरक उत्पादन क्षमता बढ़ाती है। बेशक सरकारें ऑरगेनिंक फसलों पर जोर देती हों। लेकिन कड़वी सच्चाई ये है जमीनें अब उतनी ताकतवर नहीं रही, जो बिना यूरिया के फसलें उग सकें। खेतों में इस समय धान की फसल लगी है, उसमें यूरिया नहीं ड़लने से फसल मुरझाने लगी हैं।

कुल मिलाकर, यूरिया की कमी का बिचौलिए और दलाल खूब फायदा उठा रहे हैं। यूरिया की पहली खेप जब सेंटरों पर पहुंची, तभी दलालों ने स्टॉक जमा कर लिए। उन्हें पता था, इस बार भी हर साल की भांति यूरिया के लिए मारामारी मचेगी। किसानों को सरकार के अधिकृत सेंटरों से यूरिया नहीं मिलने पर वह मजबूरन दलालों से दूनी कीमतों पर खरीदने को विवश हैं। उनके सामने 'मरता क्या न करता' जैसी नौबत जो है। यूरिया धान में नहीं डलेगी, तो फसल नष्ट हो जाएगी। किसानों की किल्लत को देखते हुए कुछ प्रमुख किसान संगठन केंद्र सरकार से यूरिया की क्षमता बढ़ाने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। भारत में यूरिया की उपलब्धता 280 लाख टन है, जबकि मांग करीब 350 लाख टन यूरिया की है। इस बड़े गैप के चलते ही ऐसी मारामारी हो रही है।

कुछ साल पहले केंद्र सरकार का जोर था कि किसान ऑर्गेनिक खेती पर ध्यान दें? पर, किसान ऐसी सलाहों पर ज्यादा गौर नहीं करते। वह इसलिए कि जमीन में बंजरपन इतना बढ़ गया है कि खादों के इस्तेमाल करने बिना फसलें उग ही नहीं सकती। प्रतीत ऐसा होता है कि हम दूसरी पीढ़ी के लिए खेती लायक जमीन छोड़ेगे ही नहीं? फसली जमीन को जिंदा रखने के लिए ऑर्गेनिक खाद का इस्तेमाल करना ही होगा। नहीं तो जमीन खेती के योग्य नहीं बचेगी। पर, अन्नदाता दूरगामी दुष्परिणामों की परवाह किए बिना यूरिया का इस्तेमाल बेहताशा करता है। ये सच्चाई भी उन्हें पता है कि यूरिया के अत्यधिक उपयोग से खेतों की उपज क्षमता लगातार घट रही है। पर उनके सामने खेती करने का कोई दूसरा विकल्प है भी तो नहीं?

किसान केंद्र सरकार से यूरिया की किल्लत दूर करने और सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि जिस तरह रसोई गैस के सिलेंडर का सब्सिडी वाला धन उपभोक्ता के बैंक अकाउंट में सीधे ट्रांसफर होता है। वैसे ही किसान बाजार मूल्य पर यूरिया खरीदे और सब्सिडी की रकम उनके खातां में पहुंचाई जाए। अगर ऐसा होता, तो निश्चित रूप से इस कदम से यूरिया की कालाबाजारी रूकेगी। क्योंकि विगत कुछ वर्षों से यूरिया पर बाजारों में जमकर कालाबजारी बढ़ी है। सरकार अगर ऐसा कदम उठाती है तो कालाबाजारी को रोकने में अप्रत्याशित मदद मिलगी। क्योंकि यदा-कदा निजी यूरिया के प्रतिष्ठानों पर सरकारी छापों और यूरिया की बोरियां जब्त करने की तमाम अनगिनत घटनाएं इसकी हिस्सा रही हैं।

ताज्जुब इस बात का है कि सहकारी समितियों पर यूरिया मौजूद होते हुए भी दुकानदार किसानों को मुहैया नहीं कराते। लोकल प्रशासन भी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्हें शिकायतें मिलती हैं कि सहकारी मंडियों और समितियों में खाद उपलब्ध नहीं है, लेकिन निजी दुकानों पर ऊंचे दाम पर यूरिया मिल जाती है। नेपाल से सटे उत्तरी बिहार और उत्तर प्रदेश के इलाकों में यूरिया की खुलेआम तस्करी होती है। नेपाल में कई गुना दामों में बिकती है। यूरिया को सुगमता से उपलब्ध करवाने का जिम्मा 'रसायन एंव उर्वरक मंत्रालय' का होता है। 2022-23 में यूरिया का आयात 91.36 लाख टन से घटकर 75.8 लाख टन रह गया। 2020-21 में यूरिया आयात 98.28 लाख टन, 2019-20 में 91.23 लाख टन और 2018-19 में 74.81 लाख टन था। लगातार हुई इस घटौती ने ही विकट समस्या उत्पन्न कर दी है। किसान यूरिया के लिए परेशान हो, इसके लिए बिना देर किए कोई हल निकालने की आवश्यकता है।

प्रसंगवश

आदिम मानस

मनोवैज्ञानिकों और लोकवार्ता शास्त्रियों ने आदिम मानस पर शोध करने के बाद प्रतिपादन किया है कि केवल आदिम मानव में ही नहीं, आधुनिक से आधुनिक मानस में आदिम मानस विद्यमान है और वह अनुकूलता पाकर उत्तेजित किया जा सकता है या हो जाता है। इसका एक उदाहरण 21 सितंबर 1995 को सामने आया, जब एक तांत्रिक स्वामीजी के अनुयायियों ने वैश्विक संचार माध्यमों से यह अफवाह फैलाई कि दोपहर को गणेशजी दूध पियेंगे। आदिम मानस को लेकर आप केवल भारत की ही बात करें तो यह अधूरी बात है, आदिम मानस उन्नत और विकसित देशों में भी है, अमरीका में उसका उदाहरण लिंकन के भूत की कहानी है। रूस में विवाह के बाद नव युगल लेनिन की समाधि पर जा कर मंगल कामना करते थे। अभी भी वहां के राष्ट्रपति पुतिन तीर्थस्नान करते हैं।

मलाया के निवासियों का विश्वास है कि उनके पांवों के निशान की मिट्टी को कोई ले जाता है तो उससे उसका अनिष्ट किया जा सकता है। चीन में एक देवता का चित्र घर से बाहर चिपकाया जाता है। अमेरिका में तेरह का अंक बड़ा अनिष्टकारी माना जाता है। तेरह तारीख को बहुत से लोग शुभ कार्य नहीं करते। कुछ मुस्लिम जातियों में संडास को भूत तथा जिन्नों का निवास स्थान माना जाता है। आस्ट्रेलिया के आदिवासी इस बात का ध्यान रखते हैं कि कोई शत्रु उनकी छाया के छुरा न मार सके।

प्राचीन जर्मनी में भी आत्मा और छाया का संबंध माना जाता था। तिब्बत में घरों पर जब प्रार्थना के झंडे लगाये जाते हैं, तब दुष्ट आत्माओं को दूर करने के लिए एक तिब्बती नीली भेड़ का सिर भी रख दिया जाता है। नाइजीरिया की पाबिर जाति में मगर की पूजा की जाती है। मृतात्मा के लिए नाइजीरिया के लोग सड़क पर भोजन रख देते हैं। रूस में प्रेत के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजे पर कुल्हाड़ी रखी जाती थी। अमेरिका का नीग्रो अपने पास खरगोश का पांव रखता है ताकि चुड़ैल उसके जूते में सांप का चूरा न रख सके। मिस्र में प्राचीन काल में नील नदी पर चलने वाली नावों पर आंख बनाई जाती थी। चीन की नौकाओं पर भी आंख बनाई जाती थी और समझा जाता था कि यह आंख चट्टानों से बचायेगी, नाव देखकर चलेगी। पूर्वी अफरीका के अकम्बा लोग टूटता तारा देख वेदी पर भोजन पहुंचाते थे क्योंकि वे समझते थे कि देवता एन्गाई भोजन मांग रहा है।

ब्रिटेन में तारों को सद्यः मृतों की आत्मा माना जाता था। आयरलैंड का ब्लानी स्टोन ऐसा है, जो उसे चूमते हैं उनकी वाक्शक्ति बढ़ जाती है। स्कॉटलैंड में कुछ पत्थरों पर सामुदायिक रूप से थूका भी जाता है। ऐसी परंपरा से शुभ भविष्य की प्राप्ति मानी जाती है। बल्गेरिया में मान्यता है कि देयुमियस के भोज के अवसर पर आत्माओं का जमघट होता है। रोमन कैथलिक गिरजा घरों में मोमबत्तियां जलाना दुष्टात्मा भगाने में समर्थ माना जाता है। आस्ट्रेलिया का आदिवासी योद्धा अपने बांये कंधे पर कंगारू चूहे की पूंछ बांधता है। कोर्निश लोग यह मानते हैं कि अंधेरे पाख में पैदा हुए लोग अधिक नहीं जीते। मानवशास्त्रियों और पुरातात्त्विकों ने संसार के आदिवासी-जीवन के जो साहसिक अध्ययन किये हैं, उनके विवरण पढ़ कर आश्चर्य होता है कि कितनी महिमामय साधना का काम रहा होगा वह! उन जंगली-जातियों के बीच जा कर उन्होंने जाना कि किस प्रकार आभरणों से सजी सुन्दर स्त्रियां और युद्ध में पकड़े गए युवक पातालदेवता को प्रसन्न करने के लिए बलिकूप में जबरन फेंक दिए जाते थे। उन खूनी कूओं में चढ़ावे चढ़ते रहे और कंकाल जमते रहे। मानवशास्त्रियों और पुरातात्त्विकों ने इनका अध्ययन संसार के सामने प्रकाशित किया। धर्मयुग 16 फरवरी 1964 में की बलिकूप की सचाई प्रकाशित हुई थी। नेता और अभिनेता गंडा बांधते हैं, ताबीज पहनते हैं, उंगलियों में ग्रहों से जुड़े रत्न धारण करते हैं। उद्योगपति तो अपने साथ न जाने कितने ज्योतिषियों से परामर्श लेते हैं। एक केंद्रीय मंत्री ने कुर्सी बचाने के लिए बकरे की बलि दी थी। यह आदिम मानस है। हम विश्वासों के बीच जन्म लेते हैं। विश्वास मनुष्य के मन में उसी प्रकार जन्म लेता है, जिस प्रकार वृक्ष पर फल।

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

डेयरी विवादः आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रश्न

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

इस विवाद का समाधान केवल व्यापारिक आंकड़ों या दबाव के तहत संभव नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि व्यापारिक सिद्धांत सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी स्थान दें। भारत की मांग है कि डेयरी उत्पादों के आयात में पारदर्शिता हो, जिससे उपभोक्ता और पशुपालक दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अमेरिका यदि अपनी निर्यात नीतियों में भारत की न्यूनतम आवश्यकताओं को स्थान देता है, तो एक व्यावहारिक व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की रूपरेखा में डेयरी क्षेत्र से जुड़ा विवाद इस समझौते के सबसे कठिन बिंदुओं में से एक बन गया है। अमेरिका चाहता है कि भारत उसके डेयरी उत्पादों को अपने बाजार में प्रवेश दे, लेकिन भारत-सांस्कृतिक मान्यताओं, धार्मिक भावनाओं और आर्थिक संरचना को ध्यान में रखते हुए इससे हिचक रहा है। विशेष रूप से 'नॉन-वेज दूध', यानी ऐसा दूध जो उन गायों से प्राप्त हो जिन्हें मांस या रक्त आधारित चारा खिलाया जाता है, भारत के लिए एक 'रेड लाइन' बन चुका है। अमेरिका में पशुओं को दिए जाने वाले चारे में मांसाहारी घटकों का उपयोग होता है। भले ही वहां कुछ नियंत्रणात्मक नियम हों, लेकिन भारत जैसे समाज में जहां खाद्य की पवित्रता एक संवेदनशील विषय है, यह मॉडल स्वीकार्य नहीं हो सकता। भारत की लगभग 38 प्रतिशत आबादी शाकाहारी है, और दूध, दही व घी का उपयोग केवल आहार में ही नहीं, बल्कि धार्मिक अनुष्ठानों और संस्कारों में भी होता है। ऐसे में उपभोक्ताओं का यह बुनियादी अधिकार है कि वे यह जान सकें कि उनके घर तक पहुंचने वाला दूध किस प्रक्रिया से गुज़रा है। भारत की मांग है कि अमेरिका डेयरी उत्पादों पर ऐसा प्रमाणपत्र दे जिससे यह पूरी तरह स्पष्ट हो कि उस दूध का स्रोत पूर्णतः शाकाहारी रहा है। यह मांग केवल किसी एक धर्म के लिए नहीं, बल्कि खाद्य पारदर्शिता, उपभोक्ता संरक्षण और सामाजिक संवेदनशीलता के लिए है।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसकी डेयरी अर्थव्यवस्था का आकार 9 लाख करोड़ से अधिक है, जो सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का लगभग 2.5–3 प्रतिशत

हिस्सा है। लगभग 8 करोड़ पशुपालकों की आजीविका सीधे इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की जुलाई 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिकी डेयरी उत्पादों को बाजार में प्रवेश मिलता है, तो दूध की कीमतों में 15 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है, जिससे पशुपालकों को सालाना 1.03 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है। छोटे और सीमांत पशुपालकों पर इसका असर सबसे गंभीर होगा, जिनके लिए अमेरिकी सब्सिडी-समर्थित डेयरी उद्योग से प्रतिस्पर्धा करना बेहद मुश्किल होगा। अमेरिका ने भारत की प्रमाणीकरण संबंधी मांगों को विश्व व्यापार संगठन में "अनावश्यक व्यापार बाधा" कहा है। फिलहाल भारत का रुख स्पष्ट है-यह नीति संरक्षणवाद की नहीं, बल्कि उपभोक्ता अधिकारों, सामाजिक-सांस्कृतिक समरसता और ग्रामीण आजीविका की रक्षा की है।

इस विवाद का समाधान केवल व्यापारिक आंकड़ों या दबाव के तहत संभव नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि व्यापारिक सिद्धांत सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को भी स्थान दें। भारत की मांग है कि डेयरी उत्पादों के आयात में पारदर्शिता हो, जिससे उपभोक्ता और पशुपालक दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। अमेरिका यदि अपनी निर्यात नीतियों में भारत की न्यूनतम आवश्यकताओं को स्थान देता है, तो एक व्यावहारिक व्यवस्था विकसित की जा सकती है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी होगी। अंततः भारत के लिए यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं है। यह उसकी सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक आत्मा और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा का सवाल है। दूध भारत में मात्र एक उपभोक्ता वस्तु नहीं है-यह आस्था, परंपरा और पहचान से भी जुड़ा एक प्रतीक है। इस विषय पर कोई भी निर्णय संवाद, पारस्परिक सम्मान और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के आधार पर ही लिया जाना चाहिए।

सोशल फोरम

विस्फोटक जनसंख्या

यूएन की हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 तक भारत की जनसंख्या चीन से भी अधिक हो सकती है। शायद हो गई है। बेशक़ जनसंख्या पर नियंत्रण होना चाहिए। साल दर साल अगर जनसंख्या बढ़ती रहेगी तो इंसानों के रहने लायक ज़मीन नहीं बचेगी। बाकी जरूरत की चीज़ें जैसे अन्न, बिजली, सड़कें, नौकरियां और व्यापार वग़ैरह भी सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए कम पढ़ने लगेगा जो पूरे मानव समाज में असंतोष, अराजकता और अपराध को बढ़ावा देगा। जनसंख्या नियंत्रित करना न केवल सरकार की जिम्मेदारी है बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक क़ानून भी लेकर आई। पता नहीं कब सुझाव मांगे गए और किसने दिए। लेकिन सरकार यह अच्छे से जानती है कि देश-प्रदेश का आर्थिक रूप सक्षम और पढ़ा-लिखा वर्ग अपने आप से ही कम बच्चे पैदा कर रहा है। तो सवाल उठता है कि जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो कहां से रही है। तो ज्यादा बच्चे ग़रीब लोगों के परिवारों में पैदा हो रहें हैं। हमारे जैसे लोगों के घर घरेलू काम-काज में मदद के लिए नौकर रखे जाते थे। ज्यादातर नौकरों के परिवारों में पांच से ज्यादा बच्चे होते थे। इन बच्चों की न तो ढंग से शिक्षा हो रही थी और न ही चिकित्सा आदि। तो असल में जनसंख्या वृद्धि गरीब जनता की हो रही है। अगर सरकार वास्तविक रूप से जनसंख्या विस्फोट को रोकना चाहती है तो यह जो ग़रीबों को नाम पर मुफ्त वाली योजनाओं को बंद करे। हो सके तो सरकार उस परिवार के पति और पत्नी जिन्होंने किसी विशेष तारीख़ के बाद दो बच्चों से ज्यादा बच्चे पैदा किए है उनके वोट देने और मुफ्त में मिलने वाली सुविधाओं पर रोक लगा दे इसी क़ानून के माध्यम से। यह चुनाव वग़ैरह लड़ने पर रोक लगाना और नौकरी न देना आदि जैसे प्रावधानों से सिर्फ़ सियासत तेज़ होगी और कुछ अच्छे नतीजे नहीं मिलने वाले। दक्षिण भारत में उत्तर भारत की अपेक्षा जनसंख्या नियंत्रण में है लेकिन उससे उन्हें यह नुकसान हो रहा है कि लोक सभा में जनसंख्या के हिसाब से उनका प्रतिनिधित्व कम हो रहा है। जिस समाज में अपनी जिम्मेदारियों के सोच का अभाव है वह धीरे-धीरे विनाश की ओर अग्रसर होता है। इसका उदाहरण पाकिस्तान, हिन्दुस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका में दिखाई दे रहा है।

-फेसबुक वॉल से

अमरजीत सिंह
लखनऊ

आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत करना होगा

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में भी प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2024 में भारत में 400 से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आईं जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक हैं और इस आपदाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोगों के घरों को हुआ है।

इस सदी के पहले दो दशकों के दौरान तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन की वजह से दुनिया भर में बाढ़, तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल असर से आज भारत के साथ-साथ समूचा विश्व ही दो-चार हो रहा है। इसकी वजह से उपजी आपदाओं के कारण न सिर्फ जान-माल की व्यापक क्षति हो रही है, अपितु बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित होने के लिए भी विवश होना पड़ रहा है।

भारत में भी प्राकृतिक आपदाओं का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2024 में भारत में 400 से ज्यादा प्राकृतिक आपदाएं आईं जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक हैं और इस आपदाओं का सबसे बड़ा नुकसान लोगों के घरों को हुआ है। साथ ही ये आपदाएं लोगों को अस्थायी और स्थायी रूप से विस्थापित कर रही है।

जेनेवा स्थित इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर यानी आईडीएमसी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण भारत में 1.18 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। ये आंकड़ा पिछले सालों की तुलना में 30 फीसदी अधिक है। साल 2022 में लगभग 32,000 और 2021 में 22,000 लोग बेघर हुए थे। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या भी चिंताजनक है। साल 2019 से 2023 के बीच भारत में कुल 281 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गईं थी, लेकिन केवल 2024 में ही 400 से अधिक घटनाएं सामने आईं हैं। वहीं, पिछले छह सालों में बाढ़ के कारण 55 फीसदी लोग आंतरिक रूप विस्थापन हुए, जबकि आंधी-तूफान के कारण 44 फीसदी लोग विस्थापित हुए। इसके अलावा भूस्खलन, भूकंप और सूखे जैसी अन्य जलवायु-संबंधी आपदाओं ने भी हजारों लोगों को बेघर कर दिया। इसके इतर साल 2024 चिंताजनक था तो साल 2025 में हालात और भी बदतर हैं। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, 2025 के छह महीनों में ही पूरे भारत में 1.6 लाख से ज्यादा लोग प्राकृतिक आपदाओं के कारण बेघर हुए हैं। ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां 20 मई को मालदा के मथनाशिपुर में में मिट्टी के कटाव के कारण लगभग 80,000 लोग विस्थापित हुए। जबकि राज्य में सिर्फ एक बड़ी बाढ़ की घटना दर्ज की गई थी। वहीं, असम दूसरा सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, जहां छह बाढ़ की घटनाओं में 42,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। इसी तरह त्रिपुरा में भी हालत गंभीर रहे, जहां 10 बाढ़ की घटनाओं में 21,000 से ज्यादा लोगों बेघर हो गए। पिछले कुछ वर्षों में, भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण में एक आदर्श बदलाव लाया है। नया दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि विकास तब तक टिकाऊ नहीं हो सकता जब तक कि विकास प्रक्रिया में आपदा न्यूनीकरण को शामिल नहीं किया जाता। दृष्टिकोण का एक अन्य आधार यह है कि न्यूनीकरण को विकास के सभी क्षेत्रों में बहु-विषयक होना चाहिए। नई नीति इस विश्वास से भी उत्पन्न होती है कि राहत और पुनर्वास पर व्यय की तुलना में न्यूनीकरण में निवेश अधिक लागत प्रभावी है।

सरकार ने राष्ट्रीय आपदा ढांचे को एक रोडमैप में तब्दील किया है, जिसमें केंद्र सरकार ने सम्पूर्ण आपदा प्रबंधन चक्र में तैयारी, प्रतिक्रिया, क्षमता निर्माण, पुनर्प्राप्ति एवं पुनर्निर्माण तथा नवीन पद्धतियों, प्रौद्योगिकी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रयोग द्वारा न्यूनीकरण जैसे सभी मुद्दों के समाधान के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। पिछले दशक के दौरान, भारत ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 16 बटालियनें और 28 क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केन्द्र विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए अच्छी तरह सुसज्जित और प्रशिक्षित हैं। लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए एनडीएमए और एनडीआरएफ द्वारा नियमित रूप से मॉक अभ्यास और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, आपदा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए पहचान (रिकग्निशन) और सुधार (रिफॉर्म) बहुत जरूरी है। 'पहचान' का मतलब ये समझना है कि आपदा की आशंका कहां है और वह भविष्य में कैसे घटित हो सकती है तथा सुधार का मतलब है कि ऐसा तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें आपदा की आशंका कम हो जाए। इसके लिए हमें दो स्तर पर काम करना होगा। पहला, आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों को स्थानीय भागीदारी पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए और दूसरा, हमें आपदाओं से जुड़ें खतरों से लोगों को जागरूक करना होगा। भारत में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पिछले दो वर्षों से रिलायंस फाउंडेशन के साथ मिलकर, आपदाओं से बचाव के लिए आरम्भिक चेतावनी व समय-पूर्व तैयारियों पर काम कर रहा है, ताकि आपदा जोखिम प्रबंधन को मजबूती दी जा सके।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

एक नजर

चार लोगों पर मारपीट करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। एक व्यक्ति को चार लोगों ने एकराय होकर मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव मुर्तजाकुल्लीपुर निवासी सुखदेव पुत्र श्रीराम ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह रामपुर बाजार स्थित अजीत की दुकान पर बैठा था। इसी दौरान गांव निवासी ज्ञानेंद्र, रावेन्द्र, रामनरेश, व झरियनपुरवा निवासी रामरहीश के उकसाने पर सभी लोग गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। थानाध्यक्ष बालेन्द्र मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु की गई है।

रोजगार मेले में 15 अभ्यर्थियों का चयन

हरदोई, अमृत विचार। जिला सेवायोजन अधिकारी रामवीर सिंह ने बताया है कि शुक्रवार को जिला सेवायोजन कार्यालय में आयोजित रोजगार मेले में दो कम्पनियों ने भाग लिया। रोजगार मेले मे 45 अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार में प्रतिभाग किया, जिसमें साक्षात्कार के बाद 15 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर लगेंगे आधार कैंप

हरदोई, अमृत विचार। बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि 21 से 25 जुलाई तक समस्त ब्लाक संसाधन केंद्रों पर कैंप लगाकर आधार बनाए जाएंगे। यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चलेंगे।

फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने वाले साइबर गैंग का किया भंडाफोड़

लखनऊ निवासी मास्टरमाइंड सहित तीन शातिरों को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। हरदोई पुलिस ने सीआरएस (सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम) को हैक कर फर्जी ई-मेल आईडी और पासवर्ड बनाकर फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करने वाले साइबर गैंग के मास्टर माइंड सहित बिहार व कुशीनगर के उसके दो साथियों दबोच लिया। उनके पास से टैबलेट, मोबाइल, फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र और सीआरएस पोर्टल की यूज़र आईडी व पासवर्ड की फोटो कापी बरामद हुई है।

पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि गैंग के दूसरे साथियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। एसपी ने शुक्रवार को मीडिया के सामने साइबर गैंग का खुलासा करते हुए बताया कि टड़ियावां ब्लाक में तैनात सचिव राजीव श्रीवास्तव ने 4 जुलाई को टड़ियावां पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि उसकी सीआरएस पोर्टल हैक कर फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी हो रहें है। सचिव की तहरीर आते ही टड़ियावां और बेनीगंज पुलिस को अलर्ट करते हुए जल्द खुलासे के निर्देश दिए गए थे। मामले की गहराई से छानबीन करने में जुटी टड़ियावां और बेनीगंज पुलिस टीम ने लखनऊ के 342/145 नौबस्ता थाना सहादतगंज निवासी अभिषेक गुप्ता के साथ कुशीनगर जिले के धुरिया इमलिया थाना सेवरही निवासी धर्मेंद्र मद्धेशिया और बिहार के डीबी रोड वार्ड नंबर-14 थाना व जिला सहरसा निवासी रूपेश को गिरफ्तार किया। उनके पास से लैपटाप, 4 मोबाइल, 4 फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र और सीआरएस पोर्टल की यूजर आईडी व पासवर्ड की फोटो कापी बरामद हुई है। एसपी ने बताया कि अभिषेक गैंग का मास्टर माइंड है, उसका गैंग लखनऊ, कुशीनगर और बिहार में जनसेवा केंद्र खोल कर इस तरह का फर्जीवाड़ा करता है। अभिषेक के खिलाफ लखनऊ साइबर थाने में पहले से केस दर्ज है। पूछताछ कर गैंग के दूसरे साथियों का पता लगाया जा रहा है, जल्द ही उन्हे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस की गिरफ्त में फर्जी प्रमाणपत्र बनाने वाले शातिर साइबर जालसाज।

ऐसे करते थे फर्जीवाड़ा

एसपी ने बताया कि साइबर गैंग सीआरएस पोर्टल को हैक कर फर्जी ई-मेल आईडी व पासवर्ड बना कर सीआरएस पोर्टल को लागिंग कर मनचाहा और मनमाना जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करता था।

साइबर गैंग लखनऊ, कुशीनगर और बिहार में भी कर रहा था फर्ज़ीवाड़ा

10 हजार में खरीदी थी फर्जी ई-मेल आईडी

पुलिस की पकड़ में आए धर्मेंद्र मद्धेशिया ने बताया कि वह कुशीनगर में जनसेवा केंद्र चलाता है,उसने अभिषेक से 10 हज़ार में हैक किए गए सीआरएस पोर्टल की फर्ज़ी ई-मेल आईडी व पासवर्ड खरीदा था,उससे ही वह दो सौ से ढ़ाई सौ रुपये वसूल कर फर्ज़ी जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी करता था।

डिजिटल इंडिया का पहला हिस्सा है सीआरएस पोर्टल

सीआरएस पोर्टल (सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम) नागरिक पंजीकरण प्रणाली जिसे भारत सरकार ने डिज़िटल इंडिया का पहला हिस्सा माना है,से घर बैठे बड़ी आसानी से प्रमाण-पत्र हासिल किया जा सकता है।

जिले का नाम परिवर्तित कर प्रहलाद नगरी किए जाने पर बनी सहमति

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिला पंचायत की बैठक शुक्रवार को पंचायत सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिले का नाम प्रहलाद नगरी किए जाने का अनुमोदन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास खण्ड टडियावां के ग्राम बेहटाचांद स्थित बेलाताली तालाब का सौदर्गीकरण कराये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर बेलाताली तालाब में नया टिकटघर, तालाब का सौंदर्यीकरण, टहलने के लिये पाथवे, तालाब में पैड़लबोट, ओपेन सभागार, ओपेन जिम, कैन्टीन, खुली दुकाने/स्टाल, लाईटिंग, स्वच्छता के दृष्टिकोण से डस्टबीन, बच्चों के झूले एवं पार्किंग की व्यवस्थाएं कराये जाने का निर्णय लिया गया। तालाब का सौंदर्यीकरण जिला पंचायत द्वारा 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से कराया जायेगा। पार्क में आने वाले पर्यटको के वाहनों को सुव्यवस्थित रूप से खड़ा करने के लिये पार्किंग की व्यवस्था भी करायी जायेगी। इस प्रस्ताव के स्वीकृत होने से एक ओर जहां नगर के समीप एक सुन्दर पर्यटक स्थल बनकर तैयार होगा, वहीं जिला पंचायत को आय भी होगी। अध्यक्ष ने जिला पंचायत राज अधिकारी को बेलाताली तालाब को जिला पंचायत के पक्ष में हस्तान्तरण की कार्यवाही तत्काल करने के आदेश दिये गये। जनपद हरदोई के नाम को परिवर्तित कर प्रहलाद नगरी किये जाने के सम्बन्ध में भी चर्चा के बाद बैठक में अनुमोदन किया गया।

जिला पंचायत की बैठक को संबोधित करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती।

फीता काटकर नवनिर्मित प्रतीक्षालय का लोकार्पण करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष।

नवनिर्मित प्रतीक्षालय का किया गया लोकार्पण

हरदोई, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट परिसर में नवनिर्मित प्रतीक्षालय का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती व जिलाधिकारी अनुनय झा ने किया। कहा कि नए प्रतीक्षालय के बन जाने से कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न कार्यों के लिए आने वाले लोगों को सहूलियत मिलेगी। लोगों को बैठने के लिए एक छायादार स्थान मिल सकेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतीक्षालय के बनने से आमजन के लिए बैठने का एक नया स्थान मिल गया है।

सड़क की मरम्मत को लेकर छात्र-छात्राओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, पिहानी, हरदोई

अमृत विचार। विकास खंड के अंतर्गत गौरिया से अब्दुल्ला नगर रोड काफी जर्जर हो चुकी है। जिस पर स्कूली बच्चों एवं राहगीरों का आवागमन होता है। बरसात के मौसम में स सड़क से गुजरना काफी जोखिम भरा हो जाता है। शुक्रवार को संजय गांधी इंटर कॉलेज अब्दुल्लानगर के सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने कॉलेज से छुट्टी होने बाद सड़क पर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि गौरिया से अब्दुल्लानगर रोड की दूरी लगभग तीन किमी. है। रोड पूरी तरह खस्ताहाल हो चुका है। आए दिन बाइक वाले बरसात में फिसल के गिरते रहते हैं, जगह-जगह रोड पर गड्ढे हैं। बरसात के समय गड्ढो और रोड पर पानी भर जाता है। जिससे बच्चों को गड्ढे दिखाई नहीं देते और गहरे पानी भरे गड्ढो में साइकिल से गिरकर चोटिल हो जाते हैं। इसी समस्या को लेकर संजय गांधी इंटर कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अगम प्रकाश त्रिवेदी की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राओं ने रोड पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन कर सरकार और उच्च अधिकारियों से मांग की। इस जर्जर रोड को जल्द से जल्द बनवाया जाए, जिससे स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को इस अत्यंत ख़राब और गड्ढा युक्त रोड से निजात मिल सके। विरोध प्रदर्शन में गुड्डू सोनी, प्रिंस अवस्थी, मयंक, अंश, काव्यांश, अनन्या, मान्या आदि सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहीं।

जर्जर गौरिया से अब्दुल्ला मार्ग। अमृत विचार

जर्जर सड़क बनवाने की मांग करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

दिलीप मिश्रा।

नीरज अवस्थी।

प्रिंस अवस्थी।

अगम प्रकाश त्रिवेदी।

स्थानीय लोगों ने कहा

दिलीप मिश्रा प्रबन्धक संजय गांधी इंटर कॉलेज अब्दुल्ला नगर पिहानी का कहना है इस रोड का निर्माण लगभग 15 वर्ष पहले हुआ था। 5 वर्ष पहले इस रोड पर पैच वर्क कराया गया था।काफी समय से रोड की स्थिति काफी दयनीय है। सैकड़ों स्कूली बच्चों और गांवों के लोगों का इस रोड से निकलना मुश्किल होता। संबंधित अधिकारियों को इस जर्जर मार्ग को जनहित में तत्काल सही कराना चाहिए। **नीरज अवस्थी** (मीडिया प्रभारी भाजपा) गौरिया पिहानी ने कहा कि अब्दुल्लानगर से गौरिया रोड बहुत ही जर्जर स्थिति में है। बरसात में स्थित और खराब हो जाती है। जिस पर सैकड़ों स्कूली बच्चों और आम नागरिकों का निकलना होता है। बच्चे गड्ढो में गिरकर चोटहिल हो जाते हैं। इस जर्जर रोड को सरकार को तुरंत बनबानी चाहिए। **प्रिंस अवस्थी** (छात्र) निवासी गौरिया पिहानी ने कहा कि हम सभी बच्चों को इस जर्जर रोड से प्रतिदिन स्कूल जाना होता है। बरसात में गड्ढो में पानी भर जाता है। जिससे कोई न कोई रोज बच्चा पानी भरे गड्ढों में गिरकर चोटहिल हो जाता है। ड्रेस, बैग, कांपी किताबें भीग कर खराब हो जाती है। इसलिए हमारी सरकार और पीडब्ल्यूडी विभाग से मांग है कि इस रोड को सही कराया जाय। **अगम प्रकाश त्रिवेदी** कार्यवाहक प्रधानाचार्य अब्दुल्ला नगर पिहानी ने कहा कि इस मार्ग से निकलने बाले स्कूली बच्चों को आने जाने में काफी दिक्कत होती है। जिससे उनकी पढ़ाई में में काफी असर पड़ता है। सरकार को इस खस्ताहाल रोड को बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर तुरंत सही कराना चाहिए।

विद्युत उपभोक्ताओं ने दर्ज कराई शिकायतें

हरदोई, अमृत विचार। कोयल बाग विद्युत उपकेंद्र के उपखंड कार्यालय पर लगे मेगा कैंप में 275 विद्युत उपभोक्ता अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे जिसमें से 50 प्रतिशत शिकायतों का मौके पर ही अधिकारियों ने निस्तारण कर दिया जबकि 50 प्रतिशत शिकायत का अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र जांच कर निस्तारण के निर्देश जारी किए हैं। मेगा कैंप में सबसे ज्यादा बिल सुधार से संबंधित शिकायतें अधिकारियों को प्राप्त हुई जबकि स्मार्ट मीटर अपलोड न होने की 6 से 7 शिकायतें अधिकारियों को मिली हैं। भार वृद्धि की भी शिकायतें अधिकारियों ने सुनकर उनका निस्तारण किया है। उपभोक्ताओं ने बताया कि मेगा कैम्प में एक साथ सभी अधिकारियों की उपस्थिति से काफ़ी लाभ मिलता है और मौके पर ही समस्या का निस्तारण हो जाता है। इस मौके पर एक्सईएन सूर्या कुमार, अधीक्षण अभियंता राजेश कुमार, एसडीओ कुलदीप शिवहरे समेत विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

शिविर में शिकायतें दर्ज कराते विद्युत उपभोक्ता।

बिजली बिल समाधान शिविर में उमड़े ग्रामीण

संवाददाता, कछौना, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे के विद्युत उपकेंद्र परिसर में मेगा विद्युत बिल समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में विद्युत बिल सुधार, लोड बढ़ाने, मीटर बदलने और नए कनेक्शन से जुड़ी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया। सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याएं रजिस्टर में दर्ज की गईं।अधिशाषी अभियंता के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में उपखंड अधिकारी पुनीत दुबे मौजूद रहे। इसके अलावा अवर अभियंता राजकुमार, गोविंद, राम कृपाल और सुनील वर्मा भी शिविर में उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान किया।

दबंगों ने लाठी डंडे से पीटकर तीन को किया घायल

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पुरवा पिपरिया में शुक्रवार की शाम को दबंगों ने एक ही परिवार के तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया।पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। पीड़ित दिनेश शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा के अनुसार शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे उसकी मां रामदेवी और बहन मंशा अपने दरवाजे पर बैठे थे।तभी गांव निवासी सोनी पुत्री रामपाल अपने पिता,भाई सूरज और मां के साथ उसके दरवाजे पर लाठी डंडे लेकर आ गए और पुरानी रंजिश में उसकी मां बहन की गाली गलौज करने लगे तभी वह भी मौके पर आ गया और गाली देने से मना किया।तो विपक्षियों ने लाठी डंडों से उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया। उसकी मां और बहन भी घायल हो गए। पीड़ित से तहरीर लेकर कोतवाली पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सीएचसी भेज दिया है।

युवकों की पिटाई का वीडियो वायरल, तीन गिरफ्तार

हरदोई, अमृत विचार। चोर बता कर दो युवकों की बेरहमी से पिटाई किए जाने का वीडियो वायरल होते ही पुलिस एक्शन में आ गई। उसने दी गई तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए तीन को गिरफ्तार कर लिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में चोर बता कर पकड़े गए दो युवकों को कुछ युवक बुरी तरह से पीटते हुए दिखाई दिए।

पकड़े गए आरोपी।

वीडियो वायरल होते ही एक्शन में आई पुलिस ने छानबीन की,जिसमें सामने आया कि बुधवार की शाम शहर के धन्नूपुरवा में कुछ युवकों ने मोहल्ला आज़ाद नगर निवासी मोहित और सचिन को चोर बता कर पकड़ा और उनकी पिटाई की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए धन्नू पुरवा के मोनू, उसके भाई विवेक कुमार और मन्ना पुरवा के सुभाष को गिरफ्तार कर लिया, जबकि चौथे हमलावर की तलाश की जा रही है।

तीन ब्लाकों में स्क्रीनिंग कम होने पर डीएम हुए नाराज

हरदोई, अमृत विचार। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि स्क्रीनिंग को बेहतर ढंग किया जाये। बेहदर, हरियावां, पिहानी में स्कीनिंग में कम सैम व मैम बच्चों को चिन्हित करने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कहा कि संडीला में एनआरसी की शुरुआत जल्द करायी जाये। एनआरसी में सैम व मैम बच्चों को भर्ती कराया जाये। बच्चों को सुपोषित की श्रेणी में लाने के लिए गंभीरता से प्रयास किये जाएं। विद्यालयों में अच्छी तरह से स्क्रीनिंग की जाये। प्रत्येक टीम को सर्जिकल चिकित्सकीय हस्तक्षेप के लिए कम से कम एक बच्चे को चिन्हित करने करने का लक्ष्य दिया जाये। चिन्हित विद्यालयों में आयुष मेडिकल किट वितरित की जाये। आरबीएसके टीम इस सम्बन्ध में अभिभावकों के साथ उन्मुखीकरण संवाद करे। जिस विद्यालय में विजिट की जाये वहाँ के बच्चों को एल्बेंडाजोल दी जाये। बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाये। दृष्टिदोष वाले बच्चों को चश्मा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाये। दिव्यांग व मानसिक मंदित बच्चों का यूडीआईडी बनवाया जाये।

मन में गुरु के प्रति श्रद्धा बहुत जरूरी : कमल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। भारतीय शिक्षण मंडल अवध प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष प्रोफेसर कमल जायसवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही गुरु परंपरा का विशेष महत्व रहा है। समर्थ गुरु समर्थ राष्ट्र की भावना से शिक्षण मंडल कार्य करता हैं। मन में गुरु के प्रति श्रद्धा परम आवश्यक है यह श्रद्धा विद्यार्थियों के मन में स्थापित करना आज की परिस्थितियों में प्रासंगिक है, जिसके लिए महर्षि वेदव्यास जो भारतीय संस्कृति की गुरु परंपरा के प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल गुरु परंपरा के पुनर्जीवन के लिए महर्षि वेदव्यास जी के जन्म दिवस आषाढ़ मास की पूर्णिमा को व्यास पूजा के रूप में प्रतिवर्ष संपूर्ण भारतवर्ष में कार्यक्रम आयोजित करता है। इस वर्ष भी शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने करने के लिए भारतीय शिक्षण मंडल तथा सार्वजनिक शिक्षा ने संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में व्यास पूजा उत्सव में जनपद के प्रमुख शिक्षाविद शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई में किया गया। मुख्य अतिथि सीएसएन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि गुरु का जीवन में बहुत अधिक महत्व है। गुरु वह व्यक्ति है जो अज्ञानता को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलता है और सही मार्ग दिखाता है। गुरु ज्ञान मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत होता है। इस अवसर पर आरआर.इण्टर कॉलेज के शिक्षक देवेश सिंह, सनातन धर्म इण्टर कालेज के शिक्षक रोहित कुमार सिंह, सीएसएस महाविद्यालय के शिक्षक डॉ अखिलेश चंद्र पांडे, ग्रामोदय महाविद्यालय के अभय शंकर मिश्रा आदि 35 शिक्षकों को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित शिक्षाविद्। अमृत विचार

कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने किया कॉलेज में पौधरोपण

पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक : अविनाश

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। महायोगी गुरु गोरख नाथ इंटर कालेज में पौधरोपण के साथ ही प्रबंधक अविनाश मिश्र ने सभी से पेड़ लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। एक पेड़ मां के नाम, प्रधानमंत्री के आह्वान पर शुक्रवार को गुरु गोरखनाथ गर्ल्स कॉलेज में आम, नीम, बेल पत्र, कांजी, जामुन, अशोक, अमरूद, शमी इत्यादि के 50 पौधे रोपित किए गए और उनकी सुरक्षा के ट्री गार्ड भी लगाए गए। पौधरोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि पेड़ हमारा जीवन धन है। उन्होंने विल्व पत्र लगाकर शुरुआत की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक अविनाश मिश्र, अनुराधा मिश्र ने भी अपनी मां के नाम से एक-एक पौधा रोपित किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मोहिनी मिश्र सहित सौरभ अग्निहोत्री, मदन मोहन सिंह, पंकज त्रिपाठी, अंकुर मिश्र, अवनीश कुमार, अनामिका दीक्षित, प्रशंसा विष्ट, निरुपमा शुक्ला, देवकी राजपूत, आर्या सिंह, रश्मि मिश्र, मंडवी सिंह, कल्पना मौजूद रहीं। एक पौधा सदगुरु अवधूत बाबा शिवानंद जी के नाम से भी लगाया गया।

कॉलेज में पौधरोपण करते भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन।

रोपित कराए पौधे

टोंडरपुर, हरदोई, अमृत विचार। सरकार के वृहद पौधरोपण अभियान के तहेत बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के उमरौली से सुंदरपुर के बीच सड़क के किनारे खाली पड़ी जंगल ढाक की भूमि पर वन विभाग की ओर से वृहद स्तर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए हैं। रेंजर आलोक शर्मा ने बताया कि पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ पौधों का होना बहुत जरूरी है। पौधों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधीनस्थ कर्मियों को तैनात किया जायेगा। इस मौके पर निष्काम मिश्र, अवनीश कुमार, वन दरोगा मनोज कुमार, अरुण कुमार व वन रक्षक सुमित मिश्र की उपस्थिति में पौधे लगाए गए।

परीक्षा की तैयारियां समय से पूर्ण की जाएं

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रा.) परीक्षा की तैयारी बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की सभी तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाएं। सभी उप जिलाधिकारियों को परीक्षा में उच्च स्तर की निगरानी के लिए लगाया जाये। सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक समय से अपनी ड्यूटी पर पहुंचें। प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी की सक्रियता सुनिश्चित की जाये। केन्द्र पर साफ-सफाई व पेयजल की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। केन्द्र पर मेडिकल टीम की तैनाती की जाये। सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक आदि की ट्रेनिंग करवा ली जाये। केन्द्र पर कलॉक रूम की व्यवस्था की जाये। प्रत्येक स्टॉफ का एक पहचान पत्र जारी जाये। कक्षों में दीवार घड़ी लगवाई जाये। परीक्षार्थियों के बायोमेट्रिक की व्यवस्था ससमय प्रारम्भ कर दी जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक करते डीएम अनुनय झा।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

चाकू से वार कर पत्नी की ली जान

बच्चों के साथ मायके में थी, बचाने में मां हुई घायल, पुलिस आरोपी से कर रही पूछताछ

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

घटना के बाद घर के बाहर मौजूद पुलिस व ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। मायके से पत्नी को विदा कराने पहुंचे पति का पत्नी से विवाद हो गया। इस पर नशे में रहे पति ने पत्नी के गले में चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। इस दौरान बेटी को बचाने पहुंची मां भी दामाद के हमले में घायल हो गई। पुलिस आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जनसार गांव निवासी सुनीता (35) की शादी कोतवाली क्षेत्र के तोमरन खेड़ा गांव निवासी राजेन्द्र से 14 साल पहले हुई थी। उसके तीन बच्चे भी हैं। राजेंद्र शराब का लती है और नशे में आएदिन पत्नी से मारपीट करता था। करीब 20 दिन पहले उसने पत्नी से मारपीट की थी। इस पर उसका पिता शिवलाल बेटी व उसके बच्चों को मायके जनसार ले आया था। शुक्रवार दोपहर बाद राजेंद्र नशे में ससुराल पहुंचा और पत्नी से ससुराल चलने को कहा। पत्नी ने शराब छोड़ने पर चलने की बात कही तो दोनों में विवाद हो गया। शिवपाल ने बेटी-दामाद को समझाकर शांत कराया और खेत चला गया। शाम 5 बजे अचानक पति-पत्नी में फिर कहासुनी शुरू हो गई। इस पर राजेंद्र ने पास में रखी चाकू उठाकर सुनीता पर वार कर दिया। यह देख मां शिववती बेटी को बचाने पहुंची तो दामाद ने उस पर भी हमला कर दिया। शोर सुन पड़ोसी दौड़े तो राजेंद्र ने भागने का प्रयास किया लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। सुनीता को लहूलुहान हालत में सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर एएसपी दक्षिणी प्रेमचन्द्र व सीओ ने निरीक्षण किया। मां की मौत से बेटी पायल, रितिका व बेटा दिवाकर का हाल बेहाल हैं। सीओ हसनगंज संतोष सिंह ने बताया कि दंपति के विवाद में पति ने पत्नी की चाकू से हत्या की है।

कैंप में शिकायत सुनते एसडीओ। अमृत विचार

बिजली मेगा कैंप में पहुंचीं 9 शिकायतें, 5 का निस्तारण

शुक्लागंज, उन्नाव। उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विद्युत विभाग द्वारा 17 से 19 जुलाई तक वाणिज्यिक मेगा कैंप का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को अभियान के दूसरे दिन सरैयां स्थित गंगाघाट टाउन सबस्टेशन परिसर में कैंप लगाया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद की देखरेख में उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनी गईं। कैंप में जेई अक्षय तिवारी, टीजी-2 और लेखा विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे। उपभोक्ता मुख्य रूप से मीटर व बिजली बिल से जुड़ी शिकायतें लेकर पहुंचे। कुल नौ शिकायतें कैंप में दर्ज की गईं, जिनमें से पांच बिल संबंधी शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष मीटर संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसडीओ ने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे कैंप में पहुँचकर बिजली से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराएं और विभाग की इस पहल का लाभ उठाएं। विभाग का उद्देश्य उपभोक्ताओं को त्वरित सेवा और समाधान उपलब्ध कराना है।

सार-संक्षेप

किशोर पर बालिका से दुष्कर्म करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव। मां के साथ ननिहाल आई सात वर्षीय बालिका से किशोर ने दुष्कर्म किया। बच्ची की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी लाए। जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं मां की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। असोहा थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी महिला अपने दो बेटों व सात वर्षीय बेटी संग दो महीने पहले पुरवा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव स्थित मायके आई थी। 15 जुलाई को बेटी गांव के बाहर बाग में गई थी। तभी गांव के किशोर ने उससे दुष्कर्म किया। घर लौटने पर उसने परिजनों को आपबीती बताई। बताया कि किशोर ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी है। एसएचओ अमरनाथ यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी किशोर पर दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है।

कारखानों के मानचित्र अनुमोदन को शिविर आज

उन्नाव, अमृत विचार। सहायक श्रमायुक्त निलेश दीक्षित ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को कारखाना या दुकान एवं वाणिज्य प्रतिष्ठानों को पंजीकृत कराने के लिये यूपीसीडा के अफसरों के साथ कैंप आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 19 जुलाई को प्रकाश टेंट हाउस बढ़ा हनुमान मंदिर के पास हाकिम टोला उन्नाव में विशेष कैंप आयोजित होना है। इसमें अपने प्रतिष्ठान का पंजीयन करा सकते हैं। कारखाने के प्रबंधक अपने प्रपत्र लेकर शिविर पहुंचेंगे तो उनके सामने ऑनलाइन आवेदन करने व लाइसेंस प्राप्त करने की सुविधा दी जा रही है। इसमें कारखाने का मानचित्र (साइट मैप व डिटेल्ड प्लान फार्म-1, प्रश्नावली), प्रोसेज फ्लो चार्ट व स्थायित्व का प्रमाणपत्र, कारखाना भवन के कब्जा संबंधी प्रपत्र, अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनापत्ति प्रमाणपत्र व सहमति पत्र व औद्योगिक क्षेत्रों से कारखाने के बाहर स्थापित होने की दशा में नगर निकाय का अनापत्ति प्रमाणपत्र लाना होगा। पंजीयन कराने के लिये अभिलेखों में सेवायोजक का आधारकार्ड, पैन कार्ड, ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर व फर्म का विवरण जीएसटी आदि विवरण भी लाना होगा।

जाजमऊ पुल पर तीन घंटे लगा जाम

शुक्लागंज, उन्नाव। शुक्रवार सुबह जाजमऊ के नए पुल पर एक ट्रक के डंपर में पीछे से टकरा जाने से करीब तीन घंटे तक भीषण जाम की स्थिति बन गई। ट्रक कानपुर से लखनऊ की ओर जा रहा था, तभी अचानक आगे चल रहे डंपर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त होकर पुल के बीचोंबीच खड़े हो गए, जिससे यातायात ठप हो गया। घटना सुबह करीब आठ बजे की है। ट्रक और डंपर पुल के बीच अटक गए, जिससे कानपुर की ओर से रामादेवी तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। राहगीर, यात्री और वाहन चालक घंटों जाम में फंसे रहे। जाम को देख रोडवेज बस और अन्य छोटे वाहन सवार नवीन पुल से निकले। जाम की सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

21 को मनेगा पूर्व मंत्री का जन्मदिन

शुक्लागंज उन्नाव। समाजवादी पार्टी 21 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद स्व. मनोहर लाल का 89वां जन्म दिवस जनमानस के बीच धूमधाम से मनाएगी। इस अवसर पर पार्टी द्वारा विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी पूर्व विधायक रामकुमार और सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने एक पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि स्व. मनोहर लाल समाजवादी आंदोलन के मजबूत स्तंभ रहे हैं और उनकी स्मृति में यह आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार सुबह आवास विकास स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी। इसके बाद जिला अस्पताल में मरीजों के बीच दूध और फल वितरित किए जाएंगे।

आंधी-पानी से चरमराई बिजली आपूर्ति, 11 घंटे बत्ती गुल

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गुरुवार रात आई तेज आंधी और बारिश ने नगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। पेड़ों की डालियों के गिरने और तकनीकी फाल्ट के चलते कई क्षेत्रों में पूरी रात बिजली आपूर्ति ठप रही। लोग अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर हो गए। फीडर एक की रात करीब 9:30 बजे लाइन ट्रिप कर गए। इसके कारण फीडर एक की बिजली आपूर्ति रातभर बंद रही। शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। बिजली विभाग की टीम रातभर पेट्रोलिंग करती रही और फाल्ट खोजने में जुटी रही। फीडर नंबर एक में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे। यहां आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ों की डालियां एचटी लाइन पर गिर गईं, जिससे 11 घंटे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप रही।

इसी तरह फीडर 2, 3, 4, शक्ति नगर और मिश्रा कॉलोनी समेत सभी फीडरों में टुकड़ों में आपूर्ति दी जाती रही, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में लोगों को लंबे समय तक बिजली संकट का सामना करना पड़ा। बिजली विभाग ने बताया कि मरम्मत कार्य के बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

विवाहिता का ससुराल में फंदे से लटकता मिला शव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के कांथा गांव में नौ माह पूर्व शादी कर ससुराल आई विवाहिता का शव फंदे से लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। मायके पक्ष ने बेटी की हत्या कर शव लटकाने का मौखिक आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस व फील्ड यूनिट ने जांच के बाद नायब तहसीलदार के सामने पंचनामा की कार्रवाई कर शव मोर्चरी भेजा है। बता दें कि असोहा थानाक्षेत्र के कांथा गांव निवासी साधना (22) की शादी नौ महीने पहले संदीप लोधी से हुई थी। ससुर छोटे के मुताबिक संदीप वाहन चालक है। वह शुक्रवार सुबह घर से चला गया था। वहीं वह और उसकी पत्नी रूपरानी खेत चले गए। घर पर साधना अकेली थी। करीब 10 बजे वह घर लौटा तो बहू का शव साड़ी के फंदे से लटक रहा था। चंदीपुर निवासी पिता संतोष, मां बिटोला अन्य रिश्तेदारों संग ससुराल पहुंची।

कटान रोकने की वैकल्पिक व्यवस्था करेगा विभाग

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

कटान स्थल का निरीक्षण करती सिंचाई विभाग की टीम साथ में पूर्व विधायक।

अमृत विचार। पुराने यातायात पुल से लेकर जाजमऊ हाईवे तक लगभग पांच किलोमीटर लंबे प्रस्तावित मार्जिनल बांध की योजना वर्ष 2017 में शासन द्वारा स्वीकृत की गई थी। लेकिन निर्माण खंड इकाई की एक अंतरिम रिपोर्ट के बाद यह महत्वाकांक्षी परियोजना ठंडे बस्ते में चली गई। इस मामले में पूर्व विधायक रामकुमार द्वारा उठाए गए छह बिंदुओं की याचिका को आर्य नगर कानपुर के विधायक अमिताभ बाजपेयी ने 19 फरवरी 2025 को विधानसभा में पटल पर रखा था। अब जब अगस्त में विधानसभा का सत्र पुनः शुरू होने वाला है, तो जवाबदेही से बचने के लिए सिंचाई विभाग हरकत में आया है। शुक्रवार को शारदा खंड सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता ओपी वर्मा, एक्सईएन गगन कुमार, सहायक अभियंता अनुराग मिश्रा, जेई सहित पूर्व विधायक रामकुमार के साथ रविदास नगर पहुंचे और स्थलीय निरीक्षण किया। याचिका में उल्लेख किया गया था कि वर्ष 2016 में गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, पटना द्वारा इस परियोजना को स्वीकृति मिली थी। इसके तहत मार्च 2017 में केंद्रीय जल आयोग ने भी इसे स्वीकृत किया था। परियोजना पर कार्य प्रारंभ नहीं हुआ और निर्माण की समयसीमा समाप्त हो गई। अक्टूबर 2024 में परियोजना की लागत 13460.10 लाख रुपये आंकी गई थी, जिस पर एडीएम (न्यायिक) द्वारा पुनः स्वीकृति प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए थे। दिसंबर 2024 में स्थलीय निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार करने की बात कही गई थी।

20 जून से सुर्जीपुर गांव में नहीं आई बिजली

संवाददाता, टोंडरपुर, हरदोई

विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते सुर्जीपुर के उपभोक्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र में बावन पावर हाउस के अंतर्गत आने वाले गांव सुर्जीपुर गांव में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बदहाल है। जिसके चलते ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। इलेक्ट्रिक उपकरण टीवी, फ्रिज, कूलर, समर मोटर मोबाइल सब बंद हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पावर हाउस बावन के कर्मचारियों की मनमानी के चलते अघोषित बिजली हो रही है। हमारे यहां कम पावर वाले ट्रांसफार्मर लगाए जाते हैं, जिससे लोड न उठा पाने के कारण फुंकने का शिलशिला चलता आ रहा है। तीन-चार ट्रांसफार्मर बदले जा चुके हैं। उमस भरी गर्मियों के चलते व अन्य समस्याओं को लेकर ग्रामीण अत्यधिक परेशान है। ग्रामीणों ने यहां बड़ा ट्रांसफार्मर रखे जाने की मांग की है।

ग्राम प्रधान अभय सिंह।

ग्राम प्रधान अभय सिंह का कहना है कि उनका गांव पांच हजार आबादी है। जहां 20 जून से अब तक बिजली नहीं आई है। अभी तक गांव में बिजली का संकट छाया हुआ है। गांव में अंधेरा रहने से कोई भी अप्रिय घटना होने का भय बना हुआ है। कई उच्च अधिकारियों को फोन से अवगत करा चुका हूं, लेकिन कोई भी अधिकारी इस समस्या को देखने व सुनने को तैयार नहीं है।

क्षेत्र के अन्य गांवों में चार दिन से नहीं बिजली

क्षेत्र के गांव दलेल नगर, चिमना, भदेऊना, रूपापुर, हुमाऊपुर, धियरई में भी पिछले चार दिनों से बिजली नहीं मिली। बारिश के समय लोगों को मच्छरो के कारण नींद नहीं आ रही है। विद्युत विभाग कर्मचारी महेंद्र सिंह जेई ने बताया कि चार दिन पहले यहां ट्रांसफार्मर रखवाया गया था, लेकिन इस गांव से बिजली बिल एक या दो ही जमा होते है। ट्रांसफार्मर की इस समस्या को जल्द सही कराया जाएगा। इस उपकेंद्र पर एक ही अवर अभियंता पिछले चार सालों से तैनात हैं। इस कारण वह कार्यों में और भी रुचि नहीं ले रहे हैं। यही कारण है कि जनता की समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है।

दहेज हत्या में पांच पर केस दर्ज, पति गिरफ्तार

संवाददाता, पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कछियन पुरवा में संदिग्ध हाल में विवाहिता की मौत मामले में पुलिस ने पति समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। कोतवाल विद्यासागर पाल ने बताया कि युवती का शव संदिग्ध हाल में फंदे से लटका मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि हुई थी। उसके पिता कमलेश पुत्र राधेश्याम निवासी कटिघरा की तहरीर पर दहेज हत्या समेत अन्य धाराओं में केस पंजीकृत किया गया है। आरोपी पति कौशल पुत्र झब्बू लाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि मृतका का पति कौशल, देवर कपिल व निर्मल, निर्मल की पत्नी, सास अक्सर दहेज की मांग किया करते थे। दहेज की मांग पूरी न होने के कारण बेटी की हत्या कर दी।

पत्नी के उत्पीड़न से पति ने दी जान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। पड़ोस की युवती से लव मैरिज करने वाला युवक डिप्रेशन का ऐसा शिकार हुआ कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताते हैं कि शादी के बाद से दोनों के बीच रिश्ते खराब हो गए। पत्नी मकान अपने नाम कराने का दबाव बनाते हुए सास के साथ गलत बर्ताव करने लगी। उसने कई बार हाथ भी उठाया, उसके बाद मायके में रहने लगी।

कोतवाली शहर के मोहल्ला सराय थोक पश्चिमी निवासी सुमित (25) पुत्र प्रभु शंकर ने शुक्रवार की दोपहर अपने मकान में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। उसका छोटा भाई छोटू बीमार पिता की दवाई लेने गया था। वह वापस लौटा और छत पर गया, जहां अपने भाई का लटकता हुआ शव देखा तो शोर मचाया। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए जांच शुरु कर दी है। सुमित की मां मधु ने बताया कि उसने पड़ोस की युवती से लव मैरिज की और पत्नी के साथ परिवार के बीच रह रहा था। बकौल मधु कुछ दिनों तक सही रहा, उसके बाद बहू का रवैया काफी बिगड़ गया। वह अपने नाम करने का दबाव बनाते हुए झगड़ा करने लगी। करीब तीन महीने पहले मायके गई और पति से मकान को नाम करने के बाद ही ससुराल आने की बात कहती थी, उसके ऐसे रवैए के चलते सुमित डिप्रेशन का शिकार हो गया और उसने आत्महत्या की। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

पत्नी से नाराज युवक ने की आत्महत्या

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। राजस्थान में प्राइवेट नौकरी कर रहा युवक कुछ ही दिन पहले घर आया था। गुरुवार की दोपहर उसकी पत्नी से नोंकझोंक हो गई। उसी से खफा होकर उसने कमरे में फांसी लगा ली। पुलिस ने दरवाज़ा तोड़कर शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम कराया। कोतवाली देहात के रत्तापुरवा निवासी प्रमोद (40) पुत्र मूलचंद राजस्थान में प्राइवेट नौकरी करता था। कुछ दिन पहले वह गांव आया हुआ था। गुरुवार को प्रमोद और उसकी पत्नी के बीच किसी बात पर नोंकझोंक हो गई। घर वालों ने दोनों को समझा कर शांत कराया। शाम को प्रमोद बाहर से घर आया और अपने कमरे में जाकर गमछे से फांसी लगा ली। प्रमोद के परिवार में पत्नी के अलावा वह तीन भाइयों में बड़ा था, उसकी दोनों बहनों की शादी हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली बस की टक्कर से खाई में गिरा ऑटो, 15 सवारियां घायल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। निजी स्कूल की बस ने सीएनजी आटो में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह खाईं में जा गिरा, सवारियां उसी में फंस गईं। चीख-पुकार सुन कर तमाम लोग दौड़ पड़े, जिन्होने एक-एक 15 सवारियों को ज़ख्मी हालत में बाहर निकाला, 108 पर काल किए जाने पर कई एम्बुलेंस पहुंच गई, जिनकी मदद से सवारियों को मेडिकल कालेज पहुंचाया गया।

शुक्रवार की दोपहर सीएनजी आटो जगदीशपुर से सवारियां ले कर शहर की तरफ आ रहा था, रास्ते. में बावन रोड पर तत्यौरा गांव के पास एक निजी स्कूल की बस ने उसमें पीछे से टक्कर मार दी, जिससे आटो खाईं में जा गिरा, सारी सवारियां उसी में बुरी तरह फंस गईं। शोर सुनकर कर लोग दौड़ पड़े। जिन्होने आटो में फंसी बावन की मनी त्रिवेदी पुत्री राज किशोर, बिस्कुला लोनार के बेंचेलाल, उदयपुर लोनार की राजकुमारी, उसके दो पुत्र रामेंद्र व महेंद्र गैसापुर मजरा सैतियापुर निवासी खड़ग पाल, उसकी पत्नी राजरानी, नातिन अंशिका और पोती श्वेती समेत 15 सवारियों को ज़ख्मी हालत में आटो से बाहर निकाला, उसके बाद वहां पहुंची एम्बुलेंस-108 की मदद से उन्हे मेडिकल कालेज पहुंचाया गया। हादसे की जांच कर रही पुलिस स्कूली बस का पता लगा रही है।

मेधावियों के साथ प्रतिक्षा सिंह जादौन। अमृत विचार

एसपी की पत्नी ने पुलिस लाइन में लगाए पौधे

हरदोई, अमृत विचार। वामा सारथी के अध्यक्ष प्रतिक्षा सिंह जादौन ने पुलिस लाइन में पौधरोपण किया तथा पुलिस कर्मियों के मेधावियों को पुरस्कृत भी किया। वामा सारथी के अध्यक्ष ने पुलिस लाइन में वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहाकि बढ़ रहे प्रदूषण से सुरक्षित रखने के लिए वृक्ष आवश्यक है। उन्होंने सभी को पेड़ लगाने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने पुलिस कर्मियों के मेधावी बच्चों को पुरस्कृत भी किया।

मोपेड और बाइक की टक्कर में किसान की मौत

हरदोई, अमृत विचार। बटाई पर खेती कर रहे किसान खाद खरीद कर आटो पर रखवा कर बाइक से गांव जा रहे थे। उसी बीच रास्ते में सामने से आ रही मोपेड से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार दोनों किसान घायल हो गए। मेडिकल कालेज में एक किसान की मौत हो गई।

मझिला थाने के झबरीपुरवा निवासी प्रभु दयाल (45) और सहादतनगर निवासी दिनेश खेती किसानी करते थे। शुक्रवार को दोनों बेहटा गोकुल से खाद खरीद कर लौट रहे थे, बेहटा गोकुल थाने के यासीनपुर के पास सामने से आ रही मोपेट बाइक से टकरा गई, जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गए। दोनों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां प्रभु दयाल की मौत हो गई, जबकि दिनेश का इलाज चल रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण स्वच्छ सर्वेक्षण में पिहानी नगर पालिका जिले में अव्वल, प्रदेश में पांचवां स्थान

स्वच्छता में जिले में पहले पायदान पर रही पिहानी

संवाददाता, हरदोई,

अमृत विचार। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के नतीजों में जिले की पिहानी नगर पालिका ने पहला और प्रदेश में पांचवा स्थान हासिल कर ज़िले का सम्मान बढ़ाया है।

पिहानी के पहले पायदान पर आने पर ईओ अमित कुमार सिंह ने स्वच्छता विभाग, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। ईओ श्री सिंह ने बताया कि सर्वेक्षण 2023 कुल स्कोर-3704, स्टेट रैंकिंग-210, नेशनल रैंकिंग-1442 व सर्वेक्षण 2024कुल स्कोर- 8520, स्टेट रैंकिंग-75, नेशनल रैंकिंग-204 प्राप्त हुआ है। स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, नागरिक सहभागिता, नवाचार और सतत विकास के विभिन्न मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस बार नगर पालिका ने यह मुकाम हासिल किया। ईओ श्री सिंह ने सभासदों, नगरवासियों, निकाय के कर्मचारियों, सफाईकर्मियों और सभी विभागीय अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सबकी मेहनत, समर्पण और जागरूकता का नतीजा है।

शाहाबाद नगर पालिका को प्रदेश में मिला टॉप 10 का खिताब

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। शासन द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण का परिणाम जारी किया गया, जिसमें शाहाबाद नगरपालिका ने प्रदेश की टॉप टेन सूची में शामिल रहने का गौरव प्राप्त किया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के परिणाम में नगर पालिका परिषद शाहाबाद को अपनी जनसंख्या श्रेणी (50 हजार से 3 लाख) में राष्ट्रीय स्तर पर 109वां, प्रदेश में दसवां स्थान व मण्डल में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इससे पहले सन् 2019 में भी शाहाबाद नगर पालिका स्वच्छता सर्वेक्षण में टॉप टेन में चयनित हुई थी, जिसके लिए दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया था। सूची में स्थान पाने पर नगर पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने कहा कि नगरवासियों के सहयोग से ही स्वच्छता सर्वेक्षण में पालिका ने अच्छा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इसके लिए नगर के समस्त सम्मानित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के लिये निर्धारित कुल 12,500 अकों में गार्वेज फ्री सिटी स्टार रेटिंग में प्रथम स्टार व ओडीएफ प्लस प्वाइंट में सफलता प्राप्त करते हुये नगर पालिका परिषद शाहाबाद को 9004 अंक प्राप्त हुये है। इस उपलब्धि के लिए ईओ ने पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो और समस्त सभासदों का आभार जताया और कहा कि यह उपलब्धि समस्त पालिका कर्मचारियों, स्वच्छता सेनानियों एवं आम जनमानस के सहयोग से प्राप्त हुई है। सभी ने अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ किया है जिसके कारण नगर पालिका परिषद शाहाबाद को यह सम्मान प्राप्त हुआ है। नगर पालिका के सभी सभासदों ने भी इस उपलब्धि के लिए हर्ष व्यक्त किया है।

इनवर्टर सही करते समय करंट लगने से युवक की हुई मौत

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। बिजली के सामान की दुकान चलाने वाले युवक की करंट लगने से मौत हो गई। बताते हैं कि युवक बिजली जाने के बाद घर में इनवर्टर सही कर रहा था। उसी बीच अचानक बिजली आ जाने से हादसा हुआ। करंट की चपेट में आए युवक को इलाज के लिए 100 बेड हास्पिटल पहुंचाया गया, जहां मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

बताया गया है कि कोतवाली देहात के घोसार निवासी 30 वर्षीय अतुल सिंह पुत्र अभिमान सिंह अपने तीन भाइयों में छोटा था, उसकी बख्तावर पुरवा में बिजली की दुकान थी। शुक्रवार की सुबह अतुल घर में था, वहां बरामदे में लगे इंवर्टर में कुछ खराबी आ गई। बिजली गुल होने पर वह इंवर्टर सही करने लगा, तभी अचानक बिजली आने से वह करंट की चपेट में आ गया, इसका पता होते ही उसके घर में चीख-पुकार होने लगी, आनन-फ़ानन में इलाज के लिए 100 बेड हास्पिटल पहुंचाया गया, जहां कुछ देर इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। अतुल के पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी, उसका बड़ा भाई सोनू सिंह दिल्ली में कहीं प्राइवेट नौकरी करता है। अतुल के परिवार में पत्नी व दो बेटियां है। शव का पोस्टमार्टम करा कर पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवार की मौत

हरदोई, अमृत विचार। ससुराल से लौट रहा बाइक सवार युवक तेज़ रफ्तार की चपेट में आ गया। उसे सीएचसी पिहानी से मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां मौत हो गई। बाइक के नंबर से देर रात युवक की शिनाख्त हो सकी। गुरुवार की देर शाम पिहानी-शाहाबाद रोड पर सिमौर और अखरीपुरवा के बीच हुए 21 वर्षीय युवक बुरी तरह से घायल पड़ा मिला। पुलिस ने उसे सीएचसी पिहानी पहुंचाया, जहां से उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के बाइक नंबर ट्रेस करने पर युवक की शिनाख्त लवकुश पुत्र खुशीराम निवासी ढ़किया तिगावां थाना मझिला के रूप में हुए।

नवजात शिशु की मौत, सदमे से मां ने तोड़ा दम

बांगरमऊ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को हुआ था सामान्य प्रसव, परिजन बदहवास

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। बांगरमऊ स्थित सीएचसी में सामान्य प्रसव से जन्मे नवजात शिशु की दूसरे दिन अचानक मौत हो गई। डॉक्टर द्वारा जांच के बाद शिशु को मृत घोषित करने का सदमा प्रसूता बर्दाश्त नहीं कर सकी और वहीं अचेत होकर गिर गई। इसके कुछ ही देर में उसकी भी मौत हो गई। शिशु और प्रसूता की मौत होते ही जहां अस्पताल कर्मियों में हड़कंप मच गया वहीं परिजनों में चीखपुकार मच गई। हालांकि बाद में परिजन शव लेकर घर लौट गए।

बता दें कि बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गौरिया कला गांव के मजरा फतेहपुर निवासी रविलाल अपनी गर्भवती पत्नी ज्योति देवी (32) गुरुवार को दोपहर करीब 1 बजे प्रसव पीड़ा उठने पर सीएचसी लाया था। करीब 30 मिनट बाद ज्योति ने सामान्य प्रसव से शिशु को जन्म दिया। डॉक्टर ने जांच में दोनों को स्वस्थ बताया।

प्रसूता व उसके नवजात शिशु की मौत के बाद गमगीन लोग। अमृत विचार

बताते हैं कि शुक्रवार भोर पहर किसी परिजन ने नवजात शिशु को ठंडा दूध पिला दिया जो शिशु की श्वांस नली में फंस गया। शिशु की हालत बिगड़ने पर डॉक्टर पियूष ने जांच की लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। वहीं नवजात बेटे का शव देख प्रसूता को ऐसा सदमा लगा कि वह वहीं फर्श पर गिरकर अचेत हो गई। यह देख मौजूद स्टाफ व डॉक्टर दौड़े और उसकी जांच की। लेकिन तब तक ज्योती भी दम तोड़ चुकी थी। यह सुनकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। वहीं सीएचसी कर्मियों में भी अफरा-तफरी मची रही। वहीं पूरे मामले को लेकर लोगों में चर्चा रही कि यदि रात्रि ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ नर्स सजग रहती तो शिशु और मां की मौत नहीं होती। चर्चा रही कि रात में स्टाफ नर्स प्रसूता और शिशु को वार्ड में छोड़कर कमरे में सोने चली जाती है। कोई समस्या होने पर तीमारदार के कई बार बुलाने पर भी नहीं आती है। ज्योति के एक तीन वर्ष की बेटी भी है। हालांकि स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राहत रही कि परिजन बिना किसी कार्रवाई के मां-बेटे के शव लेकर घर लौट गए।

11 बीघा सरकारी जमीन से हटा कब्जा

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगा घाट क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में शुक्रवार को राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 बीघा सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटवाया। ग्राम प्रधान की शिकायत पर तहसील प्रशासन हरकत में आया और जेसीबी लगाकर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। मामला गाटा संख्या 347 से जुड़ा है, जो बंजर श्रेणी की सरकारी जमीन (जीएस) के रूप में दर्ज है। इस पर गांव के लगभग एक दर्जन लोगों ने बीते छह से सात महीने से झोपड़ियां डालकर अवैध कब्जा कर रखा था। इसकी शिकायत ग्राम प्रधान अखिलेश निषाद ने तहसील दिवस पर जिलाधिकारी गौरांग राठी से की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, लेखपाल आकांक्षा मिश्रा, मनोज यादव, उदयभान और गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। निरीक्षण में शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद टीम ने जेसीबी मशीन मंगाकर अतिक्रमण हटवा दिया।

जीएस की जमीन पर हुए कब्जे को हटाती जेसीबी। अमृत विचार

टीम ने अवैध कब्जेदारों को सख्त चेतावनी दी कि दोबारा कब्जा करने की कोशिश की गई तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से ग्रामीणों में चर्चा रही। नायब तहसीलदार ने बताया कि मौके से 12 से 15 झोपड़ियां हटवाई गई हैं।

ट्यूबवेल के इंजन की चपेट में आने से महिला की मौत

दर्दनाक

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार। खेत में काम कर रही एक महिला की ट्यूबवेल के इंजन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अजगैन कस्बा निवासी 52 वर्षीय सावित्री अपने पति ओमकार के साथ खेत में पानी भरवाने गई थी। सुबह 10 बजे ट्यूबवेल के इंजन ने अचानक पानी छोड़ दिया तो ओमकार ने सावित्री को इंजन बंद करने भेजा। इंजन बंद करते समय उसकी साड़ी का पल्लू इंजन के पहिये में फंस गया। इससे सावित्री इंजन में फंसकर गंभीर घायल हो गईं। पति ने तुरंत दौड़कर इंजन बंद किया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सावित्री अपने मायके में रहकर बटाई पर खेती करती थी। उसके बड़े बेटे कल्लू की एक साल पहले गंभीर बीमारी से मौत हो गई थी। उनका छोटा बेटा सतीश गुजरात में नौकरी करता है और मां की मौत की खबर मिलने पर वह घर के लिए निकल चुका है। अजगैन प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

महमदाबाद में छत से गिरकर महिला की गयी जान

गंजमुरादाबाद, उन्नाव। बिना रेलिंग की छत के किनारे खड़ी महिला संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गई। जब तक उसे अस्पताल लाया जाता उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों के कोहराम मचा है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव महमदाबाद निवासी डालचंद की पत्नी रामपती (50) गुरुवार देरशाम किसी काम से छत पर गई थी। लगातार बारिश से छत गीली थी और उसके किनारे रेलिंग भी नहीं थी। रामपती छत कि किनारे खड़ी थी तभी तेज हवा के साथ शुरू हुई बारिश में अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने से वह छत से नीचे फर्श पर गिरकर गंभीर घायल हो गई। आवाज सुन दौड़े परिजन उसे अस्पताल लाने के लिए निकले लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। यह देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई और वह शव लेकर घर लौट आए। शुक्रवार को परिजनों ने कानूनी कार्रवाई से इनकार कर अंतिम संस्कार कर दिया।

शिक्षक को बस ने कुचला, मौत

रफ्तार की मार

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा परिषद के कंपोजिट विद्यालय के शिक्षक की बाइक स्कूल से लौटते समय अचानक सामने आए मवेशी से टकरा गई। इससे वह उछलकर कर सड़क पर गिर गए। तभी पीछे से आई डग्गामार बस उसे कुचलते हुए काफी दूर तक घसीट ले गई। पीआरवी उसे जिला अस्पताल लाई। लेकिन तब तक उनकी मौत हो गई थी। खबर मिलते ही पहुंचे परिजन शव देख बेहाल हो गए।

विपिन गौतम।

शहर के मोहल्ला पीतांबर नगर निवासी विपिन गौतम पुत्र स्व. राम दुलारे दिसंबर-2009 में बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक पद पर नियुक्त हुए थे।

वर्तमान में वह फतेहपुर चौरासी ब्लाक के राजेपुर कंपोजिट विद्यालय के यूपीएस में सहायक शिक्षक थे। शुक्रवार को वह विद्यालय से छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। तभी उन्नाव-हरदोई मार्ग पर माखी थानाक्षेत्र के रऊ करना चौराहा के पास अचानक उनकी बाइक के सामने मवेशी आ गया। जिससे टकराकर वह उछलकर सड़क पर गिर गये। तभी पीछे से आई डग्गामार बस उन्हें रौंदते हुए काफी दूर तक घसीट ले गई। लोगों के शोर मचाने पर चालक बस छोड़कर भाग गया। वहां मौजूद पुलिस कर्मी उनकी सांसे चलती देख पीआरवी से जिला अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पति का शव देख पत्नी नीलम बदहवाश हो गई। परिजनों व साथी शिक्षकों ने उन्हें ढांढस बंधाकर शांत कराने का प्रयास किया। विपिन दो भाइयों में बड़े थे। छोटा भाई सोनू अमेठी में पुलिस में दरोगा है। वर्तमान में उसकी अयोध्या में ड्यूटी लगी है। विपिन के दो बेटो में संकल्प व धैर्य हैं। जिनके सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया। अस्पताल के मेमो पर शव मोर्चरी में रखवाया गया हैं। एसओ संदीप मिश्रा ने बताया कि शव मोर्चरी में रखवाया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सार-संक्षेप

विद्यालय प्रांगण में किया गया पौधरोपण

उन्नाव, अमृत विचार। विकासखंड हिलौली के प्रावि बहवा में एक वृक्ष मां के नाम अभियान के तहत वृहद स्तर पर विद्यालय प्रांगण में फल, छायादार, औषधीय व फूलों के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान अजय प्रताप सिंह ने वृक्षों के गुणों और लाभों से बच्चों को परिचित कराया। बच्चों ने भी पौधे रोपित किए। पौधरोपण कार्य में दीपक सिंह, रणजीत सिंह, कहकसा, सीमा सहित रसोइयों ने पौधरोपण किया।

पौधरोपण करते शिक्षक और छात्र।

मानपुर गांव में जहरीला कीड़ा काटने से बालिका की मौत

उन्नाव, अमृत विचार। बिहार थाना क्षेत्र के मानपुर गांव निवासी हरिनाम उर्फ धुनई की पत्नी सुशीला गुरुवार रात सात साल की बेटी ज्ञानवी संग कमरे में लेटी थी। तभी बच्ची को जहरीले कीड़े ने काट लिया। शुक्रवार भोरपहर बच्ची ने मां से दाहिने हाथ में कीड़े के काटने की बात बताई। थोड़ी देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए। जहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल भेजा। लेकिन परिजन झाड़-फूंक कराने लगे तभी उसकी मौत हो गई। बच्ची तीन भाईयों में अकेली थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार। दही थानाक्षेत्र के लखनऊ-कानपुर हाईवे पर दही तिराहा के पास गुरुवार देररात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक गंभीर घायल हो गया। पुलिस उसे जिला अस्पताल लाई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसकी पहचान के प्रयास किए लेकिन सफलता न मिलने पर शव मोर्चरी में रखवाया है। युवक की उम्र करीब 40 वर्ष है और वह काली पेंट व बनियान पहने था। दही एसओ संजीव कुशवाहा ने बताया कि युवक अक्सर वहां घूमता रहता था।

गाली देने से मना किया तो लोहे की रॉड से पीटा

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मवई लाल गांव निवासी रामजीवन पुत्र बांके ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका बेटा अखिलेश घर के बाहर बैठा था। तभी गांव के दीपू पुत्र बुद्धी बिना बात के उससे गालीगलौज करने लगा। जब बेटे ने गाली देने से मना किया तो दीपू ने लोहे की राड से उस पर कई वार कर मरणासन्न कर दिया। लोग मौके पर पहुंचते तब तक आरोपी मौके से भाग गया। घायल हालत में अखिलेश को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहा उसे गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिये चल रहे अभियान के तहत पुलिस ने शुक्रवार को दुष्कर्म के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। दरोगा कृष्णेंद्र कुमार ने हमराहियों के साथ शुक्रवार सुबह पौने 10 बजे गांव गुरुदीन खेड़ा निवासी रामसनेही को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि पांच जुलाई को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

एसडीएम के निर्देश पर नगर पंचायत क्षेत्र में हुई फॉगिंग

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। नगर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से बचाव के लिए प्रभारी ईओ/एसडीएम के निर्देश पर नगर पंचायत कर्मियों ने क्षेत्र के गली-मोहल्लों में फागिंग कराई। उपजिलाधिकारी/प्रभारी ईओ नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी शिवेंद्र वर्मा के नेतृत्व में किशन पाल, विनीत, मिथुन आदि कर्मियों की देखरेख में कस्बे की बाजार, बूढ़े बाबा बाजार, शीतला मंदिर चौराहा, ब्लॉक चौराहा, सरकारी अस्पताल व ब्लॉक परिसर समेत सभी प्रमुख मार्गों पर फागिंग की गई। वहीं, नेहरू नगर, शास्त्री नगर, सुभाष नगर सहित सभी मोहल्लों में फॉगिंग कराई जा रही है। ईओ शिवेंद्र वर्मा ने कहा कि मच्छरों से होने वाली संक्रमण बीमारियों से लोगों को निजात दिलाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है।

वन विभाग ने पकड़ा लकड़ी लदा ट्रक

पकड़ा गया लकड़ी लदा ट्रक। अमृत विचार

नवाबगंज, उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव अजीजपुर बिचपरी के पास एक बाग में अवैध लकड़ी की कटान होने की जानकारी वन विभाग को मिली। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग ने कटान की लड़की का ट्रक पकड़कर जांच शुरू की है। अजीजपुर बिचपरी में एक बाग में 4 पेड़ गूलर और शीशम के काटे जाने की शिकायत गांव के लोगों ने वन विभाग कर्मियों से की। इस पर वनरक्षक कुलदीप जांच के लिये पहुंचे और वहां लकड़ी लाद रहे एक ट्रक को वन विभाग के आफिस ले आये। जहां उसकी जांच की जा रही है। वन रक्षक कुलदीप ने बताया कि लकड़ी चिलवल की है। पूरी जांच के बाद ही कार्रवाई की जायेगी।

पैचवर्क से दिन भर हाईवे पर रेंगते रहे वाहन

हाईवे स्थित पुराने पुल पर कराया गया पैचवर्क। अमृत विचार

शुक्लागंज, उन्नाव। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित पुराने जाजमऊ पुल पर शुक्रवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा पैचवर्क का कार्य कराया गया। पुल पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को लंबे समय से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इन समस्याओं को देखते हुए एनएचएआई ने मरम्मत कार्य शुरू कराया। सुबह करीब 10 बजे से एनएचएआई की टीम ने पुल पर गड्ढे भरने का कार्य प्रारंभ किया। सुरक्षा की दृष्टि से जगह-जगह संकेतक लगाकर कार्य किया गया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित तो नहीं हुआ, लेकिन वाहनों की गति बेहद धीमी हो गई। दिनभर हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। कई स्थानों पर जाम की स्थिति रही।

जानलेवा हमले के आरोपी को दबोचा

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के सरांय सकहन गांव में चार माह पूर्व चाकू से वार कर जानलेवा हमला करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। क्षेत्र के सरांय सकहन गांव निवासी काशी प्रसाद ने अपने बेटे सोनू पर 16 मार्च को गांव के मनीष पुत्र राकेश, वेदराज पुत्र पूरन व मंगल पुत्र कुशेहर पर लाठी-डंडे व चाकू से जानलेवा हमलाकर लहूलुहान करने का आरोप लगा केस दर्ज कराया था। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी मंगल पुत्र कुशेहर को गांव के पास पकड़कर जेल भेज दिया। वेदराज को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

विद्यालय विलय पर ग्राम शिक्षा समिति ने विधायक व बीएसए को दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। कम छात्र संख्या वाले बेसिक स्कूलों को अन्य विद्यालय में विलय करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अलग-अलग विद्यालयों का विलय करने का बीएसए का आदेश मिलते ही विद्यालय स्तर की प्रबंध समिति व ग्राम प्रधान द्वारा उसका विरोध भी किया जा रहा है। फिर भी विद्यालयों को विलय करने के अलग-अलग आदेश निर्गत किये जा रहे हैं।

विकास खंड बीघापुर के प्राथमिक विद्यालय शिवगंज को प्राथमिक विद्यालय साधेमऊ में विलय करने के आदेश पर ग्राम शिक्षा समिति ने इसका जमकर विरोध किया और क्षेत्रीय विधायक व बीएसए को ज्ञापन देते हुए कहा कि उनके गांव के बच्चे इतनी दूर नहीं जा सकेंगे और उनकी पढ़ाई बाधित होगी। उनके विद्यालय में छात्र संख्या बढ़ रही है। इसलिए उन्हें अन्य विद्यालय में समायोजित न किया जाए। ग्राम प्रधान व ग्रामीणों ने कहा कि विकासखंड बीघापुर के प्राथमिक विद्यालय साधेमऊ की दूरी शिवगंज से 1 किमी से अधिक है तथा बीच में नहर प्रवाहित होने से पूर्व में कई अप्रिय घटनायें हो चुकी हैं। ऐसे में इतनी दूर साधेमऊ जाना संभव नहीं है। अवगत कराया कि प्रावि शिवगंज में वर्तमान सत्र में 10 बच्चों का नामांकन हो चुका है। इससे अब वहां 27 बच्चे हो चुके हैं।

कार सवारों पर हथियार से हमला करने का आरोप

नवाबगंज, उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के नवई गांव निवासी राकेश कश्यप पुत्र सुरेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी नवई चौराहे पर मोबाइल की दुकान है। वह 17 जुलाई को रात सवा 9 बजे दुकान बंद कर घर जा रहा था। रास्ते में वह एक दुकान से फल खरीदने रुका था तभी एक काले रंग की कार वहां आकर रुकी। कार से झलोत्तर निवासी जुहेल खान, परवेज खान, पप्पू, अंजाल आलम व एक अन्य व्यक्ति उतरे और उससे गालियां देने लगे। आरोप है कि उन लोगों को मना किया तो धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया इससे उसके सिर में चोट लगी।

मेगा कैंप में उपभोक्ताओं की समस्याओं का निस्तारण करते अधिकारी। अमृत विचार

कैंप में उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याएं सुलझीं

नवाबगंज, उन्नाव। अजगैन विद्युत उपकेंद्र में लगे विभागीय समस्याओं को सुनने के लिये लगे मेगा कैंप का निरीक्षण पावर कारपोरेशन के इंजीनियर ने करते हुए दिशा निर्देश दिये। इसमें उन्होंने बताया कि कैंप का उद्देश्य है कि ग्रामीणों की विद्युत बिल की समस्या को दूर किया जाये। मेगा कैंप के दूसरे दिन पावर कारपोरेशन के इंजीनियर दीपक मिश्रा ने उपकेंद्र पहुंचकर उपभोक्ताओं से वार्ता की। भितरेपार के चंदन ने बताया कि उनका तीन माह का बिल बीते माह 4100 रुपये आया था। जिसे जमा कर दिया था लेकिन, इसके बाद फिर इस माह 2700 का बिल आ गया। बताया कि उनके गांव में मीटर रीडर भी नहीं आता है। इसी तरह से कस्बा नवाबगंज, परसंदन व अजगैन आदि के लोगों ने अपनी समस्या बताई। जिनका मौके पर निस्तारण किया गया। 52 उपभोक्ताओं ने करीब तीन लाख रुपये जमा किये। वहीं चार को लोड बढ़ाया गया और तीन का मीटर बदला गया। इस दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

किसान को मिनी किट देते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

किसानों को दी जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

उन्नाव, अमृत विचार। राजकीय कृषि बीज भंडार सिकंदरपुर सिरोसी में निशुल्क मिनी किट वितरण कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किसानों को निशुल्क उर्द, मूंग, ज्वार, अरहर, तिल, कोदो सावा व रागी आदि के मिनी किट बांटे। पौधरोपण करने के बाद वहां किसानों को भारत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उप कृषि निदेशक ने जीवामृत, सब्जी की खेती के लाभ, दशपर्णी अर्क के लाभ, संकर मक्का व संकर धान की बुआई को प्रोत्साहन व अनुदान, जिप्सम के प्रयोग से लाभ, फसलों के बीमा से लाभ, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी व सागरिका के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

हत्या के आरोप पर कराया गया वृद्ध का पोस्टमार्टम

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के रुस्तमपुर गांव निवासी शिव सिंह (64) बीते 5 वर्षों से माखी थानाक्षेत्र के भदनी गांव स्थित अपनी ससुराल में रहता था। उसकी पत्नी उर्मिला की बीते साल मौत हो गई थी। इसके बाद से इकलौता बेटा मनीष, बहू रीना व पौत्री भी उन्हीं के साथ रहती थी। शिव सिंह कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। गुरुवार रात उसकी मौत हो गई। जानकारी पर पैतृक गांव रुस्तमपुर निवासी भतीजे हरि सिंह ने पुलिस को दी सूचना में बताया कि चाचा शिव सिंह पहले उसके साथ ही रहते थे। बीमार होने पर उनका इलाज कराया। हालत में सुधार होने पर बेटा मनीष अपने साथ ले गया और इलाज नहीं कराया। आरोप लगाया कि बेटे ने ही कीटनाशक देकर उन्हें मार दिया है। हत्या का आरोप लगने पर पुलिस ने शुक्रवार को शव को पोस्टमार्टम कराया। चर्चा है कि परिवार में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है।

बारिशः वायरल व चर्म रोगों के बढ़े मरीज

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। बरसात के मौसम में तेज धूप और बदलते तापमान के कारण बीमारियों ने जोर पकड़ लिया है। नगर के सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। खासकर आंखों में कंजेक्टिवाइटिस, वायरल बुखार, चर्म रोग, सर्दी-जुकाम और पेट संबंधी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़े हैं। नगर स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। शुक्रवार को ओपीडी में कुल 182 मरीजों ने इलाज के लिए पंजीकरण कराया। इन मरीजों में अधिकांश कंजेक्टिवाइटिस, बुखार, खांसी, चर्म रोग व पेट संबंधी शिकायतों से पीड़ित थे। वहीं कई मरीज मलेरिया व डेंगू जैसे लक्षणों के साथ भी पहुंचे। पीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. रश्मि वर्मा और डॉ. अक्षय कुमार ने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं वितरित कीं। चिकित्सकों ने रोगियों को सावधानी बरतने की सलाह दी। विशेषकर आंखों के संक्रमण से पीड़ित मरीजों को भीड़-भाड़ से बचने और साफ-सफाई रखने की हिदायत दी गई। डॉक्टरों का कहना है कि मौसम का उतार-चढ़ाव व जलभराव बीमारियों को बढ़ा रहा है। नगर के कई इलाकों में जलजमाव व गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ा है, जिससे लोगों को बुखार और चर्म रोग हो रहे हैं।

पीएचसी में ओपीडी करते डॉक्टर। अमृत विचार

दिए निर्देश कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में अधिकारियों के साथ की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, कार्य को लेकर जताया असंतोष

सड़क हादसों में कमी लाना पहली प्राथमिकता :जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध व अपंजीकृत ई-रिक्शा के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश पूर्व ही बैठकों में दिए गए थे। इसके बावजूद सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन द्वारा 43 ई-रिक्शा ऑनर्स पर कार्यवाही करने के सापेक्ष सिर्फ 7 पर कार्यवाही करने की जानकारी होने पर नाराजगी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई। जिस पर अधिकारी द्वारा एक माह में शेष 36 ई-रिक्शा ऑनर्स पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। अमृत विचार

इसी प्रकार एनएचएआई पर अवैध कट, मार्ग पर गड्ढे व क्षतिग्रस्त मार्ग के चलते हो रही सड़क दुर्घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एक्सईएन पीडब्ल्यूडी को परियोजना निदेशक एनएचएआई के विरुद्ध नोटिस देने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष को पत्र लिखने को भी कहा। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव, नगर मजिस्ट्रेट राजीव राज, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन व प्रशासन सहित अन्य अधिकारी व सड़क सुरक्षा समिति के अधिकारी रहे।

अभियान चलाकर हटाएं अतिक्रमण

जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट व टीआई को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर जो सड़क पर अतिक्रमण है उस पर कार्यवाही की जाए। सड़क दुर्घटना में कमी लाना प्राथमिकता समझा जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि कैंप लगाकर चालकों के समय-समय पर स्वास्थ्य और नेत्र का परीक्षण कराया जाए।

अधिकृत स्टैंड से ही हो वाहनों का संचालन

जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी व ट्रैफिक निरीक्षक को निर्देशित किया कि जिले में बस, टेंपो, टैक्सी, ऑटो व ई-रिक्शा के लिए जो स्टैंड ईओ नगर पालिका द्वारा निर्धारित किए गए हैं उन्ही स्थान पर वाहनों को खड़ा कर सवारियां भरना सुनिश्चित कराया जाए।

चेक किये जाएं वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र

जिलाधिकारी ने कहा कि उप्र राज्य सड़क परिवहन विभाग की बसों की फिटनेस व स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये कि जो बसें अनफिट हैं उन्हें चेक किया जाए। उन वाहन स्वामियों से शपथ पत्र लिया जाए।

भारत के पास जवाबी शुल्क लगाने का आधार नहीं

अमेरिका ने भारत के दावे को किया खारिज, भारत ने इसे डब्ल्यूटीओ के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने कहा है कि भारत के पास मोटर वाहन व उसके घटकों पर लगाए गए अमेरिकी शुल्क के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं है। अमेरिका ने भारत के उस दावे को खारिज कर दिया कि ये शुल्क विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय हैं। भारत ने इन शुल्क को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के अधीन सुरक्षा उपाय बताया है जबकि अमेरिका लगातार इस बात पर जोर दे रहा है कि यह राष्ट्रीय हित में उठाया कदम है।

अमेरिका ने कहा है कि इस आधार पर भारत के पास इन शुल्क के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का कोई आधार नहीं

● अमेरिका ने शुल्क को राष्ट्रीय हित में उठाया गया कदम बताया

है। भारत का कहना है कि वह मोटर वाहन व उसके घटकों पर अमेरिकी शुल्क (25%) के विरुद्ध जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखता है और ये शुल्क सुरक्षा उपाय हैं जो उसके घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन को सूचित किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए ये शुल्क लगाए हैं, क्योंकि इनसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है।

डब्ल्यूटीओ के दिनांक 17 जुलाई के एक संदेश में कहा गया, यह कार्रवाई... सुरक्षा उपाय नहीं हैं। तदनुसार, इन उपायों के संबंध में सुरक्षा समझौते के तहत रियायतों या अन्य दायित्वों को निलंबित करने के भारत के प्रस्ताव का कोई आधार नहीं है। इस संदेश को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध पर जारी किया गया था। अमेरिका ने यह भी कहा कि भारत ने विश्व व्यापार संगठन के सुरक्षा उपायों पर समझौते के तहत दायित्वों का पालन नहीं किया है। इसमें कहा गया है, अमेरिका समझौते के तहत धारा 232 पर चर्चा नहीं करेगा, क्योंकि हम शुल्क को सुरक्षा उपाय के रूप में नहीं देखते हैं।

भारत के इस्पात व एल्युमीनियम पर अमेरिकी शुल्क को विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत सुरक्षा उपाय बताने के दावे को खारिज करने के लिए भी इसी प्रकार का एक संदेश प्रसारित किया गया। भारत द्वारा अधिसूचित रियायतों के प्रस्तावित निलंबन को अमेरिका के चुनिंदा उत्पादों पर शुल्क में वृद्धि के रूप में लिया जा सकता है। हालांकि भारत ने अभी तक इन वस्तुओं का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 2019 में इसी तरह के एक कदम में उसने बादाम और सेब से लेकर रसायनों तक 28 अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाया था।

व्यापार समझौते पर जारी बातचीत नहीं होगी प्रभावित

इस महीने की शुरुआत में भारत ने सुरक्षा उपायों के नाम पर देश के मोटर वाहन घटकों के आयात पर अमेरिकी शुल्क के विरोध में अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव भी रखा था। अमेरिका ने पहली बार 12 मार्च को एल्युमीनियम, इस्पात और उससे बनी वस्तुओं के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया था। फिर तीन जून को इन्हें बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि भारत द्वारा अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने का निर्णय विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत एक प्रक्रियागत कदम है और इससे दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत प्रभावित नहीं होगी। प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पांचवें दौर की वार्ता के लिए भारतीय टीम फिलहाल वॉशिंगटन में है।

ऊर्जा कमोडिटी: निवेश का सशक्त विकल्प

ऊर्जा कमोडिटी वे प्राकृतिक संसाधन हैं, जिनका उपयोग बिजली उत्पादन, परिवहन व औद्योगिक प्रक्रियाओं में होता है। इनमें प्रमुख रूप से कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला और पेट्रोलियम उत्पाद हैं। वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में ऊर्जा कमोडिटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिससे इनकी मांग में निरंतर उतार-चढ़ाव बना रहता है। निवेशक इन कमोडिटीज़ में वायदा अनुबंध (फ्यूचर्स), ईटीएफ और कमोडिटी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए निवेश कर सकते हैं। सही रणनीति के साथ निवेश करने पर यह अच्छा रिटर्न दे सकती है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है।

क्या है ऊर्जा कमोडिटी

ऊर्जा कमोडिटी वे संसाधन हैं जो ऊर्जा उत्पादन और उपयोग के लिए जरूरी होते हैं। ये मुख्यत: गैर-नवीकरणीय स्रोतों पर आधारित होती हैं। प्रमुख ऊर्जा कमोडिटीज़ में शामिल हैं: कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, बिजली (कुछ बाजारों में) इनका उपयोग परिवहन, उद्योग और घरेलू ऊर्जा जरूरतों के लिए किया जाता है।

निवेश के लाभ
उच्च रिटर्न की संभावना: कीमतों में उतार-चढ़ाव से लाभ।
पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन: शेयर बाजार से अलग निवेश वर्ग।
मुद्रास्फीति से बचाव: ऊर्जा की कीमतें बढ़ने पर मुनाफा मिलता है।

संभावित जोखिम

- कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता
- राजनीतिक और वैश्विक घटनाओं का प्रभाव
- नियामकीय बदलावों से जोखिम
- भंडारण और डिलीवरी संबंधित जटिलताएं

ध्यान देने योग्य बातें

- बाजार की सही समझ होना जरूरी है।
- लॉन्ग-टर्म के बजाय शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग अधिक आम है।
- विशेषज्ञ सलाह और रिसर्च आधारित निवेश बेहतर होता है।

आकर्षक लेकिन जोखिम भरा

ऊर्जा कमोडिटी में निवेश एक आकर्षक लेकिन जोखिम भरा विकल्प है। सही रणनीति, सतर्कता और बाजार की समझ के साथ यह पोर्टफोलियो को मजबूती दे सकता है। खासकर जब वैश्विक ऊर्जा मांग बढ़ रही हो, तब यह निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर बन सकता है।

उच्च मार्जिन से बिजली वायदा में अनुचित सट्टेबाजी होगी कम : सेबी प्रमुख पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि हाल में पेश किए गए बिजली वायदा खंड में उच्च प्रारंभिक मार्जिन की आवश्यकता से अनुचित सट्टेबाजी कम होगी। एनएसई में बिजली वायदा खंड के शुभारंभ समारोह में पांडेय ने कहा कि अधिक अस्थिरता की स्थिति में अतिरिक्त मार्जिन भी लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, बिजली को एक अधिक अस्थिर जिंस के रूप में

वर्गीकृत किया गया है, जिसके लिए उच्च प्रारंभिक मार्जिन की जरूरत होती है। इससे अनुचित सट्टा गतिविधियों को हतोत्साहित किया जा सकेगा। पांडेय ने कहा, अधिक अस्थिरता के समय अतिरिक्त मार्जिन लगाया जा सकता है। पूंजी बाजार नियामक और विद्युत नियामक आयोग ने अनुबंध विनिर्देशों और जोखिम प्रबंधन मानदंडों को तैयार करने के लिए एक परामर्शी और डेटा आधारित नजरिया अपनाया है। पूरी प्रक्रिया का मकसद यह है कि बिजली वायदा-विकल्प कारोबार अनुचित सट्टेबाजी के बजाय हेजिंग यानी जोखिम से बचाव के साधन बना रहे। उन्होंने कहा कि मासिक वायदा कारोबार से बिजली क्षेत्र को मूल्य अस्थिरता से बचाव के लिए एक पारदर्शी और विनियमित मंच मिलेगा।

विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.05 अरब डॉलर घटकर 699.74 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 11 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.48 अरब डॉलर घटकर 588.81 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 49.8 करोड़ डॉलर घटकर 84.35 अरब डॉलर रहा।

बैंक के शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स गिरा

मुंबई, एजेंसी

तिमाही नतीजों की सुस्त शुरुआत के बीच विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों के शेयरों में बिकवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 501 अंक टूट गया जबकि निफ्टी 25,000 के स्तर से नीचे आ गया।

बीएसई का सेंसेक्स 501.51 अंक गिरकर 81,757.73 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 651.11 अंक गिरा था। एनएसई का निफ्टी भी 143.05 अंक गिरकर एक महीने के निचले स्तर 24,968.40 अंक पर बंद हुआ। एक्सिस बैंक के तिमाही नतीजे उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहने से निवेशकों ने बैंक शेयरों को

● सेंसेक्स में आई 501 अंक की गिरावट निफ्टी 25,000 के स्तर से नीचे पहुंचा

लेकर सतर्क रुख अपनाया। इससे एक्सिस बैंक के शेयर में 5.24% की गिरावट आई। जून तिमाही में बैंक का लाभ 3% घटकर 6,243.72 करोड़ रहा। वहीं, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एसबीआई के शेयर भी गिरावट रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और इटर्नल के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक और इन्फोसिस के शेयर लाभ में रहे। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,694.31 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की।

बीएसई स्मालकैप 0.64 और मिडकैप में 0.62% की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.50, बैंकिंग खंड में 1.33 और औद्योगिक खंड में 1.08% की गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 742.74 अंक यानी 0.90% के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 181.45 अंक यानी 0.72% की सुस्ती रही।

राष्ट्रीय

एक नजर

इस्लामपुर का नाम महाराष्ट्र सरकार ने किया ईश्वरपुर

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को घोषणा की कि सांगली जिले के इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर किया जा रहा है। यह घोषणा राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन की गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा को बताया कि यह निर्णय गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कैबिनेट के फैसले को मंजूरी के लिए केंद्र को भेजेगी। यह कदम एक हिंदूवादी संगठन शिव प्रतिष्ठान द्वारा सांगली कलेक्टरेट को एक ज्ञापन भेजकर इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर करने की मांग के बाद उठाया गया। शिव प्रतिष्ठान का नेतृत्व संभाजी भिड़े करते हैं, जिनके समर्थकों ने कहा था कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती, वे चैन से नहीं बैठेंगे।

करंट से छात्र की मौत पर प्रधानाध्यापिका निलंबित

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोल्लम जिले में 13 वर्षीय छात्र की करंट लगने से हुई मौत के बाद राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधानाध्यापिका को निलंबित करने और स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया। थेवलक्कारा बॉयज़ हाई स्कूल के छात्र मिथुन की स्कूल परिसर में बिजली के तार की चपेट में आने से मौत हो गई। मंत्री ने कहा कि सरकार को शिक्षा महानिदेशक से विस्तृत रिपोर्ट मिल गई है और सरकार तेजी से कार्रवाई कर रही है।

मिजोरम में 36 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) और असम राइफल्स ने पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले में 36 .79 करोड़ मूल्य की हेरोइन और मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना पर एनसीबी के अधिकारियों और असम राइफल्स के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाया, जिस दौरान उन्होंने 642 ग्राम हेरोइन और 10 .44 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां बरामद कीं।

फिल्म निर्माता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म 'तनु वेड्स मनु' के निर्माता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला खारिज करते हुए कहा कि प्राथमिकी दर्ज करके और पुलिस की मदद लेकर धन की वसूली नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने शिकायतकर्ता कुणाल जैन द्वारा दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के लिए निर्माता शैलेश आर सिंह की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रवैये पर नाराजगी व्यक्त की।

जमानत में अपराध के उल्लेख पर करें विचार

राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से न्यायिक अधिकारी के विरुद्ध की गईं कठोर टिप्पणियां हटाने का सुप्रीम आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि देश के सभी उच्च न्यायालयों को अपने नियमों में ऐसे प्रावधान पर विचार करना चाहिए, जिससे जमानत याचिकाओं में आरोपी को अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा करना अनिवार्य हो जाए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी उस दौरान की जब उसने राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा एक न्यायिक अधिकारी के खिलाफ की गई कठोर टिप्पणियों को हटाने का आदेश दिया। उक्त न्यायिक अधिकारी ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपी को जमानत दी थी।

● हत्या के प्रयास के आरोपी को न्यायिक अधिकारी ने दी थी जमानत

पीठ ने कहा, हम मानते हैं कि देश के प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपने नियमों और/या आपराधिक प्रक्रिया से जुड़े नियमों में ऐसा प्रावधान जोड़ने पर विचार करना चाहिए, जिससे आरोपी पर यह दायित्व आए कि वह अपनी किसी भी पूर्व आपराधिक संलिप्तता की जानकारी दे। बाद में, अदालत ने शिकायतकर्ता की याचिका स्वीकार करते हुए आरोपी की जमानत रद्द कर दी। इसके बाद आरोपी ने उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी और न्यायिक अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने उसके आपराधिक रिकॉर्ड को नजरअंदाज़ करते हुए 'बेहद अनुचित और लापरवाही भरे तरीके' से जमानत दे दी। न्यायिक अधिकारी द्वारा आधिकारिक दस्तावेज के रूप में दर्ज इन टिप्पणियों के खिलाफ अपील करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जमानत अर्जियों पर विचार करते समय अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखना अदालतों के लिए चिंता का विषय है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला दिया गया, जिसमें जमानत में याचिकाकर्ता को उल्लेख करना होगा कि वह किसी मामले में शामिल था या नहीं।

ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का मामला सुप्रीम कोर्ट में

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने वाले ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने संबंधी चार जनहित याचिकाओं को कई हाईकोर्ट से गुरुवार को अपने पास स्थानांतरित किया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने प्रोबो मीडिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की स्थानांतरण याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह कंपनी एक ऐसे ही ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का संचालन करती है। पीठ ने आदेश में कई हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं के संबंध में तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया।

बीपीएससी अध्यक्ष से जुड़ी याचिका रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) अध्यक्ष के पद पर परमार रवि मनुभाई की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका शुक्रवार को यह कहते हुए रद्द कर दी कि उनके खिलाफ प्राथमिकी बंद हो चुकी है। कोर्ट ने इस याचिका की आलोचना की और याचिकाकर्ता से कहा कि वह इस प्रकार की तथ्यों से रहित याचिकाएं दाखिल नहीं करे। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा व अतुल एस चंदूरकर की पीठ ने कहा, आप जनहित याचिका दाखिल कर रहे हैं, तो आपको अपना सब कुछ झोंकना पड़ता है। प्रचार-प्रसार के चक्कर में न पड़ें, यह आपको बर्बाद कर देगा।

विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह तलाक का आधार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली महिला को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना और उस पर विवाहेत्तर संबंध रखने का संदेह करना क्रूरता है, इसलिए यह तलाक का आधार है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की खंडपीठ ने कहा कि महिला के आचरण को उसके पति के प्रति क्रूरता माना जा सकता है। अदालत ने महिला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने परिवार अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। उक्त आदेश में, पति की तलाक याचिका को मंजूरी दी गई थी। महिला

● मुंबई हाईकोर्ट बोली- पति से संबंध न बनाना क्रूरता

ने याचिका में अपने पति से एक लाख रुपये मासिक गुजारा भत्ता दिलाने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस जोड़े की शादी 2013 में हुई थी, लेकिन दिसंबर 2014 में वे अलग रहने लगे। पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक के लिए परिवार अदालत का रुख किया, जिसे मंजूरी मिल गई। महिला ने याचिका में कहा कि वह अब भी पति से प्यार करती है और इसलिए वह संबंध खत्म नहीं करना चाहती।

आध्यात्मिक आभा

हरिद्वार में हर की पैड़ी पर श्रावण मास के दौरान आयोजित भव्य गंगा आरती ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में दीप जलाकर मां जाह्नवी की आरती और आराधना करते दिखाई दिए। अमृत विचार

नशा मुक्ति केंद्रों से मादक पदार्थ बेचने के मामले में ईडी का छापा

चंडीगढ़। ईडी ने उत्तर भारत के निजी नशा मुक्ति केंद्रों के जरिए मादक पदार्थ की बिक्री और उससे जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के तहत पंजाब तथा मुंबई की कुछ जगहों पर शुक्रवार को छापेमारी की।

संघीय जांच एजेंसी पंजाब पुलिस द्वारा अमित बंसल नामक चिकित्सक, दवा कंपनी, औषधि निरीक्षक और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों के आधार पर जांच कर रही है। बंसल पंजाब में 22 नशा मुक्ति केंद्र संचालित करता है। पंजाब के चंडीगढ़, लुधियाना और बरनाला तथा महाराष्ट्र के मुंबई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की जा रही है। बंसल द्वारा संचालित निजी केंद्रों को सरकार द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे मरीजों को बीएनएक्स (ब्यूप्रेनोर्फिन/नालोक्सोन) दवा दें, जिससे वे नशे से छुटकारा पा सकें।

वाड्रा को लेकर राहुल के दिए बयान की भाजपा ने की आलोचना

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने राहुल गांधी के उस बयान की शुक्रवार को आलोचना की, जिसमें कांग्रेस नेता ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करने का सरकार पर आरोप लगाया था। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस नेता की टिप्पणी दर्शाती है कि उनकी पार्टी अब भी आपातकालीन मानसिकता में विश्वास करती है और न्यायिक प्रक्रिया की परवाह नहीं करती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहीन सिन्हा ने आरोप लगाया कि गांधी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने बहनोई के काले कारनामों से पूरी तरह वाकिफ थे और हो सकता है कि वह इसमें शामिल भी रहे हों। सिन्हा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ हाल ही में की गई टिप्पणी के लिए भी गांधी की आलोचना की।

राहुल ने वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र को राजनीति से प्रेरित बताया

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईडी द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव किया और कहा कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। आखिरकार सत्य की जीत होगी। राहुल ने एक्स पर यह बातें कहीं।

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेज को मिली बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के 45 से अधिक स्कूलों और तीन कॉलेजों को शुक्रवार सुबह बम से उड़ाने की धमकियां ईमेल से भेजी गईं, जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों में दहशत है। यह चौथा दिन है जब स्कूलों को धमकियां मिली हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस और विभिन्न त्वरित प्रतिक्रिया प्राधिकारियों ने तलाश और निकासी अभियान चलाया। धमकियां मिलने पर पुलिस, बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्तों के साथ अग्निशमन विभाग स्कूलों और कॉलेजों की ओर रवाना हुए। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन तीन कॉलेजों को ऐसी धमकियां मिली हैं, वे हैं इंद्रप्रस्थ (आईपी) महिला कॉलेज, हिंदू कॉलेज और उत्तरी दिल्ली स्थित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी)।

बेंगलुरु के 50 स्कूलों को भी मिली बम की धमकी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के 50 स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी मिली जो जांच के बाद फर्जी मिली। पुलिस ने बताया कि स्कूल में बम वाले ईमेल 50 स्कूलों को सुबह 7 .24 बजे भेजे गए। मेल भेजने वाले ने दावा किया कि उसने संबंधित स्कूलों के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण रखे हैं। ईमेल में कहा गया, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल के कक्षों में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राईनाइट्रोटोल्यूइन) रखे हैं। उसे काले प्लास्टिक बैग में छिपाया गया है।

ऑटो चालक ने महिला होमगार्ड पर फेंका तेजाब, गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के गांधीनगर जिले में गलत तरीके से ऑटोरिक्शा खड़ा करने पर महिला होमगार्ड द्वारा फटकार लगाने के बाद उसपर तेजाब फेंकने वाले चालक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

गांधीनगर के एसपी रवि तेजा वासमस्टी ने बताया कि गलत तरीके से ऑटोरिक्शा खड़ा करने को लेकर होमगार्ड द्वारा डांटने पर आरोपी अशोक रावत अपने घर से बोतल में तेजाब लाया और महिला पर फेंक दिया, जिससे महिला होमगार्ड मामूली रूप से झुलसी क्योंकि तेजाब की कुछ बूंदें ही उसकी पीठ पर गिरी थीं। महिला होमगार्ड छतर्रल ओवरब्रिज पर तैनात थी और तभी रावत अपने ऑटोरिकशॉ में वहां पहुंचा और वाहन को गलत तरीके से खड़ा कर दिया। रावत की महिला होमगार्ड से बहस हुई। आरोपी घर गया और तेजाब ले लौटा। घायल होमगार्ड को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

विधान भवन में सत्र के दौरान प्रवेश वर्जित

महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में हाथापाई

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शुक्रवार को कहा कि विधानमंडल के सत्र के दौरान विधान भवन में आगंतुकों का प्रवेश वर्जित रहेगा तथा केवल मंत्रियों, विधायकों, आधिकारिक तौर पर नामित उनके निजी सचिवों और सरकारी अधिकारियों को ही अंदर जाने की अनुमति होगी।

नार्वेकर ने विधानसभा में यह घोषणा करते हुए कहा कि सदस्यों को अयोग्य घोषित करने में सक्षम आचार समिति का गठन एक सप्ताह के भीतर किया जाएगा। उन्होंने विधानसभा में यह घोषणा राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर के समर्थकों के बीच विधान भवन के अंदर हुई झड़प के एक दिन बाद की। इससे एक दिन पहले, दोनों विधायकों के बीच तीखी बहस हुई थी। उन्होंने विधान भवन के मुख्य सुरक्षा अधिकारी से रिपोर्ट भी तलब की है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सत्र के दौरान आगंतुकों को विधान भवन के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी।

आव्हाड और पडलकर के दो समर्थक गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल परिसर में एक दिन पहले राकांपा (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा के गोपीचंद पडलकर के समर्थकों में हुई झड़प के सिलसिले में शुक्रवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। गुरुवार शाम 5 :45 बजे विधान भवन के भूतल पर आव्हाड और पडलकर के समर्थकों के बीच अप्रिय घटना हुई। यह घटना दोनों नेताओं के बीच हुई तीखी बहस के एक दिन बाद हुई। अधिकारी ने बताया कि आव्हाड के समर्थक नितिन देशमुख और पडलकर के समर्थक सरजेराव उर्फ ऋषिकेश टाकले को मरीन ड्राइव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उनके बयान भी दर्ज कर लिए गए हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट के लिए खिलाड़ियों का चयन बना चुनौती

ऋषभ पंत की उंगली में चोट से भारतीय टीम को लगा है बड़ा झटका, ध्रुव जुरेल को किया जा सकता है शामिल

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले लंबे अंतराल के साथ, भारत को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेने हैं। लॉर्ड्स में एक करीबी मुकाबले में हारने के बाद, पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-1 से पिछड़ रही मेहमान टीम को विकेटकीपर ऋषभ पंत की तर्जनी उंगली में चोट लगने से एक बड़ा झटका लगा है। भारत के सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे को उम्मीद है कि 27 वर्षीय पंत ठीक होकर चौथे टेस्ट में खेलेंगे।

डेशकाटे ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहावह (पंत) टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में बल्लेबाजी करेंगे। देखिए, मुझे नहीं लगता कि आप ऋषभ को टेस्ट से बाहर रखेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। उन्होंने कहा तीसरे टेस्ट में पंत ने काफी दर्द के साथ बल्लेबाजी की और अब उनकी उंगली के लिए यह और भी आसान होता जाएगा। और 'कीपिंग' निश्चित रूप से इस प्रक्रिया का आखिरी चरण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह 'कीपिंग' कर सकें। हम फिर से उस दौर से नहीं गुजरना चाहते जहां हमें पारी के बीच में ही 'कीपर' बदलना पड़े। लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान चोट लगने के बाद, पंत ने दोनों पारियों में बल्लेबाजी की, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग के लिए लाया गया। डेशकाटे ने कहा जुरेल का नाम भी शामिल है, लेकिन मेरा मतलब है कि अगर ऋषभ फिट होते हैं, तो वह अगला टेस्ट खेलेंगे और दोनों ही भूमिकाएं निभाएंगे।

इयूक्स गेंद के जल्दी 'नरम' होने की होगी जांच, शिकायतों के बाद निर्माता ने कहा

लंदन : भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आलोचना का सामना कर रहे 'ड्यूक्स' गेंद की निर्माता कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह गेंद के जल्दी 'नरम (खराब)' होने की गहन समीक्षा करेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की आलोचना के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के आखिर तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा। बीबीसी स्पोर्ट्स के अनुसार ड्यूक्स का निर्माण करने वाली 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा हम इन (इस्तेमाल हुई) गेंदों को ले जाएंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम करेंगे। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के इस्तेमाल के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों के दौरान विलंब भी हुआ। टेस्ट श्रृंखला के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का निर्णय मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है तो वहीं भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा का उपयोग होता है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है लेकिन हाल के वर्षों में टेस्ट और काउंटी क्रिकेट में उसे आलोचना का सामना करना पड़ा है। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन गिल उस गेंद से नाखुश थे जो उन्हें अंपायरों द्वारा दी गई थी।

आईसीसी के अनुसार तेज गेंदबाज बुमराह की उपलब्धता स्पष्ट नहीं

लंदन : चयन के संबंध में एक और महत्वपूर्ण फैसला नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का है। भारत ने बुमराह को उनके कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए एजबस्टन में दूसरे टेस्ट के लिए आराम दिया था, और एक आईसीसी रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर टेस्ट के लिए इस तेज गेंदबाज की उपलब्धता स्पष्ट नहीं है। डेशकाटे ने कहा नहीं, हम बुमराह के बारे में मैनचेस्टर में ही फैसला करेंगे। उन्होंने कहा हमें पता है कि हमने उन्हें आखिरी दो टेस्ट मैचों में से एक के लिए टीम में शामिल कर लिया है। यह बिल्कुल साफ है कि मैनचेस्टर में अब सीरीज दांव पर है, इसलिए उन्हें खिलाने की संभावना ज्यादा है। दो टेस्ट मैचों में 12 विकेट लेकर, बुमराह मौजूदा सीरीज में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे मोहम्मद सिराज हैं, जिन्होंने अपने तीन मैचों में 13 विकेट लिए हैं। डेशकाटे ने कहा कि भारत अगले टेस्ट से पहले सिराज के कार्यभार का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम इस बात को हल्के में लेते हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हमारे पास ऐसा कोई है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि वह हमेशा वह रिटर्न नहीं देता जिसकी आप एक तेज गेंदबाज से उम्मीद करते हैं, वह शेर जैसा है। जब गेंद उनके हाथ में होती है, तो वह इस गेंदबाजी आक्रमण में जो लाते हैं, उससे हमेशा ऐसा लगता है कि कुछ होने वाला है। डेशकाटे ने कहा वह अपने कार्यभार से पीछे हटने वाले व्यक्ति नहीं हैं, इसलिए हमारे लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना और यह सुनिश्चित करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए फिट रहें। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में शुरू होगा।

इंग्लैंड के काउंटी ग्राउंड पर अभ्यास सत्र के दौरान रविंद्र जडेजा और मुख्य कोच गौतम गंभीर। ● एजेंसी

जुझारू पारी के लिए भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बने जडेजा

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को अविश्वसनीय जुझारूपन करार दिया जिसके लिए उन्हें टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) का तमगा भी दिया गया।

जडेजा 181 गेंदों पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन उनकी इस शानदार पारी के बावजूद भारत तीसरे टेस्ट में 22 रन से हार गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर एक वीडियो जारी किया जिसमें गंभीर ने जडेजा की जमकर तारीफ की है। गंभीर ने 'द एमवीपी फीट रवींद्र जडेजा' शीर्षक वाले वीडियो में कहा यह अविश्वसनीय जुझारूपन था। जड्डू की जुझारू पारी वास्तव में शानदार थी। भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और उसके शीर्ष आठ बल्लेबाज 40 ओवर से भी कम समय तक टिक सके। लेकिन सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जडेजा ने दृढ़ता से काम किया और पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर साहस और धैर्य का शानदार परिचय दिया। बुमराह ने 54 गेंदों का सामना करते हुए पांच रन और सिराज ने 30 गेंदों पर चार रन बनाए। भारत 74.5 ओवर में 170 रन पर आउट हो गया। वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो धैर्य दिखाया वह वास्तव में काबिले तारीफ है। मैं उन्हें वर्षों से खेलते हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को कैसे निखारा है।

एरिगैसी का सेमीफाइनल में प्रवेश प्रज्ञानानंदा खिताब की दौड़ से बाहर

लास वेगास, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर यहां 750,000 डॉलर इनामी फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम टूर शतरंज प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन आर प्रज्ञानानंदा अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हारकर खिताब की दौड़ से बाहर हो गए।

अर्जुन ने अब्दुसत्तोरोव पर 1.5-0.5 से जीत हासिल की, लेकिन प्रज्ञानानंदा एक कड़े मुकाबले में कारूआना से 3-4 से हार गए। क्वार्टरफाइनल चरण में लेवोन अरोनियन और हंस मोके नीमन की अमेरिकी जोड़ी भी जीत हासिल करने में सफल रही। उन्होंने क्रमशः अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव को हराया। जहां अरोनियन ने 2.5-1.5 के अंतर से जीत हासिल की, वहीं निमन को सिंडारोव को 4-2 से हराने में अधिक समय लगा। सेमीफाइनल में अर्जुन का मुकाबला अरोनियन से जबकि नीमन का कारूआना से होगा। निचले वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी जीत की लय वापस पा ली। उन्होंने भारत के विदित गुजराती को आसानी से 2-0 से हराया। निचले वर्ग के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के वेस्ली सो ने हमवतन सैमुअल सेवियन को जबकि लीनियर डोमिनगेज पेरेज ने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्सौबायेवा को 1.5-0.5 के समान अंतर से हराया।

अर्जुन एरिगैसी। ● एजेंसी

पहले चरण के विजेता जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के ही रॉबसन रे को 2.5-1.5 के अंतर से पराजित किया। अर्जुन ने दोनों ही बाजी में शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दूसरी बाजी में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत में ही अपनी स्थिति मजबूत कर ली और फिर अब्दुसत्तोरोव को आसानी से मात दी। इससे पहले पहली बाजी में भी अर्जुन ने बढ़त हासिल की थी, लेकिन बाद में कुछ गलतियों के कारण उज्बेक खिलाड़ी को आधा अंक मिल गया।

यूरो 2025

स्वीडन को हराकर इंग्लैंड पहुंचा सेमीफाइनल में

ज्यूरिख : इंग्लैंड ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में स्वीडन को 3-2 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जब निर्धारित समय का खेल समाप्त होने में 12 मिनट का समय बचा था तब गत चैंपियन इंग्लैंड दो गोल से पीछे चल रहा था। उसने लूसी ब्रोंज (79वें) और स्थानापन्न मिशेल अग्येमांग (81वें) के गोल की मदद से स्कोर 2-2 से बराबर किया और फिर पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल करके खिताब बचाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इससे पहले कोसोवरे अस्लानी ने स्वीडन को दूसरे मिनट में ही बढ़त दिला दी थी जिसे स्टिना ब्लैकस्टेनियस ने 25वें मिनट में दोगुना कर दिया था। सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना मंगलवार को इटली से होगा।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को रौंदा

हरारे, एजेंसी

मैट हेनरी (तीन विकेट) के बाद डेवोन कॉन्वे (नाबाद 59) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में 37 गेंदे शेष रहते जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हरा दिया।

121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में टिम सीफर्ट (पांच) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने मोर्चा संभाला। उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में टी मपोसा ने रचिन रविंद्र को आउटकर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। रचिन ने 19 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाये। इसके बाद डैरिल मिचेल 19 गेंदों में (नाबाद 26) और डेवोन कॉन्वे 40 गेंदों में (नाबाद 59) की जोड़ी ने और कोई विकेट नहीं गिरने दिया। न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जिम्बाब्वे की ओर से टी मपोसा और ब्लेसिंग मुजारबानी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 120 रन का स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे के लिए वेस्ली मधेवेरे और ब्रायन बेनेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 37 रन जोडे.। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ब्रायन बेनेट (21) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये क्लाइव मडांडे ने वेस्ली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में रचिन ने उन्हें आठ रन पर स्टंप आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सका।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र रन लेते हुए। ● एजेंसी

● **टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे को आठ विकेट से हराया**

भारत 'ए' हॉकी टीम यूरोपीय दौरे पर बेल्जियम से हारी

एंटवर्प (बेल्जियम) : भारतीय 'ए' पुरुष हॉकी टीम को यहां यूरोपीय दौरे पर मेजबान बेल्जियम के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत 'ए' के लिए कप्तान संजय ने बृहस्पतिवार को हुए इस मैच का इकलौता गोल किया। बेल्जियम ने अपने तीनों गोल पहले क्वार्टर में ही दाग दिए थे। भारत ने शुरुआती क्वार्टर के बाद मैच में अच्छी वापसी करते हुए गेंद पर अधिक कब्जे के साथ बेल्जियम पर दबाव बनाये रखा। टीम ने इस दौरान गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाये लेकिन उसे एकमात्र सफलता आखिरी क्वार्टर में मिली।

भारत 'ए' के कोच शिवेंद्र सिंह ने मैच के बाद कहा हमने खराब शुरुआत होने के बावजूद, कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया। हमारी टीम जल्दी पिछड़ने के बावजूद वापसी करने और दूसरे हाफ में मैच पर मजबूत पकड़ बनाने में सफल रही। हमने इस दौरान कई मौके बनाए, हमें उन मौकों को गोल में बदलने के मामले पर सुधार करना होगा। भारतीय टीम अब शुक्रवार (18 जुलाई) और रविवार (20 जुलाई) को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। शिवेंद्र ने कहा हमें अब विश्व की नंबर एक टीम के खिलाफ खेलना है। इन खिलाड़ियों के करियर के लिए यह अनुभव काफी मायने रखेगा।

इगा स्वियाटेक ने हासिल कीं कई अविश्वसनीय उपलब्धियां

वारसॉ, एजेंसी

● **इस वर्ष छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विंबलडन खिताब जीत देश के लिए रचा इतिहास**

● **तीनों सतहों क्ले, हार्ड और ग्रास पर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली एकमात्र हैं सक्रिय महिला**

पोलैंड की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने विंबलडन का खिताब जीतकर कई अविश्वसनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इगा स्वियाटेक ने इस साल ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम और पहला विंबलडन खिताब जीता और इस दौरान कई तरह उपलब्धियां हासिल की। इगा स्वियाटेक तीनों सतहों 'क्ले, हार्ड और ग्रास' पर ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला हैं।

उन्होंने 2020, 2022, 2023 और 2024 में रौलां गैरो में क्ले कोर्ट पर चार, 2022 में यूएस ओपन में हार्ड कोर्ट पर एक और अब 2025 में विंबलडन में ग्रास कोर्ट पर अपना पहला खिताब जीता है।

24 वर्षीय स्वियाटेक अमेरिका की सेरेना विलियम्स के बाद तीनों सतहों पर मेजर खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं।

सेरेना 20 साल की थीं जब उन्होंने 2002 में विंबलडन (ग्रास कोर्ट पर) में अपना सरफेस स्लैम पूरा किया था। इससे पहले उन्होंने 1999 में यूएस ओपन (हार्ड कोर्ट पर) और 2002 में रौलां गैरो (क्ले कोर्ट पर) जीता था। वह तीन अलग-अलग तरह के टूर्नामेंट जीतने वाली एकमात्र सक्रिय महिला टेनिस खिलाड़ी हैं। वह अभी तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाई हैं। अब उनके पास इस सदी में किसी महिला टेनिस खिलाड़ी द्वारा जीते गए चौथे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब है। उन्होंने मारिया शारापोवा, जिन्होंने पांच ग्रैंड स्लैम जीते थे, को पीछे छोड़ा है। वह अब केवल सेरेना (जिन्होंने इस सदी में अपने 23 में से 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं), वीनस विलियम्स (जिन्होंने सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) और जस्टिन हेनिन (जिन्होंने भी सात ग्रैंड स्लैम जीते हैं) से पीछे हैं। 2018 में जूनियर वर्ग जीतने के बाद, इगा ओपन एरा में विंबलडन में लड़कियों और महिलाओं दोनों का खिताब जीतने वाली केवल चौथी महिला हैं।

वह मार्टिना हिंगिस (1994 और 1997), एमिली मौरेस्मो (1996 और 2006) और एश्ले बार्टी (2011 और 2021) के साथ उस विशिष्ट सूची में शामिल हो गईं। वह पिछले चार वर्षों से, 2022 से 2025 तक, हर साल कम से कम एक खिताब जीत रही हैं और ऐसा करने वाली एकमात्र महिला हैं।

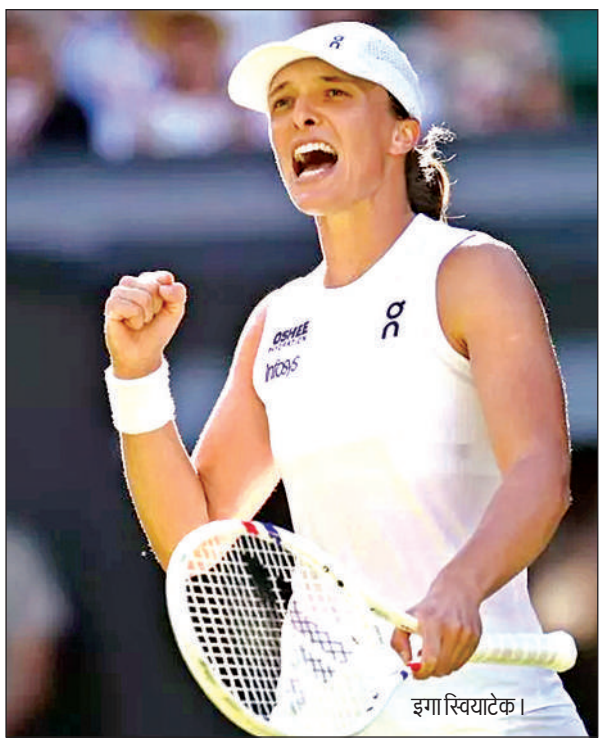

इगा स्वियाटेक।

एक नजर

भारत की प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर जुर्माना लगाया गया

दुबई : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतीका रावल और इंग्लैंड की टीम पर शुक्रवार को साउथम्पटन में खेले गए तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया। रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं में लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया। रावल को 18वें ओवर के दौरान इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और उसके अगले ओवर में सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क बनाने का दोषी पाया गया।

प्रतीका ने कहा, जानबूझकर नहीं किया था नियमों का उल्लंघन

लंदन : भारतीय बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शुक्रवार को आईसीसी द्वारा जुर्माना लगाने और एक डिमेरिट अंक दिए जाने के बाद स्पष्ट किया कि पहले महिला वनडे के दौरान इंग्लैंड की क्रिकेटरों के साथ कंधे से संपर्क 'जानबूझकर नहीं' किया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए रावल पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया था और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया था। आईसीसी ने कहा था कि भारतीय बल्लेबाज ने 18वें और 19वें ओवर में इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फाइलर और सोफी एक्लेस्टोन के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क किया था। रावल ने दूसरे वनडे की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा यह जानबूझकर नहीं किया गया था। मैं बस दौड़ रही थी और कंधे से टकराने वाली बात पूरी तरह से अनुचित थी। यह उस अर्थ में जानबूझकर नहीं किया गया था।

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

लंदन : ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं। अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय अंडर-31 ब्रिज टीम ने कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली : भारत की अंडर-31 ब्रिज टीम ने 19वीं विश्व युवा टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, जबकि अंडर-16 टीम चौथे स्थान पर रही। इटली के साल्सोमगिओरे में आयोजित टूर्नामेंट का अंतिम दिन बृहस्पतिवार को यह दोनों भारतीय टीमें पोडियम स्थान (शीर्ष तीन) हासिल करने की दौड़ में थीं। अंडर-16 टीम दो करीबी सेटों के बाद सेमीफाइनल प्लेऑफ में फ्रांस से हार गई। यह टीम हालांकि इस प्रतियोगिता के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। अंडर-31 टीम ने 'बोर्ड ए मैच' स्पर्धा में 24 प्रतिस्पर्धी टीमों में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। अंडर-16 टीम में प्रखर बंसल, विहा गहरोत्रा, अनन्या मेहता, जशित नारंग, अधियमान जोडिपाचे और अगिलन जोडिपाचे शामिल थे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को छह आईएमपी (अंतर्राष्ट्रीय मैच प्वाइंट) से हराया था।

भारत ने श्रीलंका पर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की

सोलो (इंडोनेशिया) : भारत ने शुक्रवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में ग्रुप डी के मुकाबले में श्रीलंका को 110-69 से हराकर सकारात्मक तरीके से अपना अभियान शुरू किया। विष्णु कोडे और रेशिका यू की मिश्रित युगल जोड़ी ने 'रिले प्वाइंट प्रणाली' में केनेथ अरुगोडा और इसुरी अट्टानायके पर 11-5 से जीत के साथ भारत की बढ़त की शुरुआत की। इस प्रणाली में एक टीम को मैच जीतने के लिए 110 अंक हासिल करने होते हैं। इसके बाद गायत्री और मनसा रावत बहनों की जोड़ी ने अट्टानायके और सिथुमी डिसिल्वा के खिलाफ भारत की बढ़त को 22-14 तक पहुंचाया और फिर जूनियर विश्व नंबर एक तन्वी शर्मा ने सिथुली रणसिंघे के खिलाफ शानदार शुरुआत करते हुए भारत का स्कोर 33-21 कर दिया।

विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे आडवाणी

मनामा (बहरीन) : तीन बार के चैंपियन पंकज आडवाणी शनिवार से यहां शुरू हो रही विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप में मजबूत भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। पिछले महीने कोलंबो में एशियाई टीम स्नूकर चैंपियनशिप में भारत का नेतृत्व करने के बाद आडवाणी विश्व चैंपियनशिप में भी इसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। आडवाणी को बृजेश दमानी और आदित्य मेहता के साथ वाइल्डकार्ड मिला। टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर आडवाणी ने कहा, ''मैं अभी अपने खेल को लेकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं।

भगदड़ मामले में आरसीबी पर अभी नहीं होगी कार्रवाई

बेंगलुरु, एजेंसी

● कर्नाटक मंत्रिमंडल ने किया पहले रिपोर्ट के और अध्ययन का फैसला

कर्नाटक सरकार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आईपीएल जीत समारोह के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई पर अपना फैसला टाल दिया है। इस आयोजन के दौरान 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे।

मंत्रिमंडल को हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल कुन्हा की दो खंडों वाली अंतिम रिपोर्ट प्राप्त हुई, लेकिन कार्रवाई करने से पहले इसका और अध्ययन करने का निर्णय लिया गया। कानून मंत्री एचके पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, कैबिनेट को रिपोर्ट मिल गई है। हम अगली बैठक में इसका अध्ययन करेंगे और निर्णय लेंगे।

आरसीबी, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आयोजक डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स के खिलाफ आरोपों पर विचार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इससे पहले 12 जून को हाईकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट में आयोजकों पर पुलिस मंजूरी के बिना कार्यक्रम करने और सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी का आरोप लगाया था।

विमान हादसे के पीड़ितों के लिए बना 500 करोड़ रुपये का कल्याण ट्रस्ट

नई दिल्ली। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के लिए 500 करोड़ रुपये का कल्याणकारी ट्रस्ट स्थापित किया है।

'एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट' का पंजीकरण मुंबई में कराया गया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट ने इसे 250-250 करोड़ रुपये का योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें मारे गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देना भी शामिल है। ट्रस्ट के उद्देश्यों में हादसे में गंभीर घायलों के इलाज का खर्च और क्षतिग्रस्त हुए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए सहायता भी शामिल होगी।

सैकड़ों में तादाद, दुनिया का चैन हराम

आतंकवादी संगठन

अमेरिका की ओर से पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करना अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के नजरिए से काफी अहम है। इसे एक कूटनीतिक और रणनीतिक कदम माना जा सकता है, जिससे पाकिस्तान आधारित आतंकी गतिविधियों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित होगा। साथ ही भारत की सुरक्षा चिंताओं को वैश्विक मंच पर समर्थन मिलने और ऐसे संगठनों के खिलाफ बहुपक्षीय कार्रवाई की राह खुलने की उम्मीद है। हालांकि दुनिया में ऐसे तमाम संगठनों को आतंकी संगठन घोषित किया जा सकता है जिन्होंने तमाम देशों का चैन हराम कर रखा है।

क्या है ऐसी घोषणा का महत्व

- अमेरिका का किसी संगठन को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस संगठन की निंदा का संकेत होता है जो दिखाता है कि यह संगठन वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा है।
- टीआरएफ को पाकिस्तान में स्थापित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा माना जाता है। इसे आतंकी घोषित करने से पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा कि वह इस संगठन पर सख्त कार्रवाई करे।
- टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करने के बाद अमेरिका में उसकी संपत्ति जब्त की जा सकती है। इनसे जुड़े किसी व्यक्ति या संस्था को अमेरिका में वित्तीय लेनदेन करने की अनुमति नहीं होती।

हर देश की आतंकी संगठनों की अपनी सूची

- भारत अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत आतंकी संगठनों को सूचीबद्ध करता है।
- अमेरिका फॉरेन टेररिस्ट ऑरगेनाइजेशन और स्पेशली डेजिगनेटेड ग्लोबल टेररिस्ट के तहत।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वैश्विक आतंकी सूची सभी सदस्य देशों के लिए मान्य होती है।
- सिर्फ संयुक्त राष्ट्र की घोषणा ही बाध्यकारी होती है। बाकी घोषणाएं घरेलू हितों पर आधारित।

आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई

- कानूनी तौर पर ऐसे संगठनों की संगठन की संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं। उनकी सदस्यता, सहयोग, प्रचार या फंडिंग देना अपराध बन जाता है।
- ऐसे संगठन के किसी सदस्य को वीजा या देश में प्रवेश नहीं दिया जाता। संगठन से जुड़े लोगों पर अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकते हैं।
- संरक्षण देने वाले देश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनता है। अन्य देश भी सहयोगी कदम उठाते हैं, जैसे यूरोपीय यूनियन या ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रतिबंध लगाना।

पाकिस्तानी मूल के संगठन

संयुक्त राष्ट्र की सूची में 10 से 12 और अमेरिकी एफटीओ की सूची में 14 से 16 संगठन पाकिस्तान आधारित हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हक्कानी नेटवर्क, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, अल-बदर और हाल ही में टीआरएफ हाल ही में शामिल हुआ है।

दुनिया भर में ऐसे सैकड़ों संगठन

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से 60 से ज्यादा संगठनों को आतंकवादी घोषित किया गया है।
- अमेरिका ने जुलाई 2025 तक 70 से अधिक संगठनों को एफटीओ के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- भारत ने 50 से अधिक संगठनों पर अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट के तहत प्रतिबंध लगाया है।

एक नजर

आईआईटी खड़गपुर का छात्र फंदे पर लटका

कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर में चौथे वर्ष के छात्र रितम(21) मंडल अपने होस्टल के कमरे में फांसी पर लटके पाए गए। पुलिस ने बताया कि आईआईटी के राजेन्द्र प्रसाद परिसरमें होस्टल के कमरा संख्या 203 में रितम को लटका हुआ पाया गया। आईआईटी अधिकारियों ने सुबह 11 इसकी सूचना हिजली पूलिस चौकी को दी। छात्र को बीसी राय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसे लाए जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस का मानना है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है।

मीरवाइज ने लगाया फिर नजरबंद करने का आरोप

श्रीनगर। कश्मीर के मुख्य मौलवी एवं हुर्रियत अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार दूसरे शुक्रवार को नजरबंद कर दिया गया और उनके आवास तक पहुंचने के सभी रास्तों पर बैरिकेड लगा दिया गया है। मीरवाइज ने एक्स पर पोस्ट में कहा, लगातार दूसरे शुक्रवार को भी मैं घर में नजरबंद हूं। मेरे घर की हर गली में बैरिकेड लगा दिया गया है जिससे पूरे मोहल्ले के लोगों को असुविधाएं झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, मैं हुक्मरानों को स्पष्ट कर दूं कि हमारे शहीदों की यादों को वे नियंत्रित नहीं कर सकते। वे हमारे दिलों में बसती हैं।

एक दिन के स्थगन के बाद अमरनाथ यात्रा फिर शुरू

जम्मू। कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण एक दिन के लिए स्थगित अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को फिर शुरू हो गई। 7,900 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर के दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ और पुलिस सुरक्षा में 7,908 तीर्थयात्रियों का 16वां जत्था 261 वाहनों से भगवती नगर आधार शिविर से तड़के साढ़े तीन बजे से चार बजकर 25 मिनट के बीच रवाना हुआ।

जर्मनी ने 81 अफगान नागरिकों को वापस भेजा

बर्लिन। जर्मनी ने निर्वासित किये गये दर्जनों अफगान नागरिकों को शुक्रवार को उनके मूल देश वापस भेज दिया। जर्मनी में नई सरकार द्वारा प्रवासन पर सख्त रुख अपनाये जाने के बाद पहली बार और अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर कब्जे के बाद दूसरी बार ऐसा हुआ है। गृह मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार सुबह रवाना हुई उड़ान में 81 अफगान नागरिकों को वापस भेजा गया। ये सभी पुरुष हैं और पहले से ही न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा चुकी थी।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के प्रमुखों को गाजा नहीं आने दे रहा इजराइल

मानवाधिकार समेत तीन एजेंसियों के प्रमुखों का नहीं किया वीजा नवीनीकरण

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

इजराइल ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र के कम से कम तीन एजेंसियों के प्रमुखों के वीजा का नवीनीकरण करने से इनकार कर दिया है। फरवरी 2025 के बाद वे गाजा नहीं जा पाए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार एजेंसी प्रमुख ने इसके लिए युद्ध प्रभावित क्षेत्र में फलस्तीनी नागरिकों की रक्षा से जुड़े उनके काम को कारण बताया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने पुष्टि की कि मानवाधिकार मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, मानवाधिकार एजेंसी ओएचसीएचआर और गाजा में फलस्तीनियों की सहायता करने वाली एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए के स्थानीय नेताओं के वीजा का हाल के महीनों में नवीनीकरण नहीं किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार मामलों के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने सुरक्षा परिषद को बताया कि संयुक्त राष्ट्र का मानवीय अधिदेश केवल जरूरतमंद नागरिकों को सहायता प्रदान करना और अपने कर्मचारियों द्वारा देखी गई घटनाओं की रिपोर्ट करना ही नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की वकालत करना भी है। उन्होंने कहा, हमारे वकालत के अधिदेश और सहायता पहुंचाने के बीच तनाव गाजा से अधिक कहीं नहीं है। इजराइल का वीजा नवीनीकरण नहीं करना या उसकी अवधि कम किया जाना स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा संबंधी हमारे काम के जवाब में है।

हमास से साठगांठ का आरोप लगाता रहा है इजराइल

इजराइल हमास के दक्षिणी इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 के अचानक हमले से पहले से ही संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) की तीखी आलोचना करता रहा है। इजराइल उस पर हमास के साथ मिलीभगत करने और इजराइल विरोधी नफरत फैलाने का आरोप लगाता रहा है, जिसका यूएनआरडब्ल्यूए पुरजोर खंडन करता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके दक्षिणपंथी सहयोगियों ने दावा किया है कि यूएनआरडब्ल्यूए में हमास की गहरी घुसपैठ है और इसके कर्मचारियों ने 7 अक्टूबर के हमलों में हिस्सा लिया था। इजराइल ने औपचारिक रूप से यूएनआरडब्ल्यूए को अपने क्षेत्र में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया है।

सीरिया पर इजराइली हमले पर अरब देशों और तुर्की ने जताई नाराजगी

इस्तांबुल। अरब देशों और तुर्की ने शुक्रवार को सीरिया की सुरक्षा, एकता, स्थिरता और संप्रभुता के लिए अपना समर्थन दोहराया और उसके आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के विदेशी हस्तक्षेप को अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने इजराइल की ओर से बार-बार किए गए हमलों की भी निंदा की। यह बयान संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब, इराक, ओमान, कतर, कुवैत, लेबनान, मिस्र और तुर्की के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त रुप से जारी किया। सऊदी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस संयुक्त बयान में मंत्रियों ने सीरिया की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के लिए समर्थन दोहराया गया और उसके आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर दृढ़ अस्वीकृति जताई गई। इसमें कहा गया है कि वे सीरियाई अरब गणराज्य पर बार-बार होने वाले इजराइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन और सीरिया की संप्रभुता पर खुला हमला है।

ओली ने कहा, सही समय पर करूंगा भारत की यात्रा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा है कि वह उचित समय पर भारत की यात्रा करेंगे और उनकी यात्रा को लेकर दोनों पक्ष जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी भारत यात्रा के समय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

● **भारत के साथ संबंधों में खटास की अटकलों के बीच बयान**

भारत यात्रा के बारे में ओली की यह टिप्पणी स्थानीय मीडिया की ओर से लगाई जा रही इन अटकलों के बीच आई है कि प्रधानमंत्री को नयी दिल्ली से आधिकारिक यात्रा के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत के साथ उनके संबंधों में खटास आ गई है। ओली ने बृहस्पतिवार देर रात नेपाली यूट्यूब चैनल 'दिशानिर्देश टीवी' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मैं संभवतः भारत की यात्रा पर जाऊंगा। मेरी भारत यात्रा दोनों पक्षों की ओर से आवश्यक जमीनी कार्य पूरा करने के बाद होगी।

विशेष अदालतें न बनाई तो रिहा करना पड़ेगा एनआईए यूएपीए के आरोपियों को

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को निर्देशों को नजरंदाज करने पर लगाई फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विशेष कानूनों के तहत दर्ज मामलों के लिए अदालतें स्थापित नहीं करने के लिए केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने चिंता जताते हुए कहा, इससे आरोपियों को जमानत देने के लिए अदालतें मजबूर होंगी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि सरकार एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत त्वरित सुनवाई के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे वाली अदालतें स्थापित करने में विफल रहती है, तो अदालत को अनिवार्य रूप से आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि समयबद्ध तरीके से मुकदमे को पूरा करने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं है।

पीठ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे से कहा कि मौजूदा अदालतों को विशेष अदालतें नामित करना उच्च न्यायालय को उन्हें पुनः 'रीलेबल' करने के लिए मजबूर करने के समान है। पीठ ने कहा, हम इस बात से संतुष्ट हैं कि एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने के लिए कोई प्रभावी या प्रत्यक्ष कदम नहीं उठाए गए हैं।

विशेष कोर्ट के लिए देनी पड़ेंगी अलग सुविधाएं

पीठ ने कहा कि विशेष अदालतों के लिए वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, अदालत कक्ष और बुनियादी सुविधाओं के लिए पदों का सृजन करना होगा। उसके आदेशों के विपरीत, यह धारणा बनाई गई कि एनआईए अधिनियम के तहत मौजूदा अदालत को विशेष अदालत के रूप में नामित करना निर्देशों का पर्याप्त अनुपालन होगा। पीठ ने कहा कि अदालतों को विशेष अदालतों के रूप में नामित करना या एनआईए अधिनियम और अन्य विशेष कानूनों के तहत मौजूदा अदालतों को विशेष सुनवाई सौंपना, जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों और वृद्ध कैदियों, समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों की कीमत पर होगा।

बीएसएफ ने अमृतसर सीमा पर छह पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया

जालंधर, एजेंसी

● ड्रग तस्करी का मामला, गिराए गए सभी ड्रोनों से 2.340 किलो हेरोइन बरामद

पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में पिछले कुछ घंटों के दौरान चलाए गए अभियानों में बीएसएफ ने छह पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराया और कुल मिलाकर 2.340 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

बीएसएफ के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए, सतर्क बीएसएफ जवानों ने कल रात अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में कई घटनाओं में 6 पाकिस्तानी ड्रोन और संदिग्ध हेरोइन के 4 पैकेट बरामद किए। उन्होंने कहा कि गुरुवार की रात के समय, ड्यूटी पर तैनात सतर्क बीएसएफ जवानों ने अमृतसर सीमा पर लगातार ड्रोन घुसपैठ को रोका। त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए, सीमा पर तैनात तकनीकी प्रतिरोधक उपायों को सक्रिय किया गया, जिससे पाकिस्तान की ओर से आने वाले हर नार्को ड्रोन को बिना किसी त्रुटि के निष्क्रिय कर दिया गया।

अरुणाचल प्रदेशः हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में सुरक्षाबलों ने एक तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान में मियाओ-विजयनगर क्षेत्र में छह हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। अभियान के दौरान विशेष टीमों, विशिष्ट तकनीकी उपकरणों और खोजी कुत्तों को तैनात किया गया था। अधिकारी ने बताया कि जब्त हथियारों के स्त्रोत और मकसद का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा की फांसी पर लगी रोक : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि यमन में हत्या के जुर्म में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को सूचित किया गया कि प्रिया की फांसी पर रोक लगा दी गई है। उसे 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी। याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया- इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने पीड़ित परिवार से बातचीत के लिए यमन जाने के वास्ते केंद्र से एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकार के समक्ष अपना पक्ष रख सकता है।

आस्था का सागर

हरिद्वार में कांवड़ यात्रा चरम पर है। लाखों शिवभक्त गंगाजल लेने के लिए पैदल यात्रा कर हरिद्वार पहुंच रहे हैं। सड़कों पर जगह-जगह उनके वाहन खड़े हैं। हरिद्वार की गलियां हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज रही हैं। प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखने को विशेष इंतजाम किए हैं। एजेंसी

यूरोपीय संघ का रोसनेफ्ट की भारतीय रिफाइनरी पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

● यूक्रेन में युद्ध पर रूस के खिलाफ लिए निर्णयों के तहत कार्रवाई

यूरोपीय संघ ने शुक्रवार को रूस की दिग्गज ऊर्जा कंपनी रोसनेफ्ट की भारतीय तेल रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगा दिए और तेल मूल्य सीमा घटा दी। यह यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ उठाए गए नए कदमों का हिस्सा है। रूस के खिलाफ उन उपायों में बैंकिंग और रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंध शामिल हैं।

तेल मूल्य की कम सीमा इस समय 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल है। इसका अर्थ है कि रूस भारत जैसे खरीदारों को कम दरों पर अपना कच्चा तेल बेचने के लिए मजबूर होगा। रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार होने के नाते, भारत को इस कदम से लाभ होगा। इस समय भारत के कुल तेल आयात में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत है।

यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने एक्स पर लिखा, पहली बार हम भारत में रोसनेफ्ट की सबसे बड़ी रिफाइनरी को नामित कर रहे हैं। रोसनेफ्ट की नायरा एनर्जी लिमिटेड में 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसे पहले एस्सार ऑयल के नाम से जाना जाता था। नायरा गुजरात के वडिनार में दो करोड़ टन प्रति वर्ष की क्षमता वाली एक तेल रिफाइनरी और 6,750 से अधिक पेट्रोल पंपों का संचालन करती है। एक निवेश समूह केसानी एंटरप्राइजेज कंपनी के पास नायरा में 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। केसानी का स्वामित्व रूस की यूसीपी और हारा कैपिटल सार्ल के पास है।

विमान हादसे की जांच के लिए न्यायिक आयोग बने : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे की पूरी सच्चाई सामने लाने एवं हवाई यात्रा पर आमजन का भरोसा जमाने के लिए केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग बिठाना चाहिए।

गहलोत ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस आयोग में भारतीय वायुसेना ने वरिष्ठ अधिकारी एवं एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञ शामिल हो जो इस हादसे के हर पहलू की जांच कर सच सामने ला सकें। इस हादसे पर आई एएआईबी की रिपार्ट के बाद पूरी दुनिया में आशंकाएं बढ़ गई हैं। सबके मन में यह भावना है कि पायलट अपना पक्ष रखने के लिए जीवित नहीं हैं, इसलिए उन्हें आरोपित करना सबसे आसान है।

चेतावनी आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा, कृषि क्षेत्र में आयात को छूट से भारतीय किसानों को होगा बड़ा नुकसान

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में बहुत सतर्कता की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● भारत ने अब तक कृषि और डेरी क्षेत्र में अपने किसी व्यापारिक साझेदार को नहीं दी हैं रियायतें

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत के दौरान भारत को खासकर कृषि क्षेत्र को लेकर बहुत सतर्क रहने और सूझबूझ के साथ काम करने की जरूरत है।

राजन ने एक बातचीत में कहा कि विकसित देश कृषि क्षेत्र को काफी सब्सिडी देते हैं और यह हमें ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर फिलहाल छह-सात प्रतिशत के दायरे में स्थिर हो गई है। हालांकि वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं के चलते इसमें थोड़ी गिरावट हो सकती है। राजन ने कहा, कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यापार समझौते काफी जटिल हो जाते हैं क्योंकि हर देश अपने उत्पादकों को सब्सिडी देता है। भारत के उत्पादक अपेक्षाकृत छोटे हैं और उन्हें कम सब्सिडी मिलती है। ऐसे में यदि कृषि उत्पादों का निर्बाध आयात होने लगे तो इससे हमारे किसानों को नुकसान हो सकता है।

अमेरिका से बातचीत में कृषि क्षेत्र में आयात बड़ा मुद्दा

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर इस सप्ताह वाशिंगटन में पांचवें दौर की बातचीत हुई है। भारत अमेरिकी प्रशासन की तरफ से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाए जाने की मांग कर रहा है। इसके अलावा भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम पर लगे 50 प्रतिशत और वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क से राहत देने की मांग रखी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौता इंडोनेशिया के साथ हुए समझौते की तर्ज पर ही होगा। इसका मतलब है कि कृषि क्षेत्र में आयात की अनुमति देना एक अहम मुद्दा बनने जा रहा है। भारत ने कृषि और डेयरी उत्पादों को आयात रियायत दिए जाने की अमेरिकी मांग पर अपना रुख कड़ा किया हुआ है।

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने सुझाव दिया कि विकसित देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देकर दुग्ध उत्पादों जैसे क्षेत्रों में मूल्यवर्धन को बढ़ाया जा सकता है, जिससे देश के दुग्ध उत्पादकों को फायदा होगा। राजन ने कहा, इसके बजाय हमें यह नहीं कहना चाहिए कि हम अन्य देशों से अधिक दूध के आयात का स्वागत करते हैं, बल्कि हमें समझदारी से रणनीति बनानी चाहिए। इस समय शिकागो बूथ (शिकागो विश्विद्यालय) में वित्त के प्रोफेसेर राजन ने कहा, इस सबके लिए बहुत सतर्क रहने और बहुत सूझबूझ के साथ बात करने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार के अधिकारी इसी काम में लगे हुए हैं।

भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में अपने साझेदार को कृषि एवं डेरी क्षेत्र में शुल्क रियायतें नहीं दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अमेरिका की ओर से लगाए गए अतिरिक्त शुल्कों के मुकाबले कुछ अधिक अवसर भी मिल सकते हैं। यदि अमेरिका द्वारा चीन या अन्य एशियाई देशों पर शुल्क भारत से ज्यादा हैं, तो कुछ विनिर्माण गतिविधियां भारत का रुख कर सकती हैं। राजन ने कहा कि भारत ने कुछ क्षेत्रों में संरक्षणवादी रवैया अपनाया है, लेकिन उन क्षेत्रों में उचित प्रतिस्पर्धा लाने और शुल्कों में कटौती से अर्थव्यवस्था को लाभ मिल सकता है।